राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, रविवार, 07 जून 2026

वर्ष 07, अंक 241, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जनसहभागिता के माध्यम से कुवांनो नदी के जीर्णोद्धार अभियान ...02

खेलकूद प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न हुई..11

पटना फायरिंग मामला: सरेंडर करने कोर्ट पहुंचे थे खान सर, लेकिन आज का टाइम हुआ पूरा

● बिहार के मशहूर शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर कोचिंग संस्थान में हुई हिंसा और कथित फायरिंग मामले में सरेंडर करने पहुंचे. उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है

बिहार के मशहूर शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर आज शनिवार को पटना की अदालत में सरेंडर करने पहुंचे. कोर्ट का आज का समय पूरा होने के कराण अब वह सोमवार को अग्रिम जमानत की कोशिश करेंगे. खान सर के खिलाफ कोचिंग संस्थान में हुई हिंसा और फायरिंग मामले में स्न्नढ्ढक्र दर्ज हुई है. आर्म्स एक्ट के तहत उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ है.पुलिस उनकी तलाश कर रही थी. आरोप है कि उन्होंने बॉडीगार्ड्स से कह कर फायरिंग करवाई थी।

इस मामले में पुलिस ने उनके दो सुरक्षा गार्डों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. वहीं खान सर को भी नामजद आरोपी बनाते हुए गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया. बीते शुक्रवार की रात पुलिस की टीम उनकी गिरफ्तारी के लिए कोचिंग में पहुंची भी लेकिन वहां पर खान सर नहीं मिले. इस दौरान पुलिस का सामना वहां मौजूद छात्रों की भीड़ से पुलिस हुआ. छात्रों ने पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया हालांकि पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए छात्रों को कोचिंग और उसके आसपास की जगहों से बाहर कर दिया।

खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान पर हमला

दरअसल इस मामले की शुरुआत 2 जून को राजधानी पटना के मुसल्लहपुर हाट इलाके से हुई, जहां खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग संस्थान पर कुछ लोगों ने हमला और तोड़फोड़ की. इस दौरान कोचिंग संस्थान के सुरक्षा गार्डों ने राइफलों से कई राउंड फायरिंग की. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आ गया.

दो सुरक्षा गार्ड गिरफ्तार

इधर इस विवाद को पटना के कोचिंग संस्थानों के बीच प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की लड़ाई से भी जोड़कर देखा जा रहा है. पुलिस ने जांच के बाद प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान ज्ञान बिंदु के संचालक रोशन आनंद को मुख्य आरोपी मानते हुए गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इधर वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने खान सर के दो सुरक्षा गार्डों प्रदीप और तालेश्वर को हिरासत में लेकर पूछताछ की. पुलिस के अनुसार दोनों ने फायरिंग की बात स्वीकार की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और उनके हथियार जब्त कर लिए गए।

खान ग्लोबल स्टडीज में हुई तोड़फोड़ की घटना के संबंध में खान सर पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी. आर्म्स एक्ट और हत्या की कोशिश की एफआईआर दर्ज होने के बाद से गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद क्यों गिरफ्तार हुए?

2 जून की रात खान एकेडमी के बाहर तोड़फोड़, पथराव एवं गार्ड से मारपीट की गई थी। इसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया था। खान एकेडमी के मैनेजर ने ज्ञान बिंदु एकेडमी के डायरेक्टर रौशन आनंद समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद 3 जून को पुलिस ने रौशन सर समेत 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

पति बेराजगारी का बहाना बनाकर बच नहीं सकता... कोर्ट का भरण-पोषण खर्च देने का आदेश

● 2 जून के अपने आदेश में कोर्ट ने कहा, 'अपने खर्चों का प्रबंधन करना प्रतिवादी यानी पति की जिम्मेदारी है

● वह केवल बेरोजगारी या अन्य जिम्मेदारियों का हवाला देकर अपनी कानूनी रूप से ब्याही पत्नी और नाबालिग बेटे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से खुद को मुक्त नहीं कर सकता

दिल्ली की एक कोर्ट ने घरेलू हिंसा के एक मामले में व्यक्ति को फटकार लगाई है. साथ ही निचली अदालत के फैसले को भी पलटा है। कोर्ट ने व्यक्ति को अपने बेटे को 6,000 रुपये मासिक भरण-पोषण देने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि कोई पति बेरोजगार होने का दावा करके अपनी पत्नी और छोटे बच्चे के प्रति अपनी कानूनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता एडिशनल सेशंस जज शीतल चौधरी प्रधान एक महिला की अपील पर सुनवाई कर रही थीं. महिला ने निचली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसे 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण (PWDV) अधिनियम' के तहत आर्थिक मदद देने से इनकार कर दिया गया था। जज ने महिला की अपील मंजूर कर ली।

2 जून के अपने आदेश में कोर्ट ने कहा, 'अपने खर्चों का प्रबंधन करना प्रतिवादी यानी पति की जिम्मेदारी है. वह केवल बेरोजगारी या अन्य जिम्मेदारियों का हवाला देकर अपनी कानूनी रूप से ब्याही पत्नी और नाबालिग बेटे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से खुद को मुक्त नहीं कर सकता.' कोर्ट ने पाया कि पति भरण-पोषण का खर्च उठाने में सक्षम है और उसे आदेश दिया कि वह बच्चे के बालिग होने तक उसके भरण-पोषण के लिए हर महीने 6,000 का भुगतान करे।

2013 में शादी और 2015 में हुए अलग

महिला ने आरोप लगाया था कि फरवरी 2013 में उसकी शादी हुई थी, जिसके बाद उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसे परेशान किया. उसने दावा किया कि गर्भवती होने के दौरान उसे ससुराल से निकाल दिया गया था और वह 2015 से अपने बेटे के साथ अलग रह रही है. कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार, 2015 में फैमिली कोर्ट में हुए समझौते के बाद यह जोड़ा कुछ समय के लिए फिर से साथ रहने लगा था. वे कुछ महीनों तक किराए के घर में रहे लेकिन बाद में फिर अलग हो गए।

महिला की शिकायत कर दी थी खारिज

सितंबर 2025 में, निचली अदालत ने घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत महिला की शिकायत खारिज कर दी थी। कोर्ट का कहना था कि वह घरेलू हिंसा और आर्थिक शोषण के आरोपों को साबित करने में नाकाम रही. हालांकि, अपीलीय अदालत ने माना कि शारीरिक हमले और क्रूरता के आरोप मेडिकल रिकॉर्ड या स्वतंत्र सबूतों से साबित नहीं हुए, लेकिन उसने पाया कि पति ने 2015 से बच्चे के भरण-पोषण के लिए कोई आर्थिक मदद नहीं दी थी. अदालत ने कहा, 'नाबालिग बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी प्रतिवादी (पति) की भी उतनी ही है। '

नाबालिग बेटे के बालिग होने तक दीजिए खर्च

कोर्ट ने यह भी गौर किया कि बच्चा कई सालों से मां की कस्टडी में है और इस दौरान पिता की ओर से कोई आर्थिक मदद नहीं दी गई. अदालत ने कहा,'मेरी राय में, प्रतिवादी/पति हर महीने 6,000 का भरण-पोषण खर्च देने में सक्षम है. यह भुगतान इस आदेश की तारीख से शुरू होकर उसके नाबालिग बेटे के बालिग होने (18 साल की उम्र) तक किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त ख़बरें

आगरा का हरीपर्वत चौराहा बना ट्रैफिक का हॉट स्पॉट, केवल फ्लाईओवर ही दिला सकता है अब जाम से राहत

आगरा। एमजी रोड स्थित हरीपर्वत चौराहा। आप इस चौराहा से कभी न कभी गुजरे होंगे। जाम में भी फंसे होंगे। गुस्सा भी आया होगा आखिर जाम से निजात के लिए कुछ उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने चौराहा पर फ्लाईओवर के निर्माण का सुझाव भी दिए होंगे। अब चौराहा पर फ्लाईओवर की मांग तेज हो गई है। फ्लाईओवर बनने से जाम से निजात मिलेगी। इसके साथ ही हर दिन बर्बाद हो रहे 10 लाख रुपये के ईंधन की भी बचत हो सकेगी। इससे सबसे अधिक फायदा पर्यावरण को होगा। भगवान टाकीज चौराहा से सदर बाजार चौराहा तक एमजी रोड साढ़े पांच किमी लंबी है। दर्जनभर से अधिक चौराहा हैं। इसमें एक चौराहा हरीपर्वत है। यह ऐसा चौराहा है, जिसके दो किमी के क्षेत्र में डेढ़ दर्जन स्कूल-कालेज हैं। वर्तमान में उप्र मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) द्वारा एलीवेटेड मेट्रो ट्रैक बनाया जा रहा है।

संविधान नहीं, यूपी पुलिस सत्ता की वफादार... तबादले-पोस्टिंग और प्रमोशन पर हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

● उत्तर प्रदेश पुलिस और राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है. कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में अधिकारियों की नियुक्ति, तबादले और पदोन्नति अक्सर योग्यता के बजाय राजनीतिक निष्ठा के आधार पर तय होती हैं.

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश पुलिस और राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है. हाई कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारी संविधान के बजाए सत्ता के प्रति वफादार नजर आ रहे हैं. कई मौकों पर ऐसा होते देखा गया है. कोर्ट ने कहा कि तबादले, पोस्टिंग और प्रमोशन में भी यही चल रहा है. जो पुलिस अधिकारी सत्ता का वफादार है उसे आसानी से ये सब कुछ मिल जाता है. हाई कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजनीतिक संरक्षण की संस्कृति बहुत गहरी है. राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था लगातार कई सरकारों के शासनकाल में राजनीतिक दखलंदाजी के प्रति संवेदनशील रही है. कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में अधिकारियों की नियुक्ति, तबादले और पदोन्नति अक्सर योग्यता के बजाय राजनीतिक निष्ठा के आधार पर तय होती हैं. जबकि इसके लिए योग्यता को तरजीह दी जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है. जस्टिस विनोद दिवाकर की सिंगल बेंच ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स एवं असामाजिक गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, 1986 के तहत दर्ज एक मामले की सुनवाई के दौरान की. कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक और नौकरशाही व्यवस्था लंबे समय से सामंती मानसिकता से प्रभावित रही है, जिसके कारण संवैधानिक शासन कई बार सार्वजनिक सेवा के बजाय व्यक्तिगत प्रभाव और नियंत्रण का माध्यम बन गया है।

राजनीतिक आकाओं के प्रति खुद को ढाल लेते हैं अधिकारी

हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य में पसंदीदा अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिलों और शहरी कमिश्नरेट में तैनाती दी जाती है, जबकि स्वतंत्र रवैया रखने वाले अधिकारियों को महत्वहीन पदों पर भेज दिया जाता है. अदालत ने कहा कि तबादला-पोस्टिंग की इसी व्यवस्था के कारण कई अधिकारी अपने आचरण को राजनीतिक आकाओं की अपेक्षाओं के अनुरूप ढाल लेते हैं।

गृह विभाग की कार्यप्रणाली पर भी उठाए सवाल

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के गृह विभाग पर भी सवाल उठाए हैं. साथ ही उसकी कार्यप्रणाली को भी आड़े हाथों लिया है. कोर्ट ने कहा कि गृह विभाग भी अपना काम सही तरीके से नहीं कर रहा है. कुछ अधिकारी गृह सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर विराजमान होकर भी कई निष्पक्ष नहीं दिखाई दिए. उन्होंने

कई बार निष्पक्ष प्रशासनिक निर्णयों के बजाय व्यक्तिगत या बाहरी हितों से प्रभावित होकर काम किया. इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार को सलाह दी कि वह गृह विभाग में कार्यरत अधिकारियों की कार्यक्षमता और उपयुक्ता का स्वतंत्र मुल्यांकन करे, ताकि संस्थागत जवाबदेही तय हो सके।

विकास दुबे कांड का किया जिक्र

हाई कोर्ट ने इतना ही नहीं, कानपुर के बिकरू कांड (विकास दुबे कांड) का भी जिक्र किया. जिसमें कुख्यात अपराधी विकास दुबे को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला हुआ था और एक डीएसपी समेत आठ पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी. कोर्ट ने कहा कि इतनी गंभीर प्रशासनिक विफलता के बावजूद संबंधित अधिकारी को केवल औपचारिक चेतावनी देकर छोड़ दिया गया. कोर्ट ने कहा कि इस तरह की नरमी संस्थागत दंडमुक्ति की संस्कृति को बढ़ावा देती है, जिससे जवाबदेही कमजोर होती है।

गोवा में 22 साल के लड़के ने खुद को मारी गोली... सड़क पर कूड़ा फेंकने पर दर्ज हुई थी एफआईआर

● गोवा में एक युवक ने वायरल कचरा वीडियो और पुलिस FIR के बाद खुदकुशी कर ली.

● 22 वर्षीय लड़के ने सड़क पर कचरा फेंका था, जिसका वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने केस दर्ज किया। इससे परेशान होकर उसने यह कदम उठाया

● पुलिस अब वीडियो बनाने वाले पर भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है और मामले की गहन जांच कर रही है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोवा से सुसाइड का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक युवक ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया. युवक का सड़क पर कचरा फेंकने का एक वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज किया था, जिसकी वजह वो काफी परेशान चल रहा था. लोगों का कहना है कि इसी वजह से युवक ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया. वहीं अब युवक की मौत के बाद पुलिस वीडियो वायरल करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, गोवा के मापुसा में रहना वाले एक 22 साल के लड़के ने खुद की गोली मार कर खुदकुशी कर ली. कुछ दिन पहले पीड़ित लड़का सड़क पर कचरा फेंक रहा था, तभी किसी ने उसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर डाल दिया. वीडियो वायरल होने के बाद गोवा पुलिस ने पीड़ित की पुलिस स्टेशन बुलाया और उसके ऊपर एफआईआर दर्ज की.जिसके बाद पीड़ित लड़का काफी परेशान हो गया और कल देर रात उसने खुद को गोली मार के खुदकुशी कर ली।

पुलिस ने दर्ज की थी एफआईआर

गोवा पुलिस जांच कर रही है कि खुदकुशी की वजह सिर्फ वायरल वीडियो है या उस पर स्न्नढ्ढक्र दर्ज होने के बाद कानूनी कार्रवाई का डर था. गोवा पुलिस यह भी जांच कर रही कि पीड़ित के पास बंदूक कहा से आई. पीड़ित की मौत के बाद बाद पुलिस

वीडियो बनाने वाले कर भी कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

मापुसा के सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सलीम शेख ने बताया कि एक युवक द्वारा खुद को गोली मारने का मामला प्रकाश में आया था. जांच में पाया गया है कि युवक का सड़क पर कचरा फेंकने का एक वीडियो वायरल हो रहा था, जिसके बाद उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी. आशंका जताई जा रही है कि कानूनी कार्रवाई के डर से युवक ने खौफनाक कदम उठाया. हालांकि, यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कोई और वजह तो नहीं थी, युवक के बार बंदूक कहां से आई, जिससे उसने खुद को गोली मारी।

कैंसर अधिसूचित करने लायक बीमारी नहीं... सुप्रीम कोर्ट के नोटिस पर केंद्र का जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कैंसर को संक्रामक रोगों की तरह अनिवार्य रूप से अधिसूचित करने लायक बीमारी नहीं है. ना ही ऐसा माना जाना चाहिए, क्योंकि यह एक गैर-संक्रामक रोग है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता है. केंद्र ये बातें सुप्रीम कोर्ट में कही है. दरअसल, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता अनुराग श्रीवास्तव की रिट याचिका पर जारी नोटिस के जवाब में हलफनामा दाखिल किया है. याचिका में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से कैंसर को अधिसूचित बीमारी की सूची में डालने और निगरानी से संबंधित उपायों की मांग की गई है. जवाब में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) संक्रामक रोगों के लिए बनाई गई अनिवार्य अधिसूचना प्रणाली के बजाय कैंसर को रजिस्टर करने और दीर्घकालिक महामारी विज्ञान के तहत निगरानी की सिफारिश करता है. वहीं, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया और कहा कि देश में कैंसर रोग को प्रबंधित करने के लिए मौजूदा तंत्र वैज्ञानिक रूप से उपयुक्त और संवैधानिक रूप से अनुपालन योग्य हैं।

कैंसर स्वास्थ्य संविधान के अंतर्गत राज्य का विषय

केंद्र सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि कैंसर संक्रामक नहीं है और इससे सामुदायिक प्रसार का कोई खतरा नहीं है. हलफनामे में कहा गया है कि स्वास्थ्य संविधान के अंतर्गत मुख्य रूप से राज्य का विषय है, और रोग अधिसूचना संबंधी निर्णय राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं. अब तक 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने-अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य कानूनों या कार्यकारी आदेशों के तहत कैंसर को निगरानी के लिए अधिसूचित कर दिया है. जबकि आईसीएमआर द्वारा राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (NCRP) और संबंधित जनसंख्या-आधारित और अस्पताल-आधारित कैंसर रजिस्ट्रियों के माध्यम से राष्ट्रव्यापी कैंसर निगरानी पहले से ही की जा रही है।

नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप न करने का आग्रह

सरकार ने हलफनामे में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम (NP-NCD), आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई, राज्य कैंसर संस्थान और तृतीयक कैंसर देखभाल केंद्र समेत मौजूदा समय चल रही कई पहलों पर प्रकाश डाला और कहा कि ये कार्यक्रम कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग, निदान और उपचार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

अमईपार के भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे दबंग BDO कुदरहा आलोक कुमार पंकज

● BDO आलोक कुमार पंकज द्वारा अमईपार के ग्राम प्रधान कृष्ण मुरारी शुक्ला के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाए दिया जा रहा संरक्षण

ग्राम प्रधान कृष्ण मुरारी शुक्ला ने 27 जून को पूर्ण फर्जी मस्टर रोल को करा लिया है फीड 05 जून को पूर्ण फर्जी मस्टर रोल फीड कराने के फिराक में जुटे

भ्रष्टाचार की गंगा में डुबकी लगा रहे BDO आलोक कुमार पंकज की मनमानी से ग्राम पंचायत अमईपार में भ्रष्टाचार का बन रहा रिकार्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केकुदरहा ब्लॉक की ग्राम पंचायत अमईपार में मनरेगा घोटाला अब अंतिम चरण में है। तालाब खुदाई के नाम पर 2 फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल जारी हुए थे - पहला 27 मई को पूर्ण हो चुका, दूसरा 05 जून को पूर्ण हो गया है। खण्ड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज ग्राम पंचायत अमईपार के भ्रष्टाचार के दलदल में धंसते दिखाई दे रहे हैं। बीडीओ की मनमानी से भ्रष्टाचारी ग्राम पंचायत कृष्ण मुरारी शुक्ला के खिलाफ कार्रवाई नही हो पा रही है जिससे भ्रष्टाचारी ग्राम प्रधान का मनोबढ़ दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है । भ्रष्टाचारी ग्राम प्रधान ने 27 मई के पूर्ण फर्जी मस्टर रोल को सचिव , टीए , मनरेगा एपीओ व कम्प्यूटर ऑपरेटर को मुंहमांगा कमीशन देकर आइनलाइन भुगतान हेतु फीड करा दिया है और पुनः 05 जून को पूर्ण फर्जी आइलाइन मस्टर रोल को भुगतान के लिए फीड कराने के फिराक में है।

भुगतान का गणित- सबसे खतरनाक स्टेज:

1. **222 फर्जी मजदूर:** दोनों मस्टर रोल पर 222-222 मजदूरों की फर्जी हाजिरी रोजगार सेवक रानी बाला लगा रही हैं

2. **55 हजार रोज:** दोनों मस्टर रोल मिलाकर रोज ?55,000+ की फर्जी हाजिरी

3. भुगतान की फिराकः ग्राम प्रधान कृष्ण मुरारी शुक्ला TA, सचिव, APO, कंप्यूटर ऑपरेटर को मुंहमांगा कमीशन देकर फर्जी MB कराने में जुटे हैं

4. **BDO की परीक्षा:** खण्ड विकास

अधिकारी कुदरहा आलोक कुमार पंकज के लिए चुनौती है कि 27 मई वाला फर्जी मस्टर रोल का भुगतान रोकें और 5 जून को पूर्ण मस्टर रोल भुगतान के लिए रोके।

सिस्टम का हाल: आरोप है कि ष्ठष्ट मनरेगा संजय शर्मा ष्ठ में बैठकर ठंडी हवा ले रहे हैं। अगर अभी संज्ञान नहीं लिया गया तो ग्राम प्रधान फर्जी भुगतान में बाजी मार जाएंगे।

5 जून से पहले ये करना जरूरी है: फर्जी मस्टर रोल का भुगतान रोकने के लिए 100% सत्यापन अनिवार्य है। भुगतान हो गया तो रिकवरी मुश्किल हो जाती है।

अभी तुरंत कार्रवाई के लिए:

1. BDO कुदरहा आलोक कुमार पंकज- दोनों मस्टर रोल नंबर लिखकर भुगतान पर तत्काल रोक लगाएं। 27 मई वाले स्न्क्र की जांच कराएं।

2. CDO सार्थक अग्रवाल- 222 फर्जी मजदूरों के मामले में हस्तक्षेप। फेस हाजिरी फोटो व जियो-टैग चेक कराएं।

3. लोकपाल, मनरेगा बस्ती- फर्जी स्न्क्र पर रोक + ग्राम प्रधान कृष्ण मुरारी शुक्ला, रोजगार सेवक रानी बाला, TA, सचिव, APO, कंप्यूटर ऑपरेटर पर FIR की मांग

4. DM बस्ती- मनरेगा एक्ट को खुलेआम पलीता लगाने वालों पर कड़ी कार्रवाई 5. CM हेल्पलाइन 1076 - '5 जून को अमईपार का फर्जी स्न्क्रपूर्ण हो रहा, भुगतान रोकें '

कानून: फर्जी MB और फर्जी भुगतान IPC 420, 467, 409 के तहत 7 साल तक जेल है। भुगतान से पहले रोक देना ही असली कार्रवाई है। अब देखना यह है कि उक्त प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है ?

संक्षिप्त खबरें

'वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन' के तत्वाधान में मेधावी बच्चों का हुआ सम्मान

पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा हाईस्कूल में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों के मेधावी बच्चों को किया गया सम्मानित

अमेठी। वामा सारथी' (पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन) के तत्वाधान में पुलिस कार्यालय सभागार गौरीगंज में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. द्वारा जनपद में नियुक्त पुलिसकर्मियों के 10वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने मेधावी बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। मेधावियों में छात्रा जान्हवी यादव नें 97.2%, छात्र प्रांजल यादव ने 93%, छात्र उज्जवल गौर ने 92% व छात्र प्रथम प्रकाश दूबे ने 90% अंक अर्जित किये। तदोपरान्त एसपी ने बच्चों से संवाद कर उनको बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता केवल एक पड़ाव है, असली मंजिल अभी बाकी है। एसपी ने बच्चों को भविष्य की हर प्रतियोगिता में सफल होने हेतु जीवन में एक अनुशासित दिनचर्या और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का मूलमंत्र दिया। एसपी द्वारा विषम परिस्थितियों और कठिन ड्यूटी के बावजूद बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा व संस्कार देने के लिए पुलिसकर्मी अभिभावकों के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन्स श्वेताभ भास्कर व अन्य अधिकारी/ कर्मचारी गण मौजूद रहे।

श्रध्दा और भक्ति का प्रतीक है श्रीकृष्ण- रूक्मिणी विवाह

रामलक्षन देवरिया। लुअठहीं बाजार में हो रहे श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन रुक्मिणी विवाह का मंचन किया गया। कथा वाचक संजय कृष्ण किंकर महराज ने कहा कि रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना पति मानती थीं। लेकिन उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से तय कर दिया।यह संदेश पाकर श्रीकृष्ण विदर्भ पहुचे।शिशुपाल और अन्य राजाओं ने उनका पीछा किया, परन्तु श्रीकृष्ण ने उन्हें पराजित कर दिया। इसके बाद श्रीकृष्ण रुक्मिणी को द्वारका ले गए और वैदिक रीति से उनका विवाह सम्पन्न हुआ। यह विवाह भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के दिव्य प्रेम, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक माना जाता है।इस अवसर पर मुख्य यजमान प्रेम शंकर त्रिपाठी एवम् दमयंती देवी यजमान रत्नेश कुमार त्रिपाठी एवम् कंचन देवी अखिलेश त्रिपाठी एवम् नीलम देवी अमितेश त्रिपाठी एवम् साधना देवी देवेश त्रिपाठी एवम् काजल सर्वेश त्रिपाठी एवम् दीपिका सुभाष पांडे जी मीना देवी दिलीप पांडे विद्यावती देवी संजय पांडे सविता देवी श्रीनिवास त्रिपाठी आरती देवी सुनील त्रिपाठी माधुरी देवी मनोज सुशील तिवारी राजेश तिवारी दिनेश तिवारी श्रीप्रकाश तिवारी कामेश्वर तिवारी जयनारायण तिवारी ऋषिकेश तिवारी रवि प्रकाश तिवारी भास्कर तिवारी अमरजीत सिंह अरविंद यादव अरुण तिवारी अमरेंद्र तिवारी सहित बहुत से भक्त गण उपस्थित रहे।

जनसहभागिता के माध्यम से कुवांनो नदी के जीर्णोद्धार अभियान घाट पर नदी की साफ- सफाई अभियान

● ग्राम पंचायत ताडीजोत के सिसवनिया घाट पर नदी की साफ- सफाई अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिला प्रशासन के तत्वाधान में जनसहभागिता के माध्यम से कुवांनो नदी के जीर्णोद्धार अभियान के क्रम में विकास खण्ड बस्ती सदर-बस्ती के ग्राम पंचायत ताडीजोत के अन्तर्गत सिसवनिया घाट पर नदी की साफ-सफाई अभियान की शुरुआत की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विजय शर्मा एवं बाबूराम शर्मा रामजानकी मंदिर सिसवनिया घाट के पुजारी प्रशासक/प्रधान श्रीमती आरती पाण्डेय के साथ शौलेन्द्र पाण्डेय, चंद्रमणि पाण्डेय, ओम प्रकाश, कोटेदार अरूण कुमार आदि आम जनता के सहयोग से घाट पर साफ सफाई कर बृहद स्वरूप में जीर्णोद्धार अभियान की शुरुआत की गई।

इस अवसर पर जन समूह को सम्बोधित करते हुए विजय शर्मा पुजारी जी ने कहां नदियां भारतीय संस्कृति की धरोहर हैं जैसे शरीर में धामनियां रक्त का प्रवाह करती है वैसे हमारी नदियां पूरे ब्रह्मांड में जल प्रवाह को अविरल बनाती है। प्राचीन भारत के इतिहास को देखने पर पता चलता है कि किसी भी बड़े शहर या बड़ी सभ्यताएं विकसित हुई हैं वे सभी नदियों के किनारे थी भारतीय संस्कृति में नदिया हमारी आस्था का प्रतीक है।

ये हमारी भावनाएं व चेतना को जागृति रखती है मानवता व सभ्यता को बनाए रखने में इनका बहुमूल्य योगदान है। वर्तमान परिदृश्य में यह दिखाई पड़ रहा है कि हमारी नदियां अपने मूल स्वरूप को खो रही हैं। उनका जल स्तर घट रहा है नदियों को दूषित किया जा रहा है एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमारा यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम अपनी धरोहर को सजोये और इसके मूल स्वरूप को नष्ट होने से बचाये।

तत्कम में हम सभी कुवांनो नदी के जीर्णोद्धार अभियान के बाद आज यहां एकत्रित हुए हैं। अपने नदियों को अविरल बनाने के लिए सहभागिता के माध्यम से नदियों का जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। मेरा सर्व समाज के साथियों से अनुरोध है कि आप सभी आगे आएं और इस अभियान में अपनी अहम भूमिका निभाएं जिससे हम अपनी नदियों को मूल स्वरूप तक पहुंचाएं। इस अवसर पर प्रशासक/प्रधान श्रीमती आरती पाण्डेय के साथ शौलेन्द्र पाण्डेय, चंद्रमणि पाण्डेय, ओम प्रकाश, कोटेदार अरूण कुमार आदि ग्रामवासी उपस्थित रहें।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी युवा मंच ने की बैठक

रामलक्षन देवरिया। रूद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के शिवपुर ग्राम सभा में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी युवा मंच की एक बैठक हुई। बैठक में मंच के विस्तार व भावी कार्यक्रम पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुऐ राष्ट्रीय प्रभारी युवा मंच शिखर गुप्ता ने कहा की युवाओं के भविष्य को हर स्तर पर संवारने का कार्य वर्तमान सरकारें कर रही हैं। युवा एकजुटता के साथ आगे आवें और आने वाले विधानसभा के चुनाव मे अपने उम्मीदवार को तन मन धन से मदद करने की आवाज बुलंद करें। इसलिए हमे आगे आना होगा। बैठक को सतीश कुमार, पंकज यादव नितीश कुमार अंकित राजभर अभिनंदन अमरेश सुजीत निषाद सुरज सुभाष व ओमप्रकाश ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर तमाम लोग उपस्थित रहे।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस बल को ब्रीफ कर आवश्यक आदेश/निर्देश

» पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा सकुशल सपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस लाइन गौरीगंज में पुलिस बल को ब्रीफ कर आवश्यक आदेश/निर्देश दिये गये

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में प्रस्तावित आरक्षी भर्ती एवं समकक्ष पदों के लिए परीक्षा के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. द्वारा नवीन पुलिस लाइन गौरीगंज में कुल 12 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा को नकल विहीन, शांतिपूर्ण माहौल में पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस केन्द्र प्रभारी व सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस बल को ब्रीफ किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुचारु आवाजाही, परीक्षा केन्द्रों की निगरानी तथा नकल विहीन एवं पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित कराने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने, परीक्षा केन्द्र पर चेकिंग/फ्रिस्किंग के दौरान अभ्यर्थियों की सावधानी व गंभीरता पूर्वक चेकिंग किये जाने, किसी भी प्रकार के चश्मा, ब्लूटूथ, मोबाइल फोन अथवा अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं को भली भांति चेक करने आदि के संबन्ध में के निर्देश दिए। परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा परीक्षा केन्द्रों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी, ताकि परीक्षा पूरी तरह से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो सके। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्र, क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा, क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्र, क्षेत्राधिकारी लाइन्स श्वेताभ भास्कर, पुलिस केन्द्र के प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

हृदय विदारक हादसे से शोकाकुल हुआ अमेठी, पीड़ित परिवार के साथ हर कदम पर खड़ी हैं दीदी स्मृति इरानी- सुधांशु शुक्ला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जामों, अमेठी। जनपद अमेठी के थाना जामों क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा घाटमपुर के पूरे परमेश्वरी में अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक घटना घटित हुई, जिसमें ओमप्रकाश के कच्चे मकान की दीवार अचानक गिर जाने से उनकी पत्नी एवं पुत्री का असामयिक निधन हो गया, जबकि पुत्र दीपांशु गंभीर रूप से घायल हो गया।इस दुखद दुर्घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।घटना की सूचना प्राप्त होते ही पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री स्मृति इरानी को अवगत कराया गया। उन्होंने इस दुःखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं तथा भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला एवं अन्य पदाधिकारियों को तत्काल पीड़ित परिवार के बीच पहुंचने का निर्देश दिया।पोस्टमार्टम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने ओमप्रकाश की दूरभाष पर दीदी स्मृति इरानी से वार्ता कराई।इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है,किंतु इस कठिन समय में पूरा परिवार स्वयं को अकेला न समझे। भारतीय जनता पार्टी एवं हम सभी परिवारजन उनके साथ खड़े हैं।दीदी स्मृति इरानी ने आश्वस्त किया कि पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा दुख की इस घड़ी में उन्हें हर प्रकार का सहयोग प्रदान किया जाएगा।भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने भी शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा घायल दीपांशु के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

बार संघ ने नायब तहसीलदार के विरुद्ध खोला मोर्चा

रुद्रपुर- देवरिया, तहसील बार एसोसिएशन रुद्रपुर के अधिवक्ताओं ने बार संघ के अध्यक्ष सत्यानंद पांडे के नेतृत्व में नायब तहसीलदार अनिल तिवारी के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है इस संबंध में उन्होंने बताया कि नायब तहसीलदार की कार्य प्रणाली बेहद निराशाजनक वायस्ड और प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है। उन्होंने बताया कि अधिवक्ता विश्व विजय मल्ल, शशिभूषण सिंह के पत्रों के अवलोकन यह आरोप लगाया गया है कि उनके द्वारा धनउगाही, मनमानापन और खिलंदड़ापन किया जाता है। जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ अधिवक्ता भी पीड़ित हैं। उन्होंने एक पत्र लिखकर राजस्व परिषद से यह मांग की है कि उनके विरुद्ध जांच कर यथोचित कारवाई की जाए वरना बार एसोसिएशन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी सत्य प्रकाश गुप्ता ने यह बताया कि नायब तहसीलदार अनिल तिवारी का व्यवहार और कार्यशैली सर्वथा अधिकारी के अनुकूल नहीं है और इनके विरुद्ध उचित और यथोचित कार्यवाही जांच कर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर महामंत्री विनोद पाठक, पूर्व अध्यक्ष फणींद्र नाथ पांडे,आदि तमाम अधिवक्ता उपस्थिति रहे।

डीएम एसपी की अध्यक्षता में तहसील तिलोई में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

● जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद की चारों तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

● शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में तहसील तिलोई में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता है, मुख्यमंत्री द्वारा भी जन सामान्य की शिकायतों के निस्तारण को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। किसी भी स्तर पर शिकायतों के निस्तारण में हीलाहवाली करने पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील तिलोई में कुल 86 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 06 का मौके पर निस्तारण कराया गया, तहसील मुसाफिरखाना में 23 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 01 का निस्तारण किया गया, तहसील अमेठी में 34 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा तहसील गौरीगंज में 90 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें 07 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी तिलोई अमित सिंह, जिला विकास अधिकारी वीरभानु सिंह, तहसीलदार तिलोई सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ज्येष्ठ मास में भक्ति की बही सरिता हुसैनपुर व पूरे शुक्लन में विशाल भंडारों का आयोजन

● महावली सरकार बजरंगबली के भंडारे में वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित राम उंजेरे शुक्ला, उद्योगपति महेंद्र विजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा सहित हजारों भक्तगण हुए शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। ज्येष्ठ मास के पावन अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक आयोजनों और भंडारों की धूम देखने को मिल रही है। इसी क्रम में हुसैनपुर गांव में प्रधान संघ ब्लॉक अध्यक्ष सतीश मिश्रा द्वारा तथा पूरे शुक्लन में जमींदार आयुष शुक्ला अरविंद शुक्ला के सौजन्य से भगवान श्री हनुमान जी की कृपा प्राप्ति एवं जनकल्याण की भावना के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया।भंडारे के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं द्वारा जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जो देर शाम तक जारी रही। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश चंद्र शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित राम उंजेरे शुक्ला, उद्योगपति महेंद्र विजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भंडारा केवल प्रसाद वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का माध्यम भी है।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अशोक शुक्ला, प्रधान राकेश शर्मा, प्रधान मनोरज यादव, प्रधान राजेश मिश्रा, प्रधान संजय मौर्य, पत्रकार दीपक पाठक, पत्रकार विकास शुक्ला, सोनू

शुक्ला, महेश दुबे सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने श्रद्धालुओं की सेवा में बढ़- चढ़कर सहयोग किया और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद, शीतल पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। आयोजन की भव्यता और अनुशासित व्यवस्था की क्षेत्रवासियों ने जमकर सराहना की। देर शाम तक चले इस धार्मिक आयोजन में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा महावली सरकार बजरंगबली के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूपः मारपीट के बाद मकान पर कब्जे का आरोप, पीड़ित परिवार ने लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिलेकेछावनी थाना क्षेत्र के अमोढ़ा बाजार में भूमि विवाद को लेकर गंभीर मारपीट और कब्जे का मामला सामने आया है। पीड़ित रणजीत गुप्ता ने आरोप लगाया है कि उन्होंने रंजीत गुप्ता ने अपनी पत्नी मंजू गुप्ता के नाम विधिवत बैनामा कराकर संबंधित भूमि का नामांतरण (खारिज-खतौनी) भी करा लिया था। पीड़ित पक्ष का कहना है कि बैनामे के आधार पर भूमि पर उनका कब्जा भी स्थापित हो गया था। लेकिन आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा, जिन्हें पीड़ित पक्ष 'भू-माफिया' बता रहा है, इस भूमि को लेकर आपत्ति जताई गई और जबरन कब्जे की कोशिश शुरू कर दी गई। पीड़ित का कहना है कि दबंगई के बल पर आरोपियों ने पहले परिवार के साथ मारपीट की, जिससे कई लोग घायल हो गए और बाद में मकान पर जबरन कब्जा कर लिया गया।

पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि हमले के दौरान घर का सामान बाहर फेंक दिया गया और पूरे परिवार को धमकियां दी गई। घटना के बाद पीड़ित ने छावनी थाने में तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया। छावनी थाना पुलिस द्वारा मामले में कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि पीड़ित रणजीत गुप्ता का आरोप है कि अभी भी आरोपी खुलेआम धमकी दे रहे हैं और प्रशासन से उन्हें पूरी सुरक्षा नहीं मिल पा रही है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि वे लगातार अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है, जिससे पूरा परिवार दहशत में है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर कब्जा हटवाने और सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। मामला अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और पुलिस व राजस्व विभाग के जांच के परिणाम का इंतजार किया जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने किया पौध रोपण

देवरिया। जनपद के नगर पंचायत मदनपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष शाहिना शेख एवं उनके प्रतिनिधि अली आजम शेख के नेतृत्व में नगर के विभिन्न स्थानों पर 350 पौधे रोपे गए। इस दौरान अली आजम शेख ने कहा कि पौधारोपण अभियान का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, स्वस्थ और हरित वातावरण देना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक पौधा प्रकृति संरक्षण और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर धरती को हरा-भरा बनाने में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में नगर पंचायत के सभासदगण, नगर पंचायत कर्मी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अराजकता व अपराध के आग मे झुलस रहा है बस्ती का रेलवे स्टेशन

» जीआरपी पुलिस, आरपीएफ और पुरानी बस्ती पुलिस के संरक्षण खुलेआम हो रहा है अपराध

» यात्रियों, वाहन चालकों के साथ मारपीट कर अराजक तत्व करते अवैध धन उगाही

» अवैध धन उगाही से विभागों को होती है लाखों की कमाई फिर अराजक तत्वों पर कौन करे कार्यवाही

बस्ती। बस्ती जिले में हर तरफ भ्रष्टाचार से हाहाकार मचा हुआ है प्रशासन भ्रष्टाचार रोकने में नाकाम साबित हो रहा है जिम्मेदारों का फोन तक नहीं उठाता है कैसे जानता भय मुक्त बनी जबकि प्रदेश सरकार के मुखिया योगी जी के जीरो टेलरेंश नीति को अगर देखना है तो रेलवे स्टेशन बस्ती आ जाईए। जहां कानून व्यवस्था का कहीं नमो निशान तक नही है। बस्ती का रेलवे स्टेशन अराजकता और अपराधों के आग मे झुलस रहा है। कार्यवाही करने वाले जिम्मेदार अधिकारी अपनी तिजोरी भरने मे मस्त है। अगर नाजायज वसमली नही होगी तो अकूत धन कहां से आयेगा। जिम्मेदार अधिकारी यात्रियों के सुरक्षा के लिए नही बल्कि अराजक तत्वों को धंधें मे बढावा देने मे सहयोग करना और उनकी सुरक्षा करना है। जिले मे यह कौन नही जानता कि बस्ती रेलवे स्टेशन पर बडे पैमाने पर अवैध वसूली कैसे होती है। जानते तो सब हैं लेकिन हालात यह हैं कि बिल्ली के गले मे घण्टी बांधेगा कौन ? स्टेशन पर दो दर्जन से अधिक अराजक तत्व नशेडी टाइप के लोग हैं जो यात्रियों, टेम्पो चालकों तथा टेक्सी चालकों से मारपीट कर 200 से 500 रूपये तक की जबरिया वसूली करते है। यह अराजक तत्व चैबीस घण्टे कोकीन, चरस, स्मैक व गांजा आदि के नशे मे धुत रहते हैं। अगर कोई रूपये देने से मना करता है तो यह लोग उसके साथ मारपीट भी करते है। यदि कोई यात्री थाने मे शिकायत भी करता है तो पुलिस कार्यवाही करने के बजाय अराजक तत्वों को ही संरक्षण प्रदान करती है और पीडित को ही डरा धमका कर भगा देती है। अराजक तत्वों को संक्षण प्रदान करने मे जीआरपी पुलिस, आरपीएफ और पुरानी बस्ती पुलिस साथ ही कुछ तथा कथित पत्रकार और जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं। बताया तो यहां तक जा रहा है जीआरपी पुलिस का एक सिपाही जिसका नाम विजय यादव बताया जा रहा है उसी के निर्देश पर अवैध धन उगाही बदस्तूर जारी है मगर इस समय यह सिपाही की पोस्टिग कही और हैं जहां से बैठ कर यह साम्राज्य चला रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर डीआईजी संजीव त्यागी ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बस्ती परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक संजीव त्यागी ने शुक्रवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत डीआईजी संजीव त्यागी ने क्षेत्राधिकारी सदर तथा एसडीओ की उपस्थिति में जामुन और अशोक के पौधे रोपे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण ही प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। इसके बाद डीआईजी ने पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा शिवहर्ष किसान पीजी कॉलेज तथा मानव संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से वाराह क्षेत्र धाम में आयोजित वृहद वृक्षारोपण एवं जागरूकता शिविर में भी सहभागिता की। वहां उन्होंने पौधरोपण करते हुए उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया और हर व्यक्ति से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की। अपने संबोधन में डीआईजी ने कहा कि वृक्ष न केवल हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज लगाए गए पौधे ही भविष्य में आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर, एसडीओ, वन विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी, पर्यावरण संरक्षण संस्थान तथा मानव संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए पौधों की सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लिया।

मृतक धनराज के घर पहुंचे डीएम व एसपी को करना पड़ा भारी विरोध का सामना ग्रामीणों ने प्रशासन के विरुद्ध की नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उतरौला, बलरामपुर। कोतवाली क्षेत्र के अहिरौला गांव में मृतक धनराज मौर्य के यहां घटना के 11 वें दिन पहुंचने पर डीएम नितिन जैन को परिवार जनों व ग्रामीणों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने डीएम व एसपी विकास कुमार के सामने दोनों थानों के प्रभारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मृतक की माता को शासन से जारी तीन लाख रुपये का चेक देने में भी एक घंटे से ज्यादा समय लग गया क्योंकि परिवार के लोग चेक स्वीकार नहीं कर रहे थे। आरोपियों को बचाने वाले गैंड़ास बुजुर्ग थानाध्यक्ष व लापरवाही बरतने वाले कोतवाल उतरौला के खिलाफ कार्रवाई करने, आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने तथा सभी संलिप्त आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई करने की मांग चलती रही। महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक को भी नहीं बख्शा। उनका कहना था कि पुलिस आरोपियों के घर की सुरक्षा कर रही है जबकि अहिरौला गांव में एक भी सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं हैं। पुलिस ने शुरू से हमलावरों का बचाव किया है।गांव आने के मुख्य मार्ग पर ही आरोपियों का घर है जिससे ग्रामीण भयभीत हैं। मौके पर मौजूद विधायक राम प्रताप वर्मा ने भी ग्रामीणों को समझाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन वे भी नाकाम रहे। परिवार के लोगों का कहना था कि सीएम के आगमन के बाद उन लोगों को मुख्यमंत्री से मिलने से रोका गया। लगभग एक घंटे की कड़ी मान मनौव्वल व कार्रवाई कराने का आश्वासन देने के बाद मृतक धनराज की मां पार्वती देवी को डीएम ने तीन लाख रुपयों की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। डीएम ने पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया कि अहिरौला गांव में नियमित रूप से पिकेट ड्यूटी और पुलिस की गश्त की व्यवस्था कराएं। डीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि इस मामले में प्रशासन पूरी पारदर्शिता से काम कर रहा है और आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। मृतक के भाई राजू मौर्य ने डीएम को बताया कि गांव में बुरी नीयत से आने वाले शोहदों का विरोध, गो तस्करी और गोवध के आरोपियों के खिलाफ आवाज उठाने की नाजायज सजा धनराज को मिली है। कार्रवाई कराने की मांग का एक प्रार्थना पत्र भी डीएम को दिया गया।

पिपरा राम गांव में जल्द बनेगी पुलिस चौकी

उतरौला, बलरामपुर। गुरुवार को पिपराराम में बस्ती राजमार्ग पर आरोपी के कब्जे से खाली कराई गई नवीन परती की जमीन पर पुलिस चौकी बनाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। शनिवार को डीएम ने खाली कराई गई साढ़े तीन डेसीमल जमीन का निरीक्षण कर एसडीएम को निर्देश दिया कि इस भूमि को पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने की कार्रवाई कर रिपोर्ट भेजी जाए ताकि शासन से इसके लिए बजट जारी कराया जा सके। एसडीएम मनोज कुमार ने बताया कि राजस्वकर्मियों को निर्देश दिया गया है कि जमीन का नक्शा व अन्य आबंटन संबंधी फाइल तैयार करें।

संक्षिप्त खबरें

योग दिवस से पहले वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी, 14 जून को आयुष मंत्रालय के ऑनलाइन योग सत्र में जुड़ेंगे लाखों लोग

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले एक अनूठी पहल होने जा रही है। आयुष मंत्रालय 14 जून को एक विशेष ऑनलाइन योग सत्र आयोजित करेगा, जिसमें एक साथ सबसे अधिक लोगों की भागीदारी दर्ज कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस अभियान में उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका होगी। यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को इसमें अधिक से अधिक सहभागिता करने के लिए कहा है

यूट्यूब पर होगा योग सत्र का सीधा प्रसारण

आयुष मंत्रालय और हैबिल्ड हेल्थटेक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से यह कार्यक्रम सुबह 6:15 बजे से 7:35 बजे तक आयोजित होगा। यूजीसी ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है। योग सत्र का सीधा प्रसारण आयुष मंत्रालय के यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए इच्छुक लोगों को टोल फ्री नंबर 1800-315-7008 पर मिस्ड कॉल देकर पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद वाट्सएप पर कार्यक्रम का लिंक भेजा जाएगा। रिकॉर्ड प्रयास के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को अपने मोबाइल, लैपटॉप या अन्य व्यक्तिगत डिवाइस से अलग-अलग लागिन करना होगा।गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए हर पंजीकृत डिवाइस की उपस्थिति अलग से दर्ज की जाएगी। इसी वजह से संस्थानों से व्यक्तिगत भागीदारी को बढ़ावा देने को कहा गया है। यूजीसी के अनुसार यह पहल योग को जन-जन तक पहुंचाने, स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के संदेश को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डीएम सर, आप मेरे स्कूल को बचा लीजिए; भविष्य की खातिर गर्मी की छुट्टियों में भी स्कूल पहुंची बच्चियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार से सहायता प्राप्त लखनऊ के स्कूल विद्या मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल, नरही का खाली कराने का विरोध काफी तेज होता जा रहा है। स्कूल खाली कराने के विवाद के बीच शनिवार को विद्यालय परिसर के बाहर विद्यार्थियों शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों और प्रबंधन से जुड़े लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इंस्पायर अवार्ड विजेता कक्षा नौ की छात्रा तनीशा ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई, उसने कहा कि डीएम सर मेरे स्कूल को बचा लीजिए। हम सब गरीब हैं और इसी स्कूल में पढ़ते हैं, लेकिन कुछ लोगों ने स्कूल पर कब्जा करने का प्रयास किया है। तनीशा ने कहा कि यह तो हमारे भविष्य का सवाल है। बच्चों के साथ ही शिक्षकों और अभिभावकों ने विद्यालय को कब्जे से मुक्त कराने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। विद्यालय की प्रबंधिका संतोष रस्तोगी के नेतृत्व में प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षिकाएं, कर्मचारी तथा अभिभावक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ग्रीष्मावकाश के दौरान प्रशासनिक कार्रवाई के तहत पुलिस की मौजूदगी में विद्यालय परिसर को खाली कराया गया और विद्यालय के अभिलेख, फर्नीचर, पंखे, कंप्यूटर सहित अन्य शैक्षिक सामग्री बाहर निकाल दी गई। इससे विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता ओम प्रकाश त्रिपाठी, महासचिव आशीष कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष नंद कुमार मिश्र, प्रचार मंत्री जेके यादव सहित शिक्षक संघ के अनेक पदाधिकारी भी प्रदर्शन का समर्थन किया। शर्मा गुट की ओर से महासचिव नरेन्द्र कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा और जिलामंत्री महेश चंद ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। आशीष कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय और उससे जुड़े लोगों के हितों की काफी अनदेखी की गई है। उन्होंने प्रदेश सरकार और प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की। स्कूल प्रबंधन के समर्थन में आए मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था को जल्द बहाल किया जाए, जिससे छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो। 1936 में स्थापित इस विद्यालय को बंद करने की साजिश की जा रही है। 243 छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

बच्चों के भविष्य और गांव के माहौल को बचाने के लिए आगे आए कुढ़ा गांव के ग्रामीण, शराब ठेका हटाने की मांग

● .....संपूर्ण समाधान प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, विद्यालय के माहौल और सामाजिक व्यवस्था पर पड़ रहे दुष्प्रभाव का उठाया मुद्दा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुढ़ा के ग्रामीणों ने बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और गांव के स्वस्थ वातावरण को बनाए रखने के लिए सराहनीय पहल करते हुए स्कूल के निकट संचालित शराब की दुकान को हटाने की मांग उठाई है। इस संबंध में ग्रामीणों ने संपूर्ण समाधान प्रभारी (तहसील मोहनलालगंज) को सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र सौंपकर शराब के ठेके को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने की मांग की। ग्रामीणों द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार ग्राम सभा कुढ़ा के लिंक मार्ग पर बाजार के सामने संचालित शराब की दुकान से लगभग 150 मीटर की दूरी पर कक्षा 8 तक का पूर्व माध्यमिक विद्यालय स्थित है। ग्रामीणों का कहना है कि शराब की दुकान के कारण विद्यालय के आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है तथा बच्चों पर इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन को अवगत कराया कि कई बार कुछ लोग शराब पीने के बाद गाली-गलौज एवं अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे विद्यालय आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। आरोप है कि शराब पीने वाले कुछ लोग विद्यालय परिसर में लगे सरकारी नल का भी उपयोग करते हैं, जिससे विद्यालय परिसर की गरिमा प्रभावित होती है और बच्चों के साथ विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हो चुकी है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल सका। इसी क्रम में शनिवार को सुरेंद्र कुमार सिंह, अजीत, मंजू, रामसेवक धीमान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हस्ताक्षर एवं अंगूठा निशान सहित सामूहिक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बच्चों के हित, शिक्षा के अनुकूल वातावरण और सामाजिक सौहार्द को ध्यान में रखते हुए शराब की दुकान को आबादी और विद्यालय क्षेत्र से दूर किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन उनकी मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेगा।

गंगा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर एसयूवी डिवाइडर से टकराकर पलटी,चार घायल

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के उमरामऊ गांव के निकट गंगा एक्सप्रेसवे पर शनिवार को एक तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार पलट गई। हादसे में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित पटेल नगर निवासी एसके सक्सेना अपनी पत्नी प्रतिभा सक्सेना, साले विजय सक्सेना और उनकी पत्नी सुनीता सक्सेना के साथ प्रयागराज में गंगा स्नान कर घर लौट रहे थे। कार एसके सक्सेना चला रहे थे। उमरामऊ गांव के पास पहुंचते ही कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि एसयूवी एक्सप्रेसवे पर ही पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों के मुताबिक सभी को मामूली चोटें आई हैं और उनकी हालत खतरे से बाहर है। हादसे में एसयूवी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

पत्रकार रोहित मिश्रा का लंबी बीमारी के चलते निधन

● ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वाधान में लहरपुर पत्रकारों द्वारा दिवंगत पत्रकार रोहित मिश्रा के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रखा मौन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। जनपद के महोली क्षेत्र के रहने वाले एक निजी समाचार पत्र के मान्यता प्राप्त पत्रकार रोहित मिश्रा का लंबी बीमारी के चलते शनिवार को निधन हो गया। उनके निधन की खबर लगते ही पूरे पत्रकारिता समाज में शोक की लहर दौड़ गई। बताते चलें दिवंगत पत्रकार रोहित मिश्रा पिछले कई महीनो से कैंसर जैसी घातक बीमारी से जंग लड़ रहे थे जिसके चलते उनका लंबे समय से इलाज चल रहा था शनिवार को वह बीमारी से लड़ने की जंग हार गए। जिसके बाद उनकी दुखद मृत्यु हो गई। ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन के तत्वाधान में लहरपुर के पत्रकारों ने स्थानीय पक्के तालाब तीर्थ परिसर में एकत्र होकर दिवंगत पत्रकार रोहित मिश्रा के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन रखा। गौरतलब है कि इनके पिताजी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रहे व रोहित मिश्रा कांग्रेस के युवा मोर्चा अध्यक्ष रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार कमलेश मेहरोत्रा, पंकज शुक्ला, अरुण सिंह आचार्य, गार्गी प्रसाद मिश्रा, अभिनव त्रिवेदी, आकाश सिंह, एहतिशाम बेग, देशप्रीत सिंह, अंकित अवस्थी,ओमकार वर्मा, हाशिम अंसारी, मौलाना सिराज, विपिन तिवारी, दिनेश शुक्ला, राज शुक्ला, वीरेश तिवारी, रामगोपाल दीक्षित, समीर अंसारी, अभिषेक मिश्रा सहित पत्रकार मौजूद रहे।

पारिवारिक विवाद सुलझाने गई पुलिस पर हमला

● चौकी इंचार्ज समेत पांच पुलिसकर्मी घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के लालबेग का पुरवा मजरे बहाई गांव में पारिवारिक विवाद सुलझाने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना में चौकी इंचार्ज समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए।पुलिस ने पांच नामजद और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक बृहस्पतिवार रात एक महिला ने पारिवारिक विवाद की सूचना दी थी। सूचना पर पीआरवी टीम मौके पर पहुंची। आरोप है कि वहां मौजूद कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों से अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर कांस्टेबल अमरदेव के साथ मारपीट की गई। सूचना मिलने पर बहाई चौकी इंचार्ज एसआई अजय मिश्रा, सुमित विश्वकर्मा, निमंग रिछारिया और होमगार्ड देवतादीन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। घटना में पांचों पुलिसकर्मी घायल हो गए। कांस्टेबल अमरदेव की तहरीर पर दीपू, रंजीत, सुधांशु, देवी और खुशी समेत 10 लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दो बाइकों की भिडंत में भाई-बहन घायल,गंभीर हालत में युवक रेफर

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के सेमरपहा गांव के निकट शुक्रवार को देर शाम दो बाइकों की आमने सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार भाई बहन घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। शोभवापुर गांव निवासी रामलखन अपनी बहन गुड़िया को बाइक से बाजार लेकर जा रहा था। सेमरपहा गांव के पास सामने से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद दूसरा बाइक सवार मौके से चला गया। आसपास के लोगों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया।रामलखन की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बहन गुड़िया का उपचार सीएचसी में किया गया।

'ए ग्लोबल कॉल फॉर क्लाइमेट एक्शन' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश स्टेट सेन्टर, लखनऊ द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स भवन, आई.ई.आई., रिवर बैंक कॉलोनी, लखनऊ में 'ए ग्लोबल कॉल फॉर क्लाइमेट एक्शन' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अवधेश कुमार सिंह, मानद प्रोफेसर, सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश ने सहभागिता की। अपने व्याख्यान में उन्होंने जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बढ़ते वैश्विक तापमान, प्रदूषण एवं पर्यावरणीय असंतुलन की चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण, ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को अपनाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं एवं अभियंताओं से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नवीन तकनीकों एवं नवाचारों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियों एवं उनके समाधान पर सार्थक चर्चा हुई। उपस्थित अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका मुख्य वक्ता द्वारा विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूतपूर्व अध्यक्ष (Past Chairman) प्रो० (डॉ.) भरत राज सिंह, आई.ई.आई. यू.पी. स्टेट सेंटर, लखनऊ द्वारा की गई। उन्होंने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योगदान का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय चुनौतियाँ संपूर्ण विश्व के लिए चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देकर ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ए.के. गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्य वक्ता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योगदान का परिचय कराया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के क्षेत्र में उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में संस्था के पूर्व मानद सचिव डॉ. जसवंत सिंह ने सभी अतिथियों, मुख्य वक्ता, अभियंताओं, शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

ऑनलाइन टिकट बेचकर सवारी ढोने वाली निजी पर्यटक बसों पर होगी कार्रवाई

● परिवहन विभाग 9 से 11 जून तक निजी पर्यटक बसों के खिलाफ विशेष चेकिंग अभियान चलाएगा, जो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सामान्य यात्री बसों की तरह टिकट बेच रही हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये टिकट बेचकर सामान्य यात्री बसों की तरह संचालन कर रही निजी पर्यटक बसों पर अब परिवहन विभाग सख्ती करने जा रहा है। प्रदेशभर में नौ से 11 जून तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। जांच में नियमों का उल्लंघन मिलने पर बसों को सीज करने के साथ उनके परमिट निलंबित या निरस्त किए जा सकते हैं। परिवहन विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि अखिल भारतीय पर्यटक परमिट (एआईटीपी) वाली कई निजी बसें रेडबस, मेक माईट्रिप, अभिबस, पेटीएम, इक्सिगो और ईज माई ट्रिप जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से सीटवार टिकट बेच रही हैं।

ऑनलाइन टिकट बुकिंग के साक्ष्य एकत्र कर मुख्यालय भेजने के निर्देश

ये बसें राष्ट्रीयकृत और अधिसूचित मार्गो पर सामान्य यात्री बसों की तरह यात्रियों को बैठा और उतार रही हैं, जबकि पर्यटक परमिट वाली बसों को इस तरह संचालन की अनुमति नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार का संचालन न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे निगम को भी आर्थिक नुकसान हो रहा है। जिन मार्गो पर रोडवेज बसें निर्धारित नियमों के तहत संचालित होती हैं, वहां निजी पर्यटक बसें ऑनलाइन टिकट बेचकर यात्रियों को आकर्षित कर रही हैं, जिससे रोडवेज की आय प्रभावित हो रही है। परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने सभी उप परिवहन आयुक्तों, संभागीय परिवहन अधिकारियों, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों व यात्री व मालकर अधिकारियों को अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि वाहन अपने गृह राज्य से बाहर 60 दिन से अधिक न रहा हो, केवल अधिकृत पर्यटकों को ही यात्रा करा रहा हो और उसमें इमरजेंसी बटन लगे हों। यदि कोई एआईटीपी बस स्टेज कैरिज के रूप में संचालित मिलती है तो उसका परमिट निलंबित या निरस्त किया जाएगा और वाहन को सीज करने की कार्रवाई भी होगी। अधिकारियों को ऑनलाइन टिकट बुकिंग के साक्ष्य एकत्र कर मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि संबंधित संचालकों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके।

सीतापुर के सिधौली में बनेगा मुख्यमंत्री कंपोजिट मॉडल विद्यालय

● शासन ने दी 25 करोड़ रुपये की मंजूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। सिधौली के गुलरिया में मुख्यमंत्री कंपोजिट मॉडल विद्यालय के लिए शासन ने 25 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह आधुनिक विद्यालय 12 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। इस आधुनिक विद्यालय में एक ही छत के नीचे कक्षा एक से लेकर इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई की सुविधा होगी। यह विद्यालय पूरी तरह आवासीय होगा। पिछले वर्ष एक सीएम कंपोजिट विद्यालय को परसेंडी के खजुरिया माफी में मंजूरी मिली थी, जिसका निर्माण तेजी से चल रहा है। सिधौली में स्वीकृत किया गया यह जिले का दूसरा विद्यालय होगा। मुख्यमंत्री माडल विद्यालय के लिए शासन ने 24.97 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इसका निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो जाएगा। कार्य की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को मिली है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में स्मार्ट क्लास, लैंग्वेज लैब, कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाएं होंगी। डिजिटल प्लेटफार्म व लर्निंग युक्त संसाधनों की व्यवस्था रहेगी। विद्यालय में 42 आधुनिक क्लास रूम के साथ 1500 बच्चों के लिए पढ़ने की व्यवस्था की जाएगी। इन विद्यालयों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं मिल सकेंगी, जिससे उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। यहां स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर और लैंग्वेज लैब के अलावा रोबोटिक्स व मशीन लर्निंग भी छात्रों को पढ़ाई जाएगी। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मदद से पढ़ाई होगी। एक बड़ा बहुउद्देशीय हाल भी बनाया जाएगा। इसमें विभिन्न प्रकार की शैक्षिक गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। इसके साथ स्किल हेल्प सेंटर बच्चों के कौशल विकास में मददगार बनेगा। इन विद्यालयों में स्टाफ के लिए आवासीय सुविधा होगी। विद्यालय परिसर सीसीटीवी कैमरे व सोलर पैनल से युक्त होगा। प्रदेश सरकार की इस परियोजना में तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत वित्तीय सहयोग कर रहा है।

अस्पताल में घुसकर पति ने किया हमला,लहुलुहान

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित एक निजी अस्पताल में काम करने वाली महिला ने अपने पति पर ब्लेड से हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।महिला मोनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह एक निजी नर्सिंग होम संचालक के घर पर काम करती है। पति से उसका लंबे समय से विवाद चल रहा है। इसी वजह से वह अपने सात वर्षीय बेटे के साथ अलग रहकर किसी तरह गुजर बसर कर रही है। आरोप है कि शुक्रवार शाम उसका पति अस्पताल पहुंच गया। वहां उसे अकेला पाकर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर मारपीट की। महिला का कहना है कि आरोपी ने ब्लेड से कई वार किए। इससे उसके कान, गले और हाथ में चोटें आई। घटना के बाद महिला ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

साहब! कोटेदार ने काट दिया हमारा राशन कार्ड, हम दिव्यांग

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस पर चकसुधूलाल मजरे गौरा रुपई गांव निवासिनी एक महिला ने कोटेदार पर राशन कार्ड काटने का आरोप लगाया है। महिला ने प्रार्थना पत्र देकर राशन कार्ड बनवाने की गुहार लगाई है। महिला ने अपने दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि वह अनुसूचित जाति की दिव्यांग महिला है गांव के कोटेदार ने उसका राशन कार्ड काट दिया। महिला ने बताया कि कोटेदार ने अपने ही घर के कई लोगों के कार्ड बना रखे हैं। महिला ने बताया कि गांव के अन्य लोगों के राशन कार्ड बने हुए हैं उनके पास खेती है। वे किसान सम्मन निधि और पेंशन भी पाते हैं।अधिकारियों ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। सरेनी के दूधवन की रहने वाली साधना सिंह ने प्रार्थना पत्र देकर पति की मौत के बाद मिलने वाले कृषक दुर्घटना बीमा को लेकर गुहार लगाई बताया कि कई बार प्रार्थना पत्र दिया लेकिन अभी तक उसे इस योजना का लाभ नहीं मिला है। इस प्रकार एसडीएम राजू श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कुल 35 शिकायत दर्ज की गई इनमें से आठ शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया बाकी शिकायतों को संबंधित विभाग के अफसर को सौंपते हुए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए।

उम्मीद पोर्टल पर सुन्नी वक्फ की 30 हजार से ज्यादा संपत्तियां रद

● कागजों में गड़बड़ी के चलते हुई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वक्फ संपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि बीतने पर उम्मीद पोर्टल ने सुन्नी वक्फ की 30,322 संपत्तियों और शिया वक्फ की 2060 संपत्तियों का पंजीयन रद किया है। उत्तर प्रदेश का पोर्टल बंद हो गया। राज्य में जिनकी संपत्तियां रद हुई हैं, उनके मुतवल्ली (रख रखाव करने वाला) के पास अब उच्च न्यायालय से संपत्ति अपलोड करने के लिये समय मांगने अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अदालती राहत नहीं मिलने पर प्रशासन राजस्व नियमों के तहत कदम उठा सकता है। केन्द्र सरकार ने 5 जून 2025 को वक्फ संपत्तियों का ब्योरा उम्मीद पोर्टल पर दर्ज करने का आदेश दिया था। छह माह का समय दिया गया। जिसके व्यतीत होने पर सुन्नी और शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड ने उत्तर प्रदेश वक्फ न्यायालय में समय बढ़ाने की मांग वाली याचिका दायर की। अदालत ने 5 जून 2026 तक यानी छह माह का समय दिया। वक्फ अदालत को इससे अधिक समय देने का अधिकार नहीं है। 5 जून, रात 12 बजे यह समय सीमा बीतने तक सुन्नी वक्फ की 103,542 संपत्तियों का ब्योरा पोर्टल पर अपलोड किया गया। जिसमें से 30,322 संपत्तियों को दस्तावेजों की त्रुटियों के चलते रद कर दिया।

अदालत के आदेश से ही अब पोर्टल होगा अनलॉक

कई दस्तावेजों का वक्फ बोर्डो के कागजों से मेल नहीं था। वह कहते हैं कि जमीदारी उन्मूलन, चकबंदी के चलते खसरा खतौनी के नम्बरों का बदलाव हो गया, मगर वक्फ बोर्डो ने अपने दस्तावेजों को ठीक नहीं कराया। जिसका खामियाजा मुतवल्लियों को उठाना पड़ेगा। वह बताते हैं कि मुतवल्लियों के सामने हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट जाने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अदालत के आदेश से ही अब पोर्टल को अनलॉक (खोला) जा सकेगा। वह कहते हैं कि आगे की कानूनी लड़ाई कठिन होगी।

लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में चूक

● रास्ता भटककर टेढ़ी पुलिया पहुंचा वाहनों का काफिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में शुक्रवार को बड़ी चूक देखने को मिली। राजनाथ सिंह के वाहनों का काफिला उनके संसदीय क्षेत्र लखनऊ में ही भटक गया। राजनाथ सिंह शुक्रवार को जगद्गुरु रामभद्राचार्य की श्रीराम कथा से लौट रहे थे, इसी दौरान उनके वाहनों का काफिला रास्ता भटककर टेढ़ी पुलिया पहुंच गया। श्रीराम कथा से लौटते समय लखनऊ के इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर इनके पायलट मार्ग चूक गए और फ्लाईओवर की जगह नीचे का रास्ता पकड़ लिया और सीधे टेढ़ी पुलिया चौराहा पहुंच गए। टेढ़ी पुलिया चौराहा पर अचानक वीवीआईपी वाहनों का काफिला पहुंचने से पुलिस की टीम में खलबली मच गई। यहां पर पहले से बंद रास्ते की बैरिकेडिंग हटाकर जल्दी से काफिले को वापस मुख्य मार्ग पर मोड़ा गया। इस दौरान कुछ मिनटों तक यातायात ठप रहा, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत स्थिति संभाल ली। लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का काफिला शुक्रवार शाम एक मार्गीय चूक के कारण निर्धारित रास्ते से भटक गया। सीतापुर रोड पर ब्रज की रसोई परिसर में आयोजित श्रीराम कथा कार्यक्रम से लौटते समय उनके वाहनों का काफिला इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे से ओवरब्रिज के ऊपर जाने के बजाय नीचे के मार्ग से होते हुए टेढ़ी पुलिया चौराहे तक पहुंच गया। निर्धारित रूट के अनुसार काफिले को मड़ियांव ओवरब्रिज से उतरकर इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा पार करते हुए फ्लाईओवर पर चढ़ना था। उधर रक्षा मंत्री के आवागमन को देखते हुए इंदिरा नगर के मुंशी पुलिया की ओर जाने वाले वाहनों को पहले से ही रोक दिया गया था। ऐसे में वीवीआईपी काफिले के अचानक टेढ़ी पुलिया पहुंचने की सूचना मिलते ही अधिकारियों में खलबली मच गई। उनकी सुरक्षा में लगे अधिकारियों ने तत्काल स्थिति संभाली और चौराहे पर लगी बैरिकेडिंग हटाकर काफिले को वापस इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे की ओर मोड़ा। इसके बाद काफिला निर्धारित मार्ग पर लाया गया और फ्लाईओवर के रास्ते आगे रवाना किया गया।

सत्ता जाते ही ममता के अपने ही बागी हो गए!

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गएं हैं। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और 'बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने' को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है।

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं। आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बग़ावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए 'इंडिया गठबंधन' की वह सदस्य ज़रूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमज़ोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोज़गारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछ्ला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा।

हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रितावृता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बग़ावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रितावृता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।स्पष्ट है कि आज की राजनीति में साम दाम दंड भेद सब का चलन बढ़ गया है सत्ता में सबको समेट रखने की ताकत है लेकिन सत्ता से बाहर होते ही अपने सगे साथियों की हकीकत सामने आ जाती है कि उनके दिल में कितना खार छुपाए बैठे थे यह बदलते दौर की राजनीति की नंगी तस्वीर है इस को स्वीकार करना ही होगा।

मनोज कुमार अग्रवाल

युवाओं के भविष्य पर डाका: पेपर लीक, अरबों का खेल और 'उम्मीदों' का अंतहीन स्कैम

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

आज के दौर में देश के युवाओं के साथ होने वाला सबसे बड़ा और संगठित स्कैम 'पेपर लीक' बन चुका है। यह संकट सिर्फ एक परीक्षा के रद्द होने भर का नहीं है, बल्कि इसके पीछे करोड़ों युवाओं के सपनों, समय और उनके परिवारों की गाढ़ी कमाई की सुनियोजित लूट का एक ऐसा चक्रव्यूह है, जिसका सच बेहद खौफनाक है।

100 करोड़ का गणित: आवेदन के नाम पर धन-उगाही

यदि पुलिस और चुनिंदा शिक्षक भर्तियों को छोड़ दिया जाए, तो अमूमन किसी भी विभाग में 500 से अधिक पद नहीं निकलते। चतुर्थ श्रेणी या लेखपाल जैसी भर्तियों का उदाहरण लें, तो चंद सौ या हजार पदों के लिए 25 लाख से लेकर 1 करोड़ तक आवेदन आते हैं। यह स्थिति स्वतः स्पष्ट करती है कि 99% से अधिक आवेदकों के हिस्से सिर्फ असफलता ही आनी है। लेकिन खेल इसके पीछे के 'परीक्षा शुल्क' का है। यदि प्रति छात्र औसतन 400 रुपये भी फीस मानी जाए और 25 लाख आवेदन आएं, तो यह रकम **100 करोड़ रुपये** बनती है। तमाशा देखिए:पेपर लीक होता है, परीक्षा रद्द होती है। युवा अपना समय, किराया और उम्मीदें गंवाकर वहीं का वहीं खड़ा रह जाता है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में सरकारी आयोग के अध्यक्ष को अपना पूरा वेतन मिल चुका होता है और परीक्षा कराने वाली प्राइवेट एजेंसियां अपना 80% तक भुगतान डकार चुकी होती हैं। नुकसान हुआ तो सिर्फ देश के युवा का।

कोचिंग हब: असफलता को भुनाने वाला बाज़ार

इस बड़े असफल समूह को निशाना बनाकर आज देश में अरबों रुपयों का 'कोचिंग व्यवसाय' खड़ा किया गया है। कोचिंग संस्थान भी भली-भांति जानते हैं कि नौकरियां चुनिंदा लोगों को ही मिलनी हैं। इसलिए, अपनी साख बचाने के लिए ये संस्थान दोहरी चाल चलते हैं:

परीक्षा से पहले: कई बार व्यवस्था में सेंध लगाने या अनुचित लाभ उठाने के प्रयास।

परीक्षा के बाद: गड़बड़ी का बढ़-चढ़कर प्रचार, ताकि जब छात्र असफल हों, तो उनका ध्यान कोचिंग की नाकामी से हटकर व्यवस्था की कमी पर चला जाए।

यह सरकारी तंत्र को क्लीन चिट देने का बहाना नहीं है, बल्कि यह समझने का जरिया है कि युवा चारों तरफ से बिचौलियों से घिरा हुआ है।

बुनियाद पर चोट: सरकारी बनाम निजी स्कूलों का गोरखधंधा

इस स्कैम की जड़ें और गहरी तब हो जाती हैं जब हम स्कूली शिक्षा के स्तर पर देखते हैं। सरकारी विद्यालयों के विलय (Merger) की नीति एक बड़ी सामाजिक समस्या बन रही है। गाँवों के स्कूल बंद होने से गरीब परिवारों के बच्चे, विशेषकर बालिकाएं, शिक्षा से महरूम हो रही हैं, क्योंकि सुरक्षा कारणों से लोग बेटियों को दूर के स्कूलों में भेजने से कतराते हैं। दूसरी ओर, निजी स्कूलों का एक बड़ा गोरखधंधा चल रहा है। अधिकांश बड़े निजी शिक्षण संस्थानों के पीछे किसी न किसी रसूखदार 'नेताजी' का हाथ होता है। अब ज़रा सोचिए:

एक तरफ सरकारी स्कूल से सिर्फ 'साक्षर होने वाला गरीब का बच्चा है। दूसरी तरफ महंगे निजी स्कूल से 'शिक्षित' होने वाला अमीर का बच्चा है। जब इन दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा (Competition) कराई जाएगी, तो परिणाम पहले से तय है। अमीर और अमीर होता जाएगा, और गरीब का बच्चा उसी दुष्चक्र में फंसा रहेगा।

राजनीति का मौन और अंतिम धोखा

यदि इन तमाम झंझावातों, असमानताओं और अभावों को पार करके कोई गरीब या मध्यमवर्गीय युवा भर्ती परीक्षा तक पहुंच भी जाता है, तो वहाँ उसे 'पेपर लीक' का अंतिम और सबसे क्रूर धोखा मिलता है। फॉर्म भरने से लेकर कोचिंग की फीस और शहरों में रहने के खर्च के नाम पर लाखों रुपये गंवाने के बाद युवाओं के हिस्से केवल निराशा या फिर से 'जीरो' से तैयारी करने की मजबूरी आती है। इस पूरे तंत्र में सिस्टम के शीर्ष पर बैठे लोग सुरक्षित हैं–आयोग के अध्यक्ष अपना वेतन लेते हैं, राजनेता रैलियों में अपनी पीठ थपथपाते हैं और निजी एजेंसियां अपना मुनाफा समेटती हैं। पेपर लीक जैसे संवेदनशील और युवाओं के जीवन को तबाह करने वाले मुद्दों पर सत्ताधीशों का मौन या ढीला रवैया यह साफ संकेत देता है कि इस सामूहिक लूट का कोई न कोई सिरा व्यवस्था के रक्षकों को भी पोषित कर रहा है। यह धोखा सिर्फ एक छात्र को नहीं, बल्कि सीधे इस देश के भविष्य को दिया जा रहा है।

भारतवर्ष की गुरु-शिष्य सनातनी परंपरा, देश के प्रति समर्पण भाव

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य परंपरा के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता हैद्य राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण नागरिकों के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता हैद्य स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था ।जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे। वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल हैद्य इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन, विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया हैद्य वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय ,संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता हैद्य आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन ,चीन, ऑस्ट्रेलिया ,कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए हैंद्य यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता ,प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों, कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन ,करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा, कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है। देश के अनेक विश्वविद्यालय हड़ताल, हिंसा, जाति भेदभाव, आपत्तिजनक नारों जैसे विसंगतियों का सामना कर रहे हैं। कक्षाओं का नैतिकता, सहिष्णुता ,अनुशासन से कटाव केवल भारत में नहीं पूरे विश्व में इसका फैलाव हो चुका है। अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में स्कूलों का कक्षाओं में गोली कांड इसके बड़े विकृत उदाहरण हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने ट्रीस्ट विद डेस्टिनी के भाषण में भूख, भय ,बीमारी, अज्ञान से पूर्णता मुक्ति की बात को भारत की नियति या डेस्टिनी कहा है।

वर्तमान में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए की कक्षाओं को चरित्र निर्माण, अनुशासन, उत्कृष्ट नवाचार, लोकतांत्रिक विचार संरचना का केंद्र बनाकर इसकी शिक्षा दीक्षा दी जानी चाहिए। कक्षाओं से बच्चे आर्थिक रूप से प्रौद्योगिकी स्थापित कर स्वयं अपने पैरों पर खड़े होकर आने वाले वर्षों में कई युवाओं को रोजगार देकर संपूर्ण मानवता ,पर्यावरण की रक्षा तथा राष्ट्र के उत्कर्ष को सही दिशा देने का काम करेंगे। जिससे राष्ट्रीय चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रीयता की भावना को एक मजबूत आधार प्राप्त हो सकेगा।

संजीव ठाकुर

कविता

पत्तों की शाखों पर जैसे सावन ठहरता रहा,
बंद किताब के पन्नों में तेरा चेहरा संवरता रहा।

रातों में झाँकती रहीं यादों की चुप चाँदनियाँ,
मन के सूने आँगन में जैसे दीप उतरता रहा।

साँसों की सरगम में घुलती मधुर स्वर लहरी,
तेरा नाम मेरे अधरों पर धीमे धीमे निखरता रहा।

धूप ने लाख बिछाए राहों में तपते पत्थर,
प्रेम का नन्हा सावन साथ गुजरता रहा।

आँखों में सपनों की नैया लहरों पर तैरती रही ,
विश्वास का तिनका तूफ़ाँ से उबरता रहा।

मौसम ने बदली बार बार अपनी करवट,
तेरा स्नेह मन में बादल बन बरसता रहा।

रिश्ते शब्दों से बढ़कर मौन में जी लेते,
अनकहा अपनापन हमें सँवारता रहा।

वक़्त की तेज़ हवाओं ने कितने पत्ते बिखराए,
स्मृतियों का सूखा पत्ता फिर भी निखरता रहा।

जब जीवन की राहों में अँधियारा गहराया,
तेरा चेहरा चांदनी में रात उभरता रहा।

'संजीव' हृदय की बस्ती में प्रेम अमर हुआ,
जग बदलता रहा पर रिश्ता निखरता रहा।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन करियर में प्रगति के अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

कर्क भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापारियों को लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से संपर्क लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ है।

तुला भाग्य का साथ मिलेगा। लंबे समय से रुका हुआ कार्य पूरा हो सकता है। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

वृश्चिक कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन सफलता मिलेगी। धन लाभ के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

धनु नई संभावनाएं सामने आएंगी। नौकरी और व्यवसाय में उन्नति के संकेत हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

मकर मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कुंभ रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। करियर में नई उपलब्धियां हासिल हो सकती हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन आज का दिन सकारात्मक रहेगा। नौकरी और व्यवसाय में लाभ के योग हैं। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

जब कक्षा बन जाए अखाड़ा

2 जून की रात पटना में कुछ बेहद परेशान करने वाला हुआ। करीब 15 से 20 लोगों की भीड़ खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग सेंटर पहुंची, पथराव किया, तोड़फोड़ की और चली गई। यह अपने आप में काफी चिंताजनक था। लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने मामले को और पेचीदा बना दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने लगा जिसमें दो लोग परिसर के पास हवाई फायरिंग करते दिख रहे थे। बाद में पता चला कि ये दोनों उसी संस्थान के सुरक्षाकर्मी थे। पटना पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया, हथियार जब्त किए और फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे। मामला दर्ज हुआ। फिर कुछ दिनों बाद पुलिस ने केजीएस के संस्थापक फैसल खान, जिन्हें लोग खान सर के नाम से जानते हैं, को भी इसी फायरिंग मामले में बुक कर लिया। उनके वकील ने कहा कि वे कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे और 8 जून को अग्रिम जमानत की याचिका दाखिल करने की बात कही। प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान ज्ञानबिंदु ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि पूरा मामला नाटकीय था। उनके एक सदस्य आदर्श ने खान सर के गार्डों के फायरिंग वाले वीडियो की ओर इशारा करते हुए पूछा कि जब खुद खान सर की तरफ से गोलियां चलीं, तो उन्होंने यह कैसे कहा कि उन पर 7 से 8 राउंड फायरिंग हुई।

खान सर ने इसे साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे बेहद कम फीस में पढ़ाते हैं और बेहतरीन नतीजे देते हैं। शुरुआती हमले के सिलसिले में ज्ञानबिंदु के डायरेक्टर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। राज्य सरकार ने इस बीच कहा कि वह जल्द ही बिहार में कोचिंग सेंटरों के बीच प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करने के लिए नीति लाएगी।

वह बड़ी समस्या जिस पर कोई बात नहीं करना चाहता

नाटकीयता, प्रेस कॉन्फ्रेंस और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप को किनारे रख दें, तो जो तस्वीर उभरती है वह यह है कि पटना में कोचिंग उद्योग कितना खतरनाक मोड़ ले चुका है। पटना की कोचिंग पट्टी देश की सबसे प्रतिस्पर्धी जगहों में से एक है। बिहार और पड़ोसी राज्यों से हजारों छात्र हर साल सरकारी नौकरी, बैंक परीक्षा, यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए यहां आते हैं। छात्रों के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं। कोचिंग संस्थानों के लिए भी उतने ही। यह बाजार सैकड़ों करोड़ का है, और सबसे आगे रहने, छात्रों को आकर्षित करने, सर्वश्रेष्ठ दिखने का दबाव हमेशा बना रहता है।

जब इस तरह का दबाव किसी अनियंत्रित जगह में जमा होता है, तो हालात बिगड़ते हैं। चलत्र वाली घटना पहली बार नहीं है जब पटना के कोचिंग सेंटरों में टकराव हुआ हो। शायद आखिरी भी नहीं होगी। लेकिन इस मामले को जो अलग बनाता है, वह यह है कि बात लाइसेंसी हथियारों तक पहुंच गई और गोलियां चलीं। इसके पीछे जो भी मकसद रहा हो, यह गंभीर बढ़ोतरी है।

असली कीमत कौन चुका रहा है?

जब यह सब अदालतों और प्रेस ब्रीफिंग में चल रहा है, तो एक और समूह है जो इस पूरी बातचीत में शायद ही आता है। वे छात्र। इन संस्थानों में नामांकित हजारों युवा उन परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं जो उनकी जिंदगी बदल सकती हैं। वे उन परिवारों से आते हैं जिन्होंने अपनी बचत खर्च करके उन्हें पटना भेजा है। उनकी दिनचर्या, उनका आत्मविश्वास, उनकी सुरक्षा की भावना, सब कुछ इन कोचिंग संस्थानों के संचालन से जुड़ा है। जब हिंसा होती है, जब उनके शिक्षक आपराधिक मामलों के आरोपी बन जाते हैं, जब उनके आसपास का माहौल डरावना हो जाता है, तो छात्र इन सब को चुपचाप अपने अंदर समेट लेते हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोई उनकी बात नहीं कर रहा था। राजनीतिक बयानों में कोई यह नहीं पूछ रहा था कि अगर कोचिंग सेंटर बीच सत्र में बंद हो जाए, या उसके आसपास का माहौल इतना तनावपूर्ण हो जाए कि पढ़ना मुश्किल हो जाए, तो छात्रों का क्या होगा।

जवाबदेही का अभाव

भारत में कोचिंग उद्योग लंबे समय से एक अनिश्चित क्षेत्र में काम करता रहा है। नियम हैं, लेकिन उनका पालन अनिश्चित है। संस्थान मनमानी फीस ले सकते हैं, सशस्त्र सुरक्षा रख सकते हैं, और आक्रामक विज्ञापन कर सकते हैं, बिना किसी खास परिणाम के। इसका नतीजा एक ऐसा बाजार है जो दिखावे, डर और आक्रामक प्रतिस्पर्धा पर चलता है।

बिहार सरकार का नीति बनाने का बयान सही दिशा में एक कदम है, लेकिन ऐसे वादों का रिकॉर्ड बहुत उत्साहजनक नहीं है। पिछले साल बीपीएससी परीक्षा के विरोध प्रदर्शनों में, जहां खान सर को खुद छात्रों के समर्थन में हिरासत में लिया गया था, यह दिखा कि बिहार के शिक्षा तंत्र में कुंठाएं कितनी गहरी हैं। वह भी बयानों पर खत्म हुआ, ढांचागत बदलाव नहीं हुए।

जरूरत सिर्फ एक नीति दस्तावेज की नहीं है, बल्कि एक ऐसे वास्तविक तंत्र की है जो कोचिंग संस्थानों को जवाबदेह बनाए, छात्रों को व्यावसायिक लड़ाइयों की चपेट में आने से बचाए, और यह सुनिश्चित करे कि कोई भी शिक्षक, चाहे वह कितना भी लोकप्रिय हो, खुद को संस्थागत जवाबदेही से ऊपर न माने।

खान सर ने अपनी पहचान सादगी से पढ़ाने वाले और कम फीस लेने वाले शिक्षक के रूप में बनाई थी। वह छवि अब सिर्फ एक कानूनी मामले से नहीं, बल्कि इस सवाल से भी दबाव में है कि किसी कोचिंग सेंटर को पहले स्थान पर सशस्त्र गार्ड की जरूरत क्यों पड़ती है। इस सवाल का जवाब बाकी सब से ज्यादा इस उद्योग की हालत बताता है।

2 जून को क्या हुआ, जांच आखिरकार यह तो बता देगी। लेकिन यह घटना पहले ही कुछ ऐसा उजागर कर चुकी है जो ध्यान देने योग्य है। पटना के कोचिंग बाजार में सबसे बड़ा नाम बनने की दौड़ में, शिक्षा और व्यापार के बीच की रेखा बुरी तरह धुंधली हो चुकी है। और छात्र, हमेशा की तरह, बीच में खड़े है।

सुप्रीम कोर्ट के प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह द्वारा लिखित आर्टिकल

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, अवैध तमंचा व कारतूस बरामद

देवरिया। जनपद के थाना रामपुर कारखाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार थाना रामपुर कारखाना पर दर्ज मुकदमा संख्या 265/2025 से संबंधित वांछित अभियुक्त धनन्जय पाल निवासी कमधेनवा को मुखबिर की सूचना पर ग्राम कोटवा व मधुराछापर के बीच पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का एक अवैध देशी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने अभियोग में आर्म्स एक्ट की धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आनंद कुमार, कांस्टेबल शिवम यादव, चन्द्रप्रकाश सिंह एवं अक्षय निषाद शामिल रहे।

डीआईजी ने अपराध पर मांगी सख्ती, भर्ती परीक्षा को लेकर दिए कड़े निर्देश

देवरिया। पुलिस लाइन सभागार में शुक्रवार को हुई समीक्षा बैठक में गोरखपुर परिक्षेत्र के डीआईजी एस. चन्नप्पा ने अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में मिशन शक्ति फेज-5, लंबित विवेचनाएं, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी और आगामी पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। डीआईजी ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि अपराधियों पर लगातार नजर रखी जाए और निरोधात्मक कार्रवाई तेज की जाए। महिलाओं से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई और संवेदनशील व्यवहार पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक में आगामी पुलिस भर्ती परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था भी चर्चा का प्रमुख केंद्र रही। डीआईजी ने परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी, यातायात प्रबंधन और अभ्यर्थियों की सुविधा के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर, एएसपी आनंद पांडेय, एएसपी सुनील सिंह समेत जिले के सभी थाना प्रभारी और शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

टिकट दलालों ने टिकट लेने गए युवक को पीटा चार हजार छीनने का आरोप

सहजनवा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत सहजनवा वार्ड 4 केशोपुर निवासी मदन लाल कन्नौजिया पुत्र सुरेंद्र कन्नौजिया जो शुक्रवार सुबह 9.30 बजे के करीब सहजनवा रेलवे स्टेशन पर अहमदाबाद जाने के लिए टिकट लेने गया हुआ था। जहां पहले से टिकट की दलाली करने वाले मनबढ़ मौजूद थे। लाइन में टिकट लेने के लिए खड़ा था। उसी दौरान टिकट दलाल उसे जातिसूचक गालियां देने लगे और लाइन से धक्का देकर गिरा दिया। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया। तो सभी टिकट दलाल इक्कठा होकर मारते पीटते हुए जेब में टिकट खरीदने के लिए रखा 4 हजार रुपए छीन कर फरार हो गए। पीड़ित ने टिकट दलालों के खिलाफ सम्पूर्ण समाधान दिवस पर शिकायत किया है। इस संदर्भ में थानेदार संजय कुमार मिश्र ने कहा कि तहरीर मिली है। दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया गया है।

चोर घर में घुसकर नकदी और जेवरात चुरा कर फरार

सहजनवां/गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के रहीमाबाद मे गुरुवार को भोर में पौने चार बजे के करीब चोर घर में घुस कर नकदी और जेवरात चुरा ले गया है। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ थाने में तहरीर दे दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र के सतीश उपाध्याय पुत्र राजेंद्र उपाध्याय निवासी रहीमाबाद के घर में गुरुवार को बीती रात में भोर पौने चार बजे के करीब एक चोर सीढ़ी के रास्ते घर में घुस गया था। पीड़ित घर में सो रहा था। चोर कमरे में रखा बॉक्स का ताला तोड़ कर उसमें रखा पांच हजार नकद,दो सोने की बाली,एक सोने का झाला,चुरा लिया। घर में आहट देखकर जब जगा तो चोर को देखकर शोर मचाया तो चोर सीढ़ी के रास्ते छत पर चढ़ एक निर्माणाधीन मकान के रास्ते कूद कर फरार हो गया। पीड़ित ने अज्ञात चोर खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संदर्भ में थानेदार संजय कुमार मिश्र ने कहा कि तहरीर मिली है। जांच चल रही है।

गोंडा में मुख्यमंत्री योगी का बड़ा संदेश: उत्सव में खलल डालने वालों का वर्तमान और भविष्य दोनों होंगे स्वाहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। मुख्यमंत्री ने शनिवार को गोंडा जनपद के कटरा और करनैलगंज विधानसभा क्षेत्रों में कुल 516 करोड़ रुपये की 262 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करते हुए प्रदेश में कानून-व्यवस्था, विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति उत्सव और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में खलल डालने का प्रयास करेगा तो उसका वर्तमान ही नहीं, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय त्योहारों और धार्मिक आयोजनों के दौरान तनाव एवं अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती थी। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा, रामलीला और अन्य धार्मिक आयोजनों में बाधाएं डाली जाती थीं तथा तत्कालीन सरकारें दंगाइयों और पेशेवर गुंडों के सामने नतमस्तक रहती थीं। लेकिन आज प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है और किसी भी प्रकार की अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सुरक्षा और सुशासन विकास की पहली शर्त है। वर्ष 2017 के पहले प्रदेश पहचान के संकट से जूझ रहा था। नौजवान बेरोजगारी, किसान समस्याओं और महिलाएं असुरक्षा का सामना कर रही थीं। आज प्रदेश के सभी 75 जिलों, 350 तहसीलों, 826 विकास खंडों और हजारों ग्राम पंचायतों तक बिना किसी

भेदभाव के विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने गोंडा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में इस जनपद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यहां के किसान मेहनती, युवा ऊर्जावान और कारीगर प्रतिभाशाली हैं। बावजूद इसके, वर्षों तक तुष्टिकरण, अराजकता, जातिवाद और भाई-भतीजावाद की राजनीति के कारण जनपद अपेक्षित विकास से वंचित रहा। अब गोंडा तेजी से विकास की नई पहचान बना रहा है।उन्होंने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश के युवाओं को दूसरे राज्यों में पहचान के संकट का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और डबल इंजन सरकार की नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश की सकारात्मक पहचान देशभर में स्थापित हुई है। अब प्रदेश के युवाओं को सरकारी नौकरियों में पारदर्शी अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस की हालिया भर्ती का उल्लेख करते हुए कहा कि गोंडा सहित आसपास के जिलों के हजारों युवाओं को बिना किसी भेदभाव के रोजगार प्राप्त हुआ है।मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश अब केवल नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ तक सीमित नहीं है, बल्कि गोंडा जैसे जनपद भी निवेश के नए केंद्र बन रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और युवाओं को अपने घर के निकट ही काम मिलने लगा है।अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दशकों तक चले संघर्ष के बाद आज रामभक्तों का सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब रामभक्त अयोध्या नहीं पहुंच पाते थे, लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। राम मंदिर निर्माण को उन्होंने भारत की सांस्कृतिक चेतना और आस्था की विजय बताया।

मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि अच्छे प्रतिनिधियों का चुनाव विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि जब जनता सही निर्णय लेती है तो मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि महाविद्यालय, सड़क, पुल और रोजगार जैसी सुविधाएं क्षेत्र तक पहुंचती हैं। गोंडा में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना इसी सोच का परिणाम है।उन्होंने बताया कि सरकार ने मटियारी घाट पर दीर्घ सेतु निर्माण, घाघरा नदी के तट पर बाढ़ नियंत्रण परियोजना तथा टेढ़ी नदी पर वर्षों से लंबित पुल निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को स्वीकृति दी है। इससे हजारों किसानों को राहत मिलेगी तथा क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा। रमापुर में पशु चिकित्सालय और राजकीय आईटीआई करनैलगंज में आधुनिक कार्यशाला निर्माण भी युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करेगा।पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक खेती पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस से विश्व योग दिवस तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे स्वास्थ्य, पर्यावरण और कृषि लागत तीनों क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की बात कही।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में गोंडा देश के सबसे गंदे शहरों में गिना जाता था, लेकिन आज यह स्वच्छता और विकास दोनों क्षेत्रों में नई पहचान बना रहा है। सरकार का लक्ष्य गोंडा को आधुनिक उत्तर प्रदेश के आधुनिक जनपद के रूप में स्थापित करना है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों का अन्नप्राशन कराया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर कैसरगंज सांसद , क्षेत्रीय विधायकगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

'बीस साल का रिश्ता बना प्रताड़ना की कहानी': दो बच्चों संग एसएसपी कार्यालय पहुंची महिला

● पति व ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सहजनवां क्षेत्र के बोक्टा गांव की रहने वाली अनीता यादव शनिवार को अपने दो बच्चों के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय पहुंचीं और पति व ससुराल पक्ष पर मानसिक, शारीरिक और आर्थिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि वर्षों से प्रताड़ना झेलने के बावजूद उन्हें न तो पारिवारिक सहारा मिला और न ही प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस राहत मिल सकी। अनीता यादव का कहना है कि उनकी शादी को लगभग 20 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन लंबे समय से उनका वैवाहिक जीवन संघर्ष और उत्पीड़न के बीच गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति श्याम मोहन यादव न तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की जिम्मेदारी उठाते हैं और न ही घर के राशन व अन्य जरूरी खर्चों में कोई सहयोग करते हैं। इससे परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है।

पीड़िता के अनुसार उनके पति अधिकतर समय अपने भाई कृष्ण मोहन यादव और भाभी विमला देवी के साथ रहते हैं तथा उन्हीं के प्रभाव में रहकर परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारियों से दूरी बनाए हुए हैं। अनीता का आरोप है कि ससुराल में उनकी बातों को कोई महत्व नहीं दिया जाता और उन्हें लगातार अपमानित किया जाता है। उन्होंने बताया कि जब तक सास-ससुर जीवित थे, तब तक

किसी तरह घर का खर्च और राशन की व्यवस्था हो जाती थी, लेकिन उनके निधन के बाद हालात और बदतर हो गए। अब उन्हें बच्चों का पालन-पोषण करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अनीता यादव ने आरोप लगाया कि जब भी वह बच्चों की शिक्षा, घरेलू खर्च या अपने हिस्से की जमीन को लेकर बात करती हैं, तो उनके साथ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी दी जाती है। उन्होंने पति सहित ससुराल पक्ष पर जान से मारने और तलाक देने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता के भाई विजय यादव ने भी अपनी बहन के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि परिवार की मदद करने पर उन्हें भी अपमानित किया जाता है। उनका आरोप है कि पहले उन पर हमला भी किया जा चुका है। अनीता यादव ने बताया कि वह कई बार स्थानीय थाने में शिकायत कर चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने एसएसपी से हस्तक्षेप कर न्याय दिलाने, बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब इस मामले में पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

स्कॉर्पियो से 348 लीटर अवैध शराब बरामद, चालक फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के बनकटा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बिहार ले जाई जा रही भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। शुक्रवार सुबह इंगुरी सराय के पास वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक स्कॉर्पियो से 32 पेटी अंग्रेजी शराब और छह पेटी बीयर बरामद की। पुलिस के अनुसार शराब की कुल मात्रा करीब 348 लीटर है, जिसकी कीमत दो लाख रुपये से अधिक आंकी गई है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि स्कॉर्पियो वाहन से शराब की खेप बिहार ले जाई जा रही है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। हालांकि चालक झाड़ियों और गन्ने के खेत का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन संख्या के आधार पर चालक और वाहन स्वामी की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए टीमें लगा दी हैं। थानाध्यक्ष दिनेश मौर्य के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में पुलिस ने ऑफिसर्स च्वाइस अंग्रेजी शराब और किंगफिशर बीयर बरामद की। मामले में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बिहार सीमा से जुड़े क्षेत्रों में शराब तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

कोन/सोनभद्र- स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पीपरखाड़ के शिवदामर टोला निवासी श्याम बिहारी उरांव (45) पुत्र रामसुंदर उरांव की शुक्रवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया तथा क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। मृतक की पत्नी फूलमती देवी ने कोन थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति श्याम बिहारी उरांव की 5 जून की शाम लगभग 6 बजे अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने पुलिस से शव का पोस्टमार्टम कराकर मौत के कारणों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में मृतक की पत्नी ने बताया कि वह ग्राम पीपरखाड़ के शिवदामर टोला की निवासी हैं तथा उनके पति की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। उन्होंने मामले में आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

गोरखपुर राप्ती में रील का जुनून बना काल: करतहरी घाट पर डूबे दो युवक, घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद मिले शव

● मोबाइल कैमरे के सामने मुस्कुरा रहे थे दोस्त, कुछ ही पलों में मातम में बदल गई खुशियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर के पीपीगंज थाना क्षेत्र स्थित करतहरी घाट पर शनिवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान राप्ती नदी में नहाने गए सात युवकों में से दो युवक गहरे पानी में समा गए। देखते ही देखते हंसी-खुशी का माहौल चीख-पुकार में बदल गया। घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद दोनों युवकों के शव बरामद किए गए, जिसके बाद गांव में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम जगदीशपुर गाही निवासी सात युवक शनिवार को राप्ती नदी के करतहरी घाट पर नहाने पहुंचे थे। सभी युवक नदी में मस्ती करते हुए मोबाइल फोन से वीडियो और रील बना रहे थे। इसी दौरान दो युवक नदी के उस हिस्से में पहुंच गए जहां पानी की गहराई अधिक थी और बहाव भी तेज था। अचानक दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे डूबने लगे।

साथ मौजूद दोस्तों ने शोर मचाते हुए उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन नदी का तेज बहाव उनके प्रयासों पर भारी पड़ गया। देखते ही देखते दोनों युवक पानी में लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पीपीगंज थाना पुलिस ने तत्काल स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू कराया। काफी प्रयासों के बाद पहले युवक शिवम कुमार पुत्र संजीव कुमार, निवासी जगदीशपुर गाही का शव बरामद कर लिया गया।

वहीं दूसरे युवक गोलू कुमार पुत्र रामदीन, उम्र लगभग 19 वर्ष, का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पीएसी की 26वीं वाहिनी के प्रशिक्षित गोताखोरों को बुलाया गया। कई घंटों तक चले सघन सर्च ऑपरेशन के दौरान पीएसी, स्थानीय गोताखोरों और प्रशासनिक टीम ने नदी के विभिन्न हिस्सों में खोजबीन की। अंततः गोलू कुमार का शव भी बरामद कर लिया गया। दोनों शवों के मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम

हो गईं। सदर तहसील प्रशासन के अधिकारी भी पूरे अभियान के दौरान मौके पर मौजूद रहे और राहत-बचाव कार्यों की निगरानी करते रहे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नदी में पानी का बहाव तेज होने और गहराई का सही अनुमान न लगा पाने के कारण यह हादसा हुआ। यह घटना एक बार फिर चेतावनी देती है कि सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज के लिए जोखिम भरे स्टंट या रील बनाना जानलेवा साबित हो सकता है। प्रशासन ने लोगों से नदी, तालाब और अन्य जलाशयों में सावधानी बरतने तथा सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है।

संपूर्ण समाधान दिवस में उमड़ी शिकायतों की बाढ़, 67 में सिर्फ 6 मामलों का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। तहसील खजनी सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जनसमस्याओं का अंबार देखने को मिला। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु वर्मा की अध्यक्षता तथा उप जिलाधिकारी राजेश प्रताप की मौजूदगी में कुल 67 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से केवल 6 मामलों का मौके पर निस्तारण हो सका। शेष 61 शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रहीं। भूमि विवाद, पैमाइश, कब्जा और नामांतरण जैसे मामलों को लेकर बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। हालांकि अधिकांश शिकायतों का तत्काल समाधान

नहीं हो पाने से कई शिकायतकर्ता निराश नजर आए। फरियादियों का कहना था कि वे अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर समाधान दिवस में पहुंचते हैं, लेकिन कई मामलों में केवल औपचारिक आदेश देकर शिकायतों को संबंधित विभागों के पास भेज दिया जाता है। ऐसे में उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं और समस्याएं लंबित बनी रहती हैं।

अधिकारियों ने सभी विभागीय कर्मचारियों को लंबित मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए तथा कहा कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान क्षेत्राधिकारी खजनी विवेक कुमार तिवारी, तहसीलदार ध्रुवेश कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी रमेश शुक्ला, सावन कुमार दूबे, नायब तहसीलदार, लेखपाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में लगा हाईटेक आरओ प्लांट, जवानों को मिलेगा शुद्ध पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। पुलिस लाइन में अब पुलिसकर्मियों को शुद्ध और ठंडा पेयजल आसानी से मिल सकेगा। शुक्रवार को गोरखपुर परिक्षेत्र के डीआईजी एस. चन्नप्पा ने पुलिस लाइन परिसर में स्थापित नए आरओ प्लांट का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर समेत जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उद्घाटन के बाद डीआईजी ने आरओ प्लांट का निरीक्षण किया और कहा कि लगातार ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों के लिए स्वच्छ पेयजल बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य से ही बेहतर पुलिसिंग संभव है। डीआईजी ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे पुलिस लाइन में रहने वाले जवानों और उनके

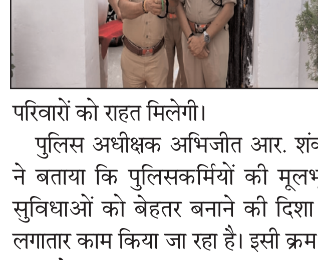

परिवारों को राहत मिलेगी।

पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने बताया कि पुलिसकर्मियों की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। इसी क्रम में आरओ प्लांट स्थापित कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी पुलिस लाइन में सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों ने भी इस सुविधा पर खुशी जताई।

अवैध मादक पदार्थ (गांजा) की तस्करी के आरोप में 01 अभियुक्त गिरफ्तार

ओबरा/ सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना ओबरा के कुशल नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना ओबरा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है। दिनांक 05.06.2026 को थाना ओबरा पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग, वांछित अभियुक्तों की तलाश एवं अपराध नियंत्रण हेतु भ्रमणशील थी। इसी दौरान डाला मोड़ रेलवे क्रासिंग के पास गजराजनगर क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा रोककर नियमानुसार तलाशी ली गई।

यातायात जरूरतों को देखते हुए देवरिया में अब मेट्रो अथवा रोप-वे परियोजना की उठी मांग

● सांसद शशांक को सौंपा पत्रक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और भविष्य की यातायात जरूरतों को देखते हुए अब मेट्रो अथवा रोप-वे परियोजना की मांग उठने लगी है। भाजपा के पूर्व मीडिया प्रभारी अम्बिकेश पाण्डेय ने देवरिया सदर सांसद शशांक मणि को पत्र सौंपकर बैतालपुर से सोनूघाट और अमेठी से पिपरपाती चौराहा तक मेट्रो या रोप-वे परियोजना शुरू कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि देवरिया शहर तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है, लेकिन बढ़ती आबादी और वाहनों के दबाव के चलते प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। बैतालपुर-सोनूघाट और अमेठी-पिपरपाती चौराहा मार्ग पर रोजाना लोगों को घंटों जाम से जूझना पड़ता है, जिससे व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं।

पत्र में सांसद से अनुरोध किया गया है कि शहर के दीर्घकालिक विकास को ध्यान में रखते हुए इन मार्गों पर मेट्रो अथवा रोप-वे परियोजना के लिए सर्वे कराकर प्रस्ताव सरकार को भेजा जाए। उनका कहना है कि ऐसी परियोजना से यातायात व्यवस्था सुगम होगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और देवरिया आधुनिक शहरों की श्रेणी में शामिल हो सकेगा। इस दौरान सुरेंद्र चौरसिया समेत अजय उपाध्याय, शैलेन्द्र सिंह आजाद और पुनीत सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

लोकायुक्त जांच पर सवाल, त्रिस्तरीय कमेटी की निष्क्रियता आयी सामने

सलेमपुर नगर पंचायत में कथित घोटाले की जांच हुई संदिग्ध

सलेमपुर, देवरिया। नगर पंचायत सलेमपुर में निर्माण कार्यों में कथित अनियमितता और घोटाले की जांच को लेकर एक बार फिर मामला सुर्खियों में आ गया है। उद्योग व्यापार मंडल सलेमपुर के तहसील अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन सुधाकर गुप्त ने त्रिस्तरीय जांच कमेटी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए जांच प्रभावित होने का आरोप लगाया है। शनिवार को सोहनाग मोड़ स्थित एक जलपान गृह में आयोजित प्रेस वार्ता में सुधाकर गुप्त ने कहा कि उन्होंने 7 जनवरी को लोकायुक्त उत्तर प्रदेश से 49 बिंदुओं पर शिकायत करते हुए नगर पंचायत में हुए निर्माण कार्यों में घोटाले और अनियमितताओं की जांच की मांग की थी। लोकायुक्त के निर्देश पर जिलाधिकारी ने त्रिस्तरीय जांच कमेटी गठित कर स्थलीय जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच कमेटी के केवल एक सदस्य ने 2 मई को करीब 10 स्थानों का निरीक्षण किया, जहां अनियमितताएं भी सामने आईं, लेकिन इसके बाद अब तक कोई सदस्य मौके पर जांच के लिए नहीं पहुंचा। सुधाकर गुप्त का कहना है कि उन्होंने जांच में हो रही देरी को लेकर जिलाधिकारी को दो बार पत्र भेजकर जांच शीघ्र पूरी कराने की मांग की।

समाधान दिवस में डीएम सख्त, चार अधिकारियों को नोटिस

● 151 शिकायतों में 27 का मौके पर निस्तारण, तीन जरूरतमंदों को तुरंत मिला राशन कार्ड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जनपद के बरहज तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी सख्त तेवर में नजर आए। जनसमस्याओं की सुनवाई के दौरान उन्होंने लापरवाही पर चार अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए, वहीं राजस्व और पुलिस अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण का निर्देश दिया। समाधान दिवस में कुल 151 शिकायतें पहुंचीं, जिनमें 27 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सर्वाधिक 76 मामले राजस्व विभाग से जुड़े रहे। डीएम ने अविवादित वरासत, धारा 24 और 116 के पुराने मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने के निर्देश दिए। लेखपालों और कानूनगो को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज की जाएगी।

बैठक में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण एवं शहरी), अधिशासी अभियंता नलकूप तथा क्षेत्रीय विपणन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान ग्राम खोरी की असमीना खातून ने आर्थिक तंगी और दिव्यांगता की समस्या बताई, जिस पर डीएम ने तत्काल अंत्योदय राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और दिव्यांग पेंशन की कार्रवाई कराने के निर्देश दिए। वहीं तीन पात्र लोगों मनीषा देवी, ब्यूटी सिंह और असमीना खातून के राशन कार्ड मौके पर ही बनवाए गए।

डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं की भी समीक्षा की और वीएचएसएनसी सत्रों व स्वास्थ्य केंद्रों के निरीक्षण के लिए अधिकारियों को चेकलिस्ट के साथ रवाना किया। इस दौरान तहसील परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने भी पुलिस से जुड़े मामलों की सुनवाई करते हुए थाना प्रभारियों को राजस्व विभाग के साथ समन्वय बनाकर शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में पौध रोपण कर आम जन को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

संक्षिप्त खबरें

जनपद खीरी में विकास कार्यो की खुली पोलः गाजियापुर पुल बना मौत का फंदा

पढ़ुआ/ढखेरवा खीरी- जनपद लखीमपुर खीरी के ब्लॉक रमिया-बेहड़ क्षेत्र में स्थित गाजियापुर पुल जर्जर होकर मौत को दावत दे रहा है। पुल पर अत्यधिक गड्ढे हो गए हैं। और एक किनारा पूरी तरह धंसने की कगार पर पहुंच चुका है। राहगीर, किसान और वाहन चालक अपनी जान हथेली पर रखकर इस पुल से गुजरने को मजबूर हैं। ट्रैक्टर-ट्रॉली, बाइक, एंबुलेंस - सबके लिए ये पुल काल बन चुका है। जरा सी चूक और बड़ा हादसा तय है। स्थानीय लोगों का सवाल है। कि आखिरकार सिंचाई विभाग कब तक कान में तेल डालें बैठा रहेगा? शिकायतों के बावजूद न मरम्मत हो रही है। न कोई अधिकारी निरीक्षण करने आ रहा है। कागजों में करोड़ों खर्च दिखाए गए, लेकिन धरातल पर पुल खस्ता हाल में है। अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा हादसा होने के बाद ही प्रशासन जागेगा। तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

'हमारा ग्रुप हिंदू लड़कियों को ही फंसाता है...' असली नाम छिपाकर प्यार का नाटक करने वाले अरबाज का कबूलनामा

बरेली। शातिर अरबाज के पंजों में फिर से एक हिंदू युवती फंस गई। उसने खुद का बाबी नाम बताकर युवती को फंसाया उसके साथ प्रेम का झूठा नाटक किया और शारीरिक संबंध बनाए। अरबाज को यह बात मालूम थी कि कभी न कभी उसका भेद खुलेगा इसलिए उसने पहले ही युवती के साथ अपने अश्लील वीडियो बना लिए थे। अब जब उसका भेद खुला तो उसने युवती को उन्हीं वीडियो के आधार पर धमकाया। कहा कि उनका एक ग्रुप है जो हिंदू लड़कियों को फंसाता है और उनका मतांतरण करता है। मामले में कैंट थाने में आरोपित अरबाज उर्फ बाबी के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की गई है। जांच में पता चला कि वह पहले से शादी-शुदा है। कैंट थाना क्षेत्र निवासी एक युवती ने पुलिस को बताया कि करीब एक साल पहले उनकी मुलाकात बाबी नाम के युवक से हुई थी। उस वक्त उसने खुद को हिंदू बताया और धीरे-धीरे बातचीत करने लगा। आरोप है कि आरोपित ने उन्हें अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। इसके बाद उसने युवती को करीब एक साल तक नकटिया में किराए के मकान में रखा और शारीरिक शोषण किया। आरोप है कि उस वक्त आरोपित ने उनके साथ कई अश्लील वीडियो भी बनाई। आरोप है कि एक दिन आरोपित ने कहा कि वह उनके नाम से एक प्लाट ले रहा है। बदले में उसने युवती का मंगलसूत्र, झुमकी, कुंडल, अंगूठी और चांदी की पायल आदि सभी लेकर खुर्द-बुर्द कर दी। युवती का कहना हैं कि करीब एक सप्ताह पहले ही उसे पता चला कि बाबी हिंदू नहीं बल्कि मुस्लिम हैं और उसका असली नाम अरबाज है जो कि श्यामगंज में रोहली टोला का निवासी है। आरोप है कि जब यह बात युवती ने अरबाज से की तो वह आग बबूला हो गया। गाली-गलौच कर मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपित ने धमकाया कि उसका एक ग्रुप है जो इसी तरह से हिंदू लड़कियों को फंसाकर पहले उनसे प्रेम का नाटक करते हैं और बाद में उनका मतांतरण कराते हैं। उनका काम ही है हिंदू लड़कियों को इस्लाम कबूल कराना। युवती का आरोप है कि अरबाज, उसका एक दोस्त आरिश, अरबाज की बहन सिमरन और उसका पति राजा जबरन युवती पर इस्लाम कबूल करने का दबाव बना रहे हैं। साथ ही इस्लाम कबूल नहीं करने पर वीडियो प्रसारित करने की धमकी दे रहे हैं। मामले में कैंट थाने में आरोपित अरबाज उर्फ बाबी के विरुद्ध प्राथमिकी लिख ली है।

बेदखली आदेश के बाद भी तालाब पर जारी है अवैध निर्माण

● लेखपाल और चौकी प्रभारी कुकुरा के संरक्षण में तालाब के नाम दर्ज सरकारी जमीन जारी अवैध निर्माण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का निर्देश साफ है कि अपराधी और माफिया को मिट्टी में मिला देंगे।' लेकिन लखीमपुर के तहसील गोला क्षेत्र के कस्बा हर दुआ की हकीकत बाबा के इन दावों पर कालिख पोत रही है। यहाँ मिट्टी में माफिया नहीं मिल रहे, बल्कि दबंग सरकारी जमीनों तथा तालाबों अवैध तरीके से कब्जा करके लाखों-करोड़ों की काली कमाई कर रहे हैं।

सिस्टम को कथित दबंग श्रीराम का 'चढ़ावा' या कानून की विफलता

लखीमपुर में कानून का डंडा अब कथित भू-माफियाओं के सामने 'बोना' साबित हो रहा है। स्थानीय चर्चाओं और सूत्रों की मानें तो कथित 'भू माफ़िया का साम्राज्य इस कदर फैला है कि प्रशासन की चुप्पी अब संदेह के घेरे में है।सुत्रो के अनुसार लेखपाल से तहसील दफ्तर और पुलिस चौकी से थाना तक 'महीना': खबर है कि दबंग श्रीराम खुलेआम दावा कर रहें है कि 'नीचे से ऊपर तक हिस्सा पहुँचता है।' क्या यही वजह है कि कानूनगो, नायब तहसीलदार तहसीलदार और एस. डी. एम. गोला को दिन के उजाले में भी ये अवैध कब्जा नजर नहीं आता राजस्व विभाग सरकारी जमीनों की जानकारी गाटा सहित सार्वजनिक करने से क्यों कतरा रहा है? अगर सब कुछ वैध है, तो विवरण जनता के सामने क्यों नहीं सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर कथित दबंग कब्जा धारकों का आतंक है परगना कुकुरा के स्थानीयकस्बा सहितकई गावों का इलाका कथित दबंगों का 'एपिसेंटर' बन चुका है।आरोप है कि राजस्व की सरेआम लूट ने सरकार के खजाने में जाने वाला पैसा आज भ्रष्ट अधिकारियों और माफियाओं की जेबें गरम कर रहा है। जिससे आम जनता का जीना मुहाल है।

जनप्रतिनिधियों के दोहरे मापदंड

एक तरफ जहां सभी अवैध कब्जों पर कार्रवाई की बात की जाती हैं वहीं दूसरी तरफ भू माफियाओं का स्पष्ट कहना है कि साहब के पास तक पहुंच रहीं है कमाई की तयशुदा हिस्सेदारी उन्ही का अभयदान है और एक उच्च अधिकारी ने मूक सहमति दी है साथ ही यह भी बोल रहे है भाई साहब ने मेरे साथ जाकर मौका का मुआयना किया है।साथ में अवैध कब्जा धारक के भी होने की चर्चा जोर पर है।

अब निर्णायक कार्रवाई की बारी

यह केवल अवैध कब्जा ही नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। लखीमपुर की जनता अब जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर देख रही है। क्या इन माफियाओं के खिलाफ 'बुलडोजर' वाली कार्रवाई होगी या फिर भ्रष्टाचार का यह सिंडिकेट ऐसे ही कानून का मजाक उड़ाता रहेगा 'जब रक्षक ही भक्षक की भूमिका में मौन समर्थन देने लगे, तो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को आवाज उठानी ही होगी।' उक्त मामले में लेखापाल और चौकी प्रभारी कुकुरा की धन लोलुपता के चलते मिलीभगत को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार और मंडलायुक्त लखनऊ मंडल से मिलने को एक दल सोमवार को लखनऊ रवाना होने की बात सामने आयी है। मंडलायुक्त के सामने खुलेगा सैकड़ों बीघा सरकारी जमीनों पर लेखपाल और कुकरा पुलिस की मिलीभगत से अवैध कब्ज़ा होने का काला चिट्ठा लेखपाल और चौकी प्रभारी द्वारा तहसील दार के आदेश के बावजूद अवैध कब्जा धारकों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बजाय उनको अवैध कब्जा करने में सहयोग देने और अवैध कब्जा की शिकायत करने वाले शिकायत कर्ता के विरुद्ध मुक़दमा पंजीकृत कर दिए जाने की भी होगी शिकायत।तहसील दार गोला न्यायालय से बेदखली आदेश और जिलाधिकारी न्यायालय में मामला विचाराधीन होने के बाद भी लेखापाल और चौकी प्रभारी कुकरा द्वारा विवादित तालाब पर नया निर्माण करवाये जाने का मामला चर्चा का विषय बना है शायद चौकी प्रभारी कुकुरा के सामने मुख्यमंत्री, तहसील दार उप जिलाधिकारी के आदेश कोई मायने ही न रखते हों इसीलिये तहसील दार के आदेश का लेखपाल और चौकी प्रभारी मजाक बनाते हुए भू माफियाओं की ताल पर थिरकते देखे जा सकते हैं।सम्पूर्ण मामलों की साक्ष्यों सहित मंडलायुक्त लखनऊ मंडल और अध्यक्ष राजस्व परिषद सहित पुलिस महानिदेशक लखनऊ से शिकायत करते कार्रवाई की मांग किए जाने की चर्चा जोर पकड़ रही है।

महिला के ऑपरेशन में गंभीर लापरवाही का आरोप, पीड़ित पति ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

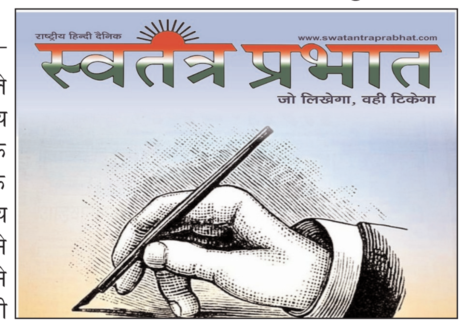

लखीमपुर- खीरी जिले के जिला चिकित्सालय मोतीपुर ओयल में एक महिला के ऑपरेशन के दौरान कथित चिकित्सीय लापरवाही का मामला सामने आया है। पीड़ित पति ने जिलाधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई और मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिसौना निवासी विनीत कुमार ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उनकी पत्नी अंकिता (32 वर्ष) को बच्चेदानी में गांठ की समस्या के चलते 01 अप्रैल 2026 को जिला चिकित्सालय मोतीपुर ओयल में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि 02 अप्रैल को चिकित्सक डॉ. ललित द्वारा ऑपरेशन किए जाने के बाद उनकी पत्नी को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा। विनीत कुमार का कहना है कि ऑपरेशन के बाद उनकी पत्नी की स्थिति लगातार बिगड़ती गई। अन्य चिकित्सकों से परामर्श और जांच कराने पर कथित रूप से ऑपरेशन में गंभीर त्रुटि की जानकारी मिली। इसके बाद मरीज को निजी अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार कराया जा रहा है, जहां अब भी इलाज जारी है। विनीत कुमार ने आरोप लगाया है कि मामले की जानकारी संबंधित चिकित्सक को देने पर उन्हें उच्च संस्थान में इलाज कराने की सलाह देकर टाल दिया गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि उपचार में अब तक भारी आर्थिक खर्च हो चुका है, जिससे परिवार गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। विनीत कुमार ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष चिकित्सीय जांच कराने, दोषी पाए जाने पर संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

बेजुबानों के रक्षक बने एलईओ राजीव कुमार

●ड्यूटी के बाद भी लावारिस और घायल गोवंशों के इलाज के लिए रहते हैं तत्पर

कर्मचारियों के लिए पेश की नजीर, गोसेवकों ने जताई सराहना इनसे सीख ले सरकारी अधिकारी कर्मचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/रिठौरा। जहां आज के दौर में सरकारी विभागों में समय से अपनी जिम्मेदारी न निभाने की शिकायतें आम हैं, वहीं रिठौरा पशु चिकित्सालय में तैनात पशुधन प्रसार अधिकारी (एलईओ) राजीव कुमार समाज और अपने विभाग के लिए एक बड़ी मिसाल पेश कर रहे हैं। वे अपनी सरकारी सेवा को महज नौकरी न मानकर, बेजुबान पशुओं की सेवा में दिन-रात जुटे हैं। राजीव कुमार पशु चिकित्सालय में अपनी नियमित ड्यूटी तो पूरी निष्ठा से निभाते ही हैं, लेकिन उनका असली सेवा भाव ड्यूटी के बाद देखने को मिलता है। भंडसर, बंजरिया, रिठौरा, कलापुर, अणुपुरा और मुंडिया अहमदनगर आदि ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं से भी किसी बीमार, लावारिस या सड़क हादसे का शिकार हुए घुमंतू गोवंश की सूचना मिलती है, तो वे बिना समय गंवाए मौके पर पहुंच जाते हैं। क्षेत्र के गोसेवक और गोरक्षक लगातार उन्हें घायल या बीमार पशुओं की सूचना देते रहते हैं। जेठ की इस तपती दोपहरी में भी सूचना मिलते ही राजीव कुमार अपनी मेडिकल किट के साथ मौके पर पहुंचकर बेजुबानों के इलाज में तल्लीन हो जाते हैं। उनकी इस सक्रियता और सेवा भाव की वजह से क्षेत्र में उन्हें 'बेजुबानों का रक्षक' कहा जाने लगा है। एक तरफ जहां कई कर्मचारी अपनी तय ड्यूटी को भी पूरा समय नहीं देते, वहीं राजीव कुमार का यह जज्बा अन्य सहकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। भंडसर और आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि राजीव कुमार जैसे संवेदनशील और समर्पित कर्मचारी की वजह से आज क्षेत्र में दर्जनों लावारिस पशुओं को समय पर इलाज और नया जीवन मिल पा रहा है।

ग्राम पंचायत बबुरी के रोजगार सेवक जल सहयोग से रहागीरों को शरबत वितरण किया

बरेली/ भदपुरा विकासखंड की ग्राम पंचायत बबूरा बबूरी के रोजगार सेवक शैलेंद्र गंगवार ने आज ग्रामीणों के सहयोग से कि भीषण गर्मी में लोगों को राहत देने के लिए क्यों लड़िया से नवाबगंज जाने वाली सड़क पर शरबत वितरण कर आने जाने वाले ग्रामीणों को शरबत पिलाकर गर्मी से राहत दिलाने का कार्य किया गया जिसको लेकर लोगों ने इस सराहनीय कार्य के लिए ग्रामीणों को बधाई दी इसमें शमिल आईटी शैलेंद्र कुमार गंगवार ठाकुर विनय सिंह भीमसेन भगवान दास तुलाराम झांझर लाल आदि लोगों ने इस कार्य में सहयोग देकर सरवत वितरण कार्यक्रम को आयोजित कराया जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सकी।

एस डी एम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

● तहसील दिवस में पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र मिश्रा

अधिवक्ताओं ने एसडीएम के विरोध जमकर की नारेबाजी विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ नवाबगंज तहसील दिवस एसडीम उदित सिंह पवार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया इसमें सम्मिलित होने अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र मिश्रा तहसील दिवस पहुंचे तो फरियादियों की भीड़ जुटी इस मौके पर 133 शिकायतें पंजीकृत की गई। इनमें से तीन का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया शेष 130 शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया इसी क्रम में शिकायतों के फर्जी निस्तारण जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र लंबित होने को लेकर अधिवक्ताओं का आक्रोश फूटा। और उन्होंने तहसील दिवस गेट पर पहुंचकर एसडीएम के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की अधिवक्ताओं के आक्रोश को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज अरुण कुमार श्रीवास्तव क्यों लड़िया वेद सिंह अन्य पुलिस बल ने अधिवक्ताओं को समझने का प्रयास किया परंतु उन्होंने एसडीम पर गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की और उन्हें तत्काल हटाए जाने की मांग की गई उन्होंने उन्होंने आरोप लगाया एसडीम नवाबगंज कोई भी कार्य संतोषजनक नहीं कर रहे हैं। जिसके कारण सभी मामले लंबित पड़े हैं तहसील दिवस में सबसे अधिक मामले राजस्व से संबंधित आए छोटे-छोटे मामले पुलिस से संबंधित थे जिन्हें अपर पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिस को शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश दिया तहसील आने वाली शिकायतों को गोल-मोल करके निस्तारित कर दिया जाता है जिसके कारण कभी भी फरियादियों की समस्या का निस्तारण न होने के कारण वह बार-बार तहसील के चक्कर लगाते रहते हैं। इसी क्रम में ओसवाल चीनी मिल द्वारा किसानों का गन्ना भुगतान न होने को लेकर कुछ दिन पूर्व अर्धनग्न होकर धरना दे रहे किसान ने आज पुनः प्रार्थना पत्र देकर भुगतान दिलाए जाने की मांग की इस मामले में एसडीम उदित पवार ने गन्ना समिति सचिव मेधा चतुर्वेदी को निम्न अनुसार गन्ना भुगतान करने का निर्देश दिया गन्ना समिति सचिव द्वारा बताया गया उनके हाथ में कुछ नहीं है वह केवल प्रयास कर सकती है वह किया जा रहा है तथा संभव किसान के भुगतान करने का प्रयास किया जाएगा तहसील दिवस में उपस्थित अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र मिश्रा एसडीम उदित सिंह पवार तहसीलदार अभिषेक तिवारी खंड विकास अधिकारी नवाबगंज महेश चंद्र कुशवाहा सहायक विकास अधिकारी पंचायत भदपुरा रवि यादव पूर्ति निरीक्षक नवाबगंज प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव वेद सिंह एवं अन्य विभागों के लोग भी उपस्थित थे यहां पर 133 फरियादी उपस्थित हुए इनमें से तीन की शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया शेष 130 को कार्यवाही का आश्वासन दे दिया गया है।

नियो हॉस्पिटल के डॉक्टर पर एक बार फिर शोषण का लगा आरोप!

● पीड़िता को शादी का झांसा दिया, जबरन गर्भपात कराया और फिर कोर्ट को गुमराह कर नर्स से किया महाधोखा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी जिले से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसने चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे को शर्मसार कर दिया है। एक रसूखदार डॉक्टर पर अपनी ही पूर्व नर्स को प्रेम जाल में फंसाने, महीनों तक शारीरिक शोषण करने, जबरन गर्भपात कराने और फिर बेहद शातिराना तरीके से कानूनी शिकंजे से बचकर दोबारा हैवानियत करने का बेहद गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता ने हार न मानते हुए जिले के पुलिस अधीक्षक (स्क) के सामने न्याय की गुहार लगाई है, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

प्यार, धोखा और ब्लैकमेलिंग का पूरा घटनाक्रम...!

पीड़िता सबीना उर्फ मन्नत (पुत्री मो0 फुरकान), जो कि कोतवाली फूलबेहड़ क्षेत्र की रहने वाली है, उसने अपने शिकायती पत्र में एक-एक कर डॉक्टर के सारे काले कारनामों का कच्चा चिट्ठा खोल दिया है। पीड़िता लखीमपुर के 'स्टार हॉस्पिटल' में नर्स के पद पर कार्यरत थी। आरोप है कि साल 2023 में इसी अस्पताल के डा0 मुनीफ (पुत्र रईस, निवासी राजापुर) ने पीड़िता का मोबाइल नंबर लेकर उसे लगातार फोन करना शुरू किया और प्रेम जाल और शोषण कर डॉक्टर ने पीड़िता को निकाह (शादी) का झांसा दिया और उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद डॉक्टर ने पीड़िता की मर्जी के खिलाफ उसके साथ कई बार जबरन शारीरिक संबंध बनाए।मजबूरी का फायदा उठा कर साल 2024 में जब डा0 ने महेवागंज मे पीड़िता को विवश करके अपने यहां नर्स की नौकरी पर रख लिया ताकि वह उसे हर वक्त अपनी नजरों के सामने रख सके।पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान जब वह कई बार गर्भवती हुई, तो डॉक्टर ने उसे धोखे और दबाव से दवाइयां खिलाकर उसका जबरन गर्भपात करा दिया। यह मामला सिर्फ यौन शोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कानून के साथ खिलवाड़ करने की एक बेहद शातिर साजिश भी शामिल है।जब पानी सिर से ऊपर चला गया, तो पीड़िता ने महिला थाना लखीमपुर में आरोपी डॉक्टर मुनीफ के खिलाफ मु0अ0सं0 127/2025 (तहत धारा 69, 89, 115(2), 352, 351(3) BNS) के तहत संगीन धाराओं में केस दर्ज कराया था।जिसके पश्चात् जेल जाने के डर से घबराए डॉक्टर मुनीफ ने पीड़िता के सामने 'समझौते' का प्रस्ताव रखा। उसने बकायदा एक 'विवाह सहमति पत्र' (नोटरी) तैयार करवाया, जिसमें वादा किया गया कि केस बंद होते ही वह 3 महीने के भीतर निकाह कर लेगा।डॉक्टर के झांसे और वादे में आकर पीड़िता अदालत में अपने बयानों से मुकर गई। नतीजा यह हुआ कि जांच अधिकारी ने कोर्ट में फाइनल रिपोर्ट लगा दी और केस बंद हो गया। लेकिन केस बंद होते ही डॉक्टर अपने वादे से मुकर गया और निकाह करने से साफ मना कर दिया।

पीड़िता से पुनः हुई हैवानियत, कमरे में बंद कर किया 'बुरा काम'...!

पीड़िता के मुताबिक, जब उसने डॉक्टर पर शादी का दबाव बनाया, तो डॉक्टर ने अपना असली और खौफनाक रूप दिखाया।जब पीड़िता ने शादी की बात दोहराई, तो डॉक्टर मुनीफ ने उसे माँ-बहन की गंदी गालियां दीं।आरोप है कि डॉक्टर ने उसे जान से मारने की नीयत से कमरे में बंद कर दिया, उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और जबरन दुष्कर्म किया। डॉक्टर ने उसे सरेआम बेइज्जत करके भगा दिया और ऐलानिया धमकी दी कि वह अब किसी दूसरी महिला से निकाह करेगा और अगर पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देगा।

मुख्यमंत्री योगी और DGP तक पहुंची गूंज, बड़ी कार्रवाई की मांग...!

आरोपी डॉक्टर के इस दोहरे धोखे से आहत पीड़िता ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। उसने पुलिस अधीक्षक को पत्र सौंपकर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ तत्काल नई रिपोर्ट दर्ज करने और उसे सलाखों के पीछे भेजने की मांग की है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इस शिकायत पत्र की कॉपियां सीधे माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश (योगी आदित्यनाथ), पुलिस महानिदेशक (DGP) लखनऊ, जिलाधिकारी (DM) लखीमपुर और राज्य महिला आयोग को भी भेजी गई हैं। 'देखना यह होगा कि क्या लखीमपुर-खीरी पुलिस इस रसूखदार और शातिर डॉक्टर के खिलाफ तत्काल कड़ा एक्शन लेती है, या पीड़िता को इंसाफ के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा?

मोहर्रम को लेकर हैदराबाद थाना व अलीगंज चौकी पर हुई पीस कमेटी की बैठक

● ताजिया की ऊंचाई 10 फुट से अधिक न रखने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- मोहर्रम त्यौहार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर हैदराबाद थाना परिसर में व कोतवाली गोला की चौकी अलीगंज मे पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी ने की। इस अवसर पर थाना प्रभारी सुनील मलिक व पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी गोला प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह ने बैठक में मौजूद ताजियेदारों, धर्मगुरुओं और जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम का त्यौहार आपसी भाईचारे का प्रतीक है। सभी की जिम्मेदारी है कि त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ताजिया जमीन से 10 फुट से अधिक ऊंचा नहीं होना चाहिए। बैठक में ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों की समीक्षा की गई। रास्ते में पड़ने वाले बिजली के तारों व अन्य अवरोधों की जानकारी लेकर तत्काल निस्तारण के लिए टीम गठित की गई है। थाना प्रभारी ने कहा कि जुलूस के दौरान अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। इस अवसर पर क्षेत्र के तमाम ताजियेदार, जनप्रतिनिधि व संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

सी. डी. पी.ओ.,सुपरवाइजर, और कार्यकर्ती की कमाई का जरिया बनकर रह गई हाटकुक्ड योजना

● विकासखंड बांकेगंज की अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों पर नहीं बन रहा बच्चों को मिलने वाला पका पकाया पौष्टिक भोजन

फाइलो में दफन होकर रह गई सरकार की अति महत्वाकांक्षी हाटकुक्ड योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांकेगंज खीरी- मामला विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर 10 और 11, और ग्राम पंचायत जटपुरा, हरदुआ,खंजनपुर का बताया जाता है जहां पर संचालित दर्जनों आंगनबाड़ी केंद्रों पर हाटकुक्ड योजना के तहत मिलने वाला पका पकाया पौष्टिक भोजन बच्चों को नहीं मिल पा रहा है।जिससे केंद्र पर आने वाले बच्चों की संख्या में लगातार गिरावट हो रही है। सूत्र बताते हैं कि यह सारा खेल सी. डी. पी.ओ.,सुपरवाइजर,और आंगनबाड़ी कार्यकर्ती की मिलीभगत से होने की बात प्रकाश में आई है। बड़ा सबाल तो यह है कि अर्से से चल रहे इस भ्रस्टाचार के खेल की जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी को नहीं है । जमीनी पड़ताल में सामने आया कि ब्लॉक बांके गंज की अधिकांश आंगनबाड़ी केंद्रों पर भोजन बनता ही नहीं है जबकि सरकार द्वारा हर एक आंगनबाड़ी केंद्र को गैस, गैस चूल्हा, बर्तन, सामग्री और राशन सहित सभी चीजें मुहैया करायी जाती हैं इसके बावजूद बच्चों को भोजन नसीब नहीं हो पा रहा है। यह विभागीय उदासीनता है या बच्चों के हकों पर डाका? कई परिजनों ने हमारे संवाददाता को बताया कि सरकार.द्वारा मिलने वाली सामग्री आंगनबाड़ी कार्यकर्ती अपने घर उठा ले जाती है और निजी उपयोग में लेती देखी जा सकती है।नौनिहालों के हकों पर खुलेआम डाका डाला जा रहा है और जिम्मेदार चुप्पी साधे हुए हैं। ऐसा नहीं है कि सी. डी पी. ओ.और सुपर वाइजर सहित डी. पी. ओ.खीरी को पता नहीं है।सब कुछ जानने के बाद भी कोई कार्रवाई करने को तैयार दिखाई नहीं पड रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि जब सारा खेल मिलीभगत से हो रहा है तो कार्रवाई कौन करे। बच्चों को मिलने वाले भोजन पर जिम्मेदारों की लगी भ्रस्टाचार की नजर के चलते काफी बच्चों ने केंद्र पर जाना बंद कर दिया है।आंगनबाड़ी /बाल विकास परियोजना में व्याप्त भ्रष्टाचार की बात करें तो गर्भवती महिलाओं धतरी महिलाओं, किशोरियों, और बच्चों को मिलने वाला पौष्टिक आहार केवल पशु आहार बन कर रह गया है।लोगों का आरोप है कि अधिकांश साम्रगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा बेंच दिया जाता है और अपनी तिजोरी भरी जा रहीं हैं।

ऊपर तक पहुंच रहे कमाई द्वद्व हिस्सेदारी के चलते सभी मौन साधे बैठे हुए हैं।और सरकार की अति विशिष्ट योजना भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ती हुई नजर आ रहीं हैं यदि जिलाधिकारी खीरी कराए मामले की गोपनीय जांच तो जनपद के किसी भी केंद्र पर शायद ही भोजन बनता हो वरना सब गोलमाल ही है।निष्पक्ष जांच हुई तो बड़ा घोटाला निकल कर सामने आएगा और कई इमानदार लोग होंगे बेनकाब।जनहित और बच्चों के स्वास्थ्य के मद्देनजर मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई किया जाना अति आवश्यक है।

किसान ने रास्ते में भूमिगत पाइप डालने की मांगी अनुमति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- तहसील गोला मेंकृषि के दौरान एक किसान की सिंचाई संबंधी समस्या को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। अपनी कृषि भूमि तक पानी पहुंचाने के लिए भूमिगत पाइप डालने की अनुमति मांगने पहुंचे किसान के मामले में अधिवक्ताओं ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि एसडीएम ने मामले को अपने कार्यक्षेत्र से बाहर बताते हुए किसान को संबंधित विभाग में जाने की सलाह तो दी, लेकिन उसके आवेदन को संबंधित विभाग को अग्रसारित (फॉरवर्ड) तक नहीं किया।द्वजानकारी के अनुसार, ग्राम बग्घून (परगना मगदापुर) निवासी किसान बलविंदर सिंह ने संपूर्ण समाधान दिवस में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी लगभग डेढ़ एकड़ कृषि भूमि है। अब तक वह पड़ोसी किसानों के खेतों से अस्थाई पाइप बिछाकर अपने खेत की सिंचाई करता था, लेकिन अब पड़ोसियों द्वारा अनुमति न दिए जाने के कारण यह व्यवस्था बंद हो गई है। इससे उसकी फसलों की सिंचाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। किसान ने प्रशासन से सार्वजनिक रास्ते के किनारे भूमिगत प्लास्टिक पाइप डालने की अनुमति दिलाने की मांग की है, ताकि उसके खेत तक पानी पहुंच सके और फसलें सूखने से बच सकें।किसान की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता गौरव झा का आरोप है कि संपूर्ण समाधान दिवस में मामला प्रस्तुत किए जाने पर एसडीएम ने इसे अपने कार्यक्षेत्र से बाहर का विषय बता दिया। उन्होंने कहा कि यदि यह मामला किसी अन्य विभाग से संबंधित था, तो नियमानुसार आवेदन को संबंधित विभाग के लिए अग्रसारित कर दिया जाना चाहिए था, जिससे किसान को राहत मिलने की प्रक्रिया शुरू हो सकती थी।गौरव झा के अनुसार, उन्होंने और उनके साथ मौजूद अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी आवेदन को संबंधित विभाग के लिए अग्रसारित करने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें सीधे सिंचाई विभाग जाने की सलाह देकर टाल दिया गया। उनका कहना है कि संपूर्ण समाधान दिवस का मूल उद्देश्य ही लोगों की शिकायतों को सुनकर उन्हें संबंधित विभागों तक पहुंचाना और समाधान की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश गिरी, सूरज शुक्ला, अजीत सिंह सहित कई अन्य अधिवक्ता भी मौजूद थे।

प्रशासनिक पक्ष

इस मामले में एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी का पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल नंबर पर दो बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं, जिलाधिकारी खीरी के सीयूजी (CUG) नंबर पर संपर्क करने पर बताया गया कि जिलाधिकारी वर्तमान में जनपद से बाहर हैं और उनके स्थान पर मुख्य विकास अधिकारी (CDO) कार्यभार देख रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित

चुनार, मीरजापुर। संपूर्ण समाधान दिवस मे अपर जिलाधिकारी भू/ राजस्व देवेन्द्र प्रताप सिंह ने सुना फरियाद। समाधान दिवस में लोढवा जमालपुर निवासी धर्मध्वजा सिंह ने गाव निवासी राजदेव सिंह पर आरोप लगाया है की आराजी नंबर 347 जो नाला व तालाब की भूमि राजस्व माल मे दर्ज है वावजूद उक्त आराजी पर अतिक्रमण कर मुर्गा फार्म आदि बनाकर नाले व तालाब के अस्तित्व को समाप्त कर दिया है। अतिक्रमण मुक्त कराते हुए कार्यवाही का मांग किया है। हरिहरपुर जमालपुर निवासी अखिलेश सिंह ने मौजा धारा अन्तर्गत दबंगो द्वारा भिन्न भिन्न प्रयोजनो की सरकारी भूमि पर हरिहरपुर निवासी कल्लू सिंह ने सरकारी नाले को पाटकर अपने खेत मे मिला लिए है, आराजी नं0 9 रकबा पौनै दो विघा हनुमान मंदिर के भूमि का तीन फिट मिट्टी काट कर बेच दिया गया, आ0नं0 116 खलिहान की भूमि को कल्लू सिंह द्वारा बाउण्ड्रीवाल बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया, आ0नं083 खलिहान की भूमि व आ0नं0 7 खाद, गड्ढा के भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया इसी के साथ आ0नं97 रास्ते की भूमि को भी दबंगो द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है अतिक्रमण मूक्त कराते हुए कार्यवाही किये जाने का मांग किया है। भौरही गांव निवासी नागेन्द्र सिंह ने गाँव निवासी देवेन्द्र सिंह पर आरोप लगाया है कि प्रार्थी का दस विस्वा पुस्तैनी भूमि गाँव मे मौजूद है जिसका आ0नं0 388 मि मेरे भूमि से सटा है उक्त सरहंग ब्यक्ती द्वारा मेरे भूमि को अपने भूमि मे मिलाकर जबरन कब्जा किया जा रहा है।कुल 147 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमे से 02 प्रार्थना पत्र का निस्तारण मौके पर कर दिया गया शेष संबंधित को पारदर्शिता पूर्ण जांच कर समय सीमा मे निस्तारण के लिए दिया गया। इसदौरान तहसीलदार इवेन्द्र सिंह, नायब तहसीलदार संजय, अजीत सिंह, ज्योति सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहें।

वामसार्थी कार्यक्रम के अंतर्गत मेधावी छात्र-छात्राओं को ,अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित 'वामसार्थी कार्यक्रम' के अंतर्गत पुलिस परिवार के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज दिनांक 06.06.2026 को रिजर्व पुलिस लाइन ज्ञानपुर में मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में 90 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले पुलिस विभाग में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को शुभम अग्रवालअपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन में सफलता का सबसे सशक्त माध्यम है तथा विद्यार्थियों की यह उपलब्धि पूरे पुलिस परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार लगन, अनुशासन एवं परिश्रम के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

संकट मोचन मंदिर में हनुमान जी हुआ वार्षिक श्रृंगार

सुंदर कांड पाठ के पश्चात हुआ प्रसाद वितरण

चुनार, मीरजापुर। नगर के गंगेश्वर नाथ इलाहाबाद बैंक के सामने गली में स्थित प्राचीन संकट मोचन मंदिर में शुक्रवार को सायं हनुमान जी का श्रृंगार व सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर कोमल कुशवाहा ,देव कृष्ण तिवारी,श्रवण कुमार सेठ, प्रियंबदा सिंह,सरिता सिंह,पंकज चौरसिया, मुन्ना बिंद,राकेश कुमार गुप्ता, ।मयंक सिंह सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चौरी पुलिस टीम द्वारा 17 वर्षीय बालक का निजी चिकित्सकों द्वारा लापरवाही पूर्वक इलाज के दौरान मृत्यु

● मृत्यु होने के प्रकरण में गैर इरादतन हत्या के 02 अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस एवं चिकित्सीय टीम द्वारा संयुक्त रूप से क्लीनिक की वैधता, आरोपी चिकित्सक की पात्रता एवं लापरवाही पूर्वक किए गए उपचार व दवा की जांच की जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

थाना चौरी क्षेत्रान्तर्गत दिनांक 02 जून 2026 को लगभग 2.00 बजे निजी चिकित्सकों द्वारा लापरवाही पूर्वक उपचार के दौरान 17 वर्षीय बालक पिंटू धीवर पुत्र गुलाब धीवर निवासी ग्राम वेदमनपुर, थाना चौरी, जनपद भदोही की मृत्यु हो गई। परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0-81/2026 धारा-105 बीएनएस थाना चौरी, जनपद भदोही पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई। अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु दिए गए निर्देशों के क्रम में आज दिनांक 06.06.2026 को शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में चौरी पुलिस टीम द्वारा विवेचना के दौरान प्रकाश में आए अभियुक्त इरफान मंसूरी पुत्र जमशेद अख्तर निवासी कोल्हण, थाना चौरी, जनपद भदोही तथा बाला जी क्लीनिक के संचालक आशीष मौर्य पुत्र शिवलोचन मौर्य निवासी चौरी खास, थाना चौरी, जनपद भदोही को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उपरोक्त दोनों आरोपियों द्वारा घायल बालक का लापरवाहीपूर्वक उपचार किया गया, जिसके फलस्वरूप उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। उक्त दोनों अभियुक्तों को चौरी हनुमान मंदिर के पास से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। चिकित्सीय टीम द्वारा क्लीनिक की वैधता, चिकित्सक की पात्रता और उसके द्वारा किये उपचार और दवा की जांच की जा रही है।

जनपद भदोही में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले तीन पुलिस उपाधीक्षक को भावभीनी विदाई, पुलिस परिवार द्वारा उनके कार्यों की गई सराहना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जनपद में अपनी कर्तव्यनिष्ठा, सूझबूझ और उत्कृष्ट कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जाने जाने वाले तीन पुलिस उपाधीक्षकों का अन्यत्र स्थानांतरण होने पर पुलिस विभाग/भदोही पुलिस द्वारा ज्ञानपुर स्थित पुलिस लाइन सभागार में एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह के दौरान स्थानांतरित होने वाले अधिकारियों के कार्यकाल की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। वक्ताओं ने बताया कि इन अधिकारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान जनपद में अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था बनाए रखने और आमजन में पुलिस की छवि को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 1.श्री अशोक कुमार मिश्रा, क्षेत्राधिकारी भदोही 2. श्री प्रभात राय, क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर 3.श्री विश्वज्योति राय, पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर अभिनव त्यागी,पुलिस अधीक्षक भदोही एवं शुभम अग्रवाल,*अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा स्थानांतरित अधिकारियों को स्मृति चिन्ह/पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि इन अधिकारियों का जाना जनपद के लिए एक क्षति है, परंतु स्थानांतरण शासकीय सेवा का एक अभिन्न अंग है। इनकी कार्यशैली और अनुभव से नया विभाग और वहां की जनता निश्चित ही लाभान्वित होगी।' विदाई समारोह में उपस्थित अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में स्थानांतरित अधिकारियों ने अपने संबोधन में जनपद भदोही की जनता, मीडिया और पुलिस टीम से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस गरिमामयी विदाई समारोह में सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और पुलिस कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जून की तपिश से बेहाल श्रीदत्तगंज उतरौला, सड़कों पर पसरा सन्नाटा, अस्पतालों में बढ़े लू के मरीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीदत्तगंज, (बलरामपुर) जून माह की शुरुआत के साथ ही उतरौला तहसील क्षेत्र भीषण गर्मी और उमस की चपेट में है। सुबह सूर्योदय होते ही तेज धूप लोगों को झुलसाने लगती है और दोपहर तक स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। गर्म हवाओं और उमस भरे मौसम ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है।

बाजारों पर भी पड़ा असरः तेज धूप और बढ़ते तापमान का असर स्थानीय बाजारों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। दोपहर के समय ग्राहकों की संख्या कम हो जाने से व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों का कहना है कि सुबह और शाम के समय कुछ चहल-पहल रहती है, लेकिन दोपहर में अधिकांश सड़कें और बाजार सूने दिखाई देते हैं। लोग आवश्यक कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

अस्पतालों में बढ़े मरीजः अधीक्षक डा0 आनन्द

भीषण गर्मी का सबसे अधिक प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीदत्तगंज सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में गर्मी से संबंधित बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, बुखार, उल्टी-दस्त, चक्कर आने, कमजोरी तथा लू लगने जैसी शिकायतों के साथ मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

डॉक्टर की सलाहः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीदत्तगंज के अधीक्षक डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान समय में गर्मी और उमस के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचना चाहिए। यदि बाहर जाना आवश्यक हो तो सिर को कपड़े या टोपी से ढककर निकलें तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि गर्मी के मौसम में शरीर में पानी की कमी होने का खतरा अधिक रहता है। इसलिए लोगों को ओआरएस घोल, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि छोटे बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की गंभीर परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

स्वास्थ्य विभाग सतर्कः अधीक्षक डाक्टर आनंद प्रकाश त्रिपाठी

मौसम की इस स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क है। अस्पतालों में आवश्यक दवाओं और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है ताकि गर्मी से प्रभावित मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

बारिश का इंतजारः क्षेत्र के नागरिकों अनूप मिश्रा अतुल कुमार मिश्रा कृपा शंकर त्रिपाठी का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि और उमस के कारण दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है। लोग अब मानसून की पहली बारिश का इंतजार कर रहे हैं, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते तापमान के बीच सावधानी और सतर्कता ही लू एवं गर्मी जनित बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

भाभी के साथ अवैध संबंधो के चलते देवर ने की थी हत्याः लालगंज थाना क्षेत्र में मिले शव का मामला

● लालगंज में नग्न अवस्था में मिले क्षेत्र पंचायत सदस्य की हत्या का खुलासा, एक आरोपी हत्या में और महिला साक्ष्य मिटाने के आरोप में गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के थाना लालगंज क्षेत्र में नग्न अवस्था में मिले क्षेत्र पंचायत सदस्य के शव के मामले का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए हत्या के मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना लालगंज पुलिस और एसओजी टीम की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर मृतक का मोबाइल फोन, कपड़े तथा आरोपियों के दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। क्षेत्राधिकारी रुधौली कुलदीप यादव ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि थाना लालगंज पर दर्ज मुकदमा संख्या 144/2026 धारा 103(1) बीएनएस की विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर मामले का खुलासा किया गया। पुलिस ने वंश बहादुर यादव पुत्र स्व. लालमन यादव 26 वर्ष निवासी भैसहिया, थाना कोतवाली, जनपद बस्ती को गौराघाट कुआनों नदी पुल के पास से गिरफ्तार किया। वहीं पूनम यादव पत्नी जंग बहादुर यादव निवासी ग्राम भैसहिया, थाना कोतवाली, जनपद बस्ती उम्र लगभग 36 वर्ष को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक मदन जायसवाल पुत्र राम अवतार जायसवाल, जो क्षेत्र पंचायत सदस्य था, का पूनम यादव से संपर्क था। इसी बात को लेकर पूनम का देवर वंश बहादुर यादव नाराज रहता था और उसने कई बार इस संबंध में आपत्ति भी जताई थी उसके बाद भी आरोपी के भाभी और मृतक के बीच मिलना जुलना जारी रहा, जिसके कारण नाराज होकर आरोपी द्वारा मदन जायसवाल की हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन वंश बहादुर यादव ने मृतक का पीछा किया और लालगंज थाना क्षेत्र में उसे रोककर मारपीट की। मारपीट के दौरान किए गए हमले से मदन जायसवाल की मौत हो गई। विवेचना के दौरान यह भी सामने आया कि घटना के बाद पूनम यादव द्वारा मामले से जुड़े साक्ष्यों को छिपाने और मोबाइल फोन को तोड़ दिए जाने के कारण पुलिस द्वारा पूनम यादव को साक्ष्य मिटाने और जांच को प्रभावित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर मृतक का मोबाइल फोन, कपड़े तथा आरोपियों के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 309(4), 317(2) और 238 बीएनएस की बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। मामले के सफल खुलासे में प्रभारी निरीक्षक लालगंज विनय कुमार पाठक, प्रभारी एसओजी विकास यादव, उपनिरीक्षक मोहन लाल चौधरी, देवव्रत शर्मा, मुख्य आरक्षी इरशाद खान, मुख्य आरक्षी अभय, आरक्षी शिवम, विजय यादव, चंदन विजय, अरविन्द दुबे, अरविन्द चौहान, दीपक कुमार, महिला आरक्षी स्नेहा तिवारी एवं सौम्या पाण्डेय सहित थाना लालगंज और एसओजी की संयुक्त टीम शामिल रही। मामले के सफल अनावरण पर पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने गिरफ्तार करने वाली टीम को 10 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है।

जिलाधिकारी ने तहसील दिवस पर सुना फरियादियों की समस्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। संपूर्ण समाधान दिवस तहसील सभागार में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के अध्यक्षता में संपन्न हुआ।फरियादियों द्वारा कुल 83 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें तीन प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष बचे ही प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस टीम गठित कर निस्तारित करने का आदेश दिया गया। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार में टीम को सख्त हिदायत किया कि मौके पर जाकर फरियादी के समक्ष मामले को निस्तारित करते हुए समय के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। फरियादी पूरा काशी नाथ निवासी रणधीर पुत्र सहदेव ने पत्र देकर याचना किया कि पक्की पैमाइश पुष्टि होने के बाद पत्थर उखाड़ कर जबरन खेत जोत लेने के संबंध में जिसमें राजस्व निरीक्षक को निर्देशित किया गया ।बडगडा ग्राम निवासी आराजी नंबर 91 की सरसरी नाप कराकर लालगंज हलिया मार्ग का सीमांकन कराए जाने के संबंध में जिसमें राजस्व निरीक्षक को निर्देशित किया गया। कोटा शिव प्रताप निवासी गुलाबचंद पुत्र जगदेव ने पत्र देकर कहा कि तहसीलदार लालगंज द्वारा बेदखली आदेश होने के बाद राजस्व निरीक्षक द्वारा अनुपालन न कराये जाने की संबंध में एसडीएम लालगंज को निर्देशित किया गया। महुगढ निवासी कैलाश पुत्र गंगा ने पत्र देकर कहा कि आंधी तूफान में पीपल का पेड़ हमारे घर पर गिरने से मेरी पत्नी एवं लड़की को गंभीर चोट लगने से बावत सरकारी सहयोग किया जाने के संबंध में एसडीएम लालगंज को निर्देशित किया गया। बसाईपुर निवासी राजकली पत्नी कमला शंकर ने पत्र देकर कहा कि अपनी भूमि की पैमाइश किए जाने के बावत याचना की गई। समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने गठित टीम को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादियों की समस्या शासन के मंशा अनुरूप मौके पर जाकर दो गवाहों के समक्ष फरियादी की समस्या निस्तारण करते हुए समय के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। कहा कि किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, तहसीलदार दीक्षा पांडे ,ए सो सी अशोक कुमार तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक अमर बहादुर, नायब तहसीलदार प्रताप नारायण ओझा व राजीव यादव समेत संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पूर्ण समाधान तहसील ज्ञानपुर में डीएम व एसपी ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर किया निस्तारण

●ज्ञानपुर, भदोही व औराई तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस, कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण

●शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही- शासन के मंशानुरूप जनशिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील ज्ञानपुर में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी, सीएमओ डॉ संतोष कुमार चक, उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर भानसिंह, तहसील औराई में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 शुभांगी शुक्ला, उप जिलाधिकारी अरुण गिरि अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फ़रियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुन कर निस्तारण किया गया। सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में लगायें गये विभिन्न कैम्पो- बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्ययन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये। तहसील ज्ञानपुर में डीएम व एसपी ने निरीक्षण करते हुयें उनके द्वारा लाभार्थियों को दी जाने वाली योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न विभागो से सम्बन्धित तहसील ज्ञानपुर में फरियादियो के द्वारा कुल 37 समस्याओ से अवगत कराया गया। जिसमें से जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा 04 प्रार्थना पत्रो को मौके पर ही निस्तारित करते हुये शेष 33 प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित विभाग के अधिकारियो को निर्धारित समय सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कई मामलों में शिकायतकर्ताओं की संतोषजनक आख्या प्राप्त नहीं हो रही है, जिसके कारण प्रकरणों को पुनः विस्तारित जांच हेतु संबंधित अधिकारियों को वापस भेजा जा रहा है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि न्यायालय में विचाराधीन मामलों को छोड़कर शेष शिकायतों का निस्तारण आपसी सहमति, निष्पक्ष जांच एवं तथ्यों के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि जांच आख्या विस्तृत, तथ्यपरक एवं स्पष्ट होनी चाहिए ताकि शिकायतकर्ता को न्याय मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को एआई टूल्स के माध्यम से बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण ड्राफ्टिंग तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी एडीओ पंचायत, तहसील के लेखपालों एवं संबंधित कर्मचारियों को संवेदनशील बनाते हुए रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में सुधार लाने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जांच के दौरान संबंधित शिकायतकर्ता के साथ मौके पर जाकर जीपीएस आधारित फोटो अनिवार्य रूप से अपलोड की जाए, जिससे जांच की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी कार्यशैली में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा शिकायतों के निस्तारण में उदासीनता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने कहा कि राजस्व संबंधित मामलों में कानूनगो ,लेखपाल व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण, सत्यापन कर एक हफ्ते के अन्दर निस्तारण करने का निर्देश दिया। संयुक्त टीम मौके पर जाकर दोनो पक्षों व गवाहों के साक्ष्य लेते हुए स्पॉट नोट तैयार कर उसपर हस्ताक्षर कराये। उन्होंने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि जो मामले या विवाद बार-बार आ रहे है, उनकी सूची बनाकर पुलिस के साथ मिलकर मामले का निस्तारण करना सुनिश्चित करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तीनों तहसील में उपर्युक्त अधिकारियों द्वारा कुछ फरियादियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करते हुए शेष निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस तहसील भदोही में प्राप्त कुल 36 शिकायतों में 07 का त्वरित निस्तारण, तहसील औराई में कुल प्राप्त 44 शिकायतों में से 06 का त्वरित निस्तारण किया गया।

सीएम योगी के जन्मोत्सव पर 'रक्तक्रांति', तपसी धाम में उमड़ा आस्था और राष्ट्र सेवा का महासमंदर

● न गाजे-बाजे का शोर, न फिजूलखर्ची; 250 'रक्तवीरों' ने लहू दान कर मनाया गोरक्षपीठाधीश्वर का जन्मदिन

● विश्व हिंदू महासंघ का त्रिदिवसीय अनुष्ठान शुरू, संतों की तपस्थली पर खाकी, खादी और जनशक्ति का अद्भुत समागम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरैया बस्ती- डीआईजी, एसपी और प्रदेश महामंत्री ने कहा मानव सेवा का यह बस्ती मॉडल पूरे प्रदेश के लिए बनेगा नजीर । जब संकल्प में प्रामाणिकता और नेतृत्व में निष्ठा हो, तो आयोजन इतिहास बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ ऐतिहासिक नजारा पौराणिक और संतों की पावन तपोभूमि तपसी धाम में देखने को मिला। सूबे के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मोत्सव को विश्व हिंदू महासंघ ने किसी पारंपरिक उत्सव की तरह नहीं, बल्कि एक महा-संकल्प के रूप में धरातल पर उतारा। विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता और तपसी धाम के पूज्य महंत जय बक्श दास जी महाराज के दिव्य संरक्षण में शुरू हुए तीन दिवसीय महामहोत्सव के पहले ही दिन 250 युवाओं और समाजसेवियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों की टीम भी युवाओं के इस अभूतपूर्व उत्साह को देखकर दंग रह गई, जहाँ लोग कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीआईजी परिक्षेत्र बस्ती, विशिष्ट तपसी धाम के महंत जय बक्स दास, हरैया के विधायक अजय सिंह , विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना और महंत जय बक्स दास ने संयुक्त रूप से भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। रक्तदान शिविर का अवलोकन करने पहुंचे जिले के आला प्रशासनिक अधिकारियों ने इस मानवीय पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। डीआईजी और एसपी बस्ती ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र सौंपते हुए कहा, अक्सर जन्मदिन के आयोजनों में हो-हल्ला और तामझाम देखने को मिलता है, लेकिन पूज्य महाराज जी के जन्मदिन पर बस्ती के युवाओं ने जो सेवा का मार्ग चुना है, वह अनुकरणीय है। यह रक्त न जाने कितने असहाय और बीमार लोगों की रगों में दौड़कर उन्हें नया जीवन देगा। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री श्री दिग्विजय सिंह राना ने लखनऊ से विशेष तौर पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन ही राष्ट्र और सनातन को समर्पित है, उनके जन्मदिन पर इससे सुंदर उपहार कुछ और नहीं हो सकता। इस विशाल आयोजन की सफलता के पीछे विश्व हिंदू महासंघ और सनातन रक्षा वाहिनी की महीनों की सूक्ष्म प्लानिंग और ग्राउंड वर्क साफ दिखाई दिया। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी और सनातन रक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव ने सुबह से ही मोर्चा संभाल रखा था। बालकृष्ण सिंह बबलू, सौरभ चतुर्वेदी, अमरजीत सिंह, विजय शंकर शुक्ला और सुनील मिश्रा ने आगंतुकों की अगवानी और भोजन-पानी की व्यवस्था संभाली। राजकुमार उर्फ मंटू चौधरी, अंकित सिंह, समर प्रताप सिंह, शिवम त्रिपाठी, रत्नेश पाल, महेश हिंदुस्तानी, सतीश पांडे 'पप्पू', अर्पण श्रीवास्तव और उज्जवल सिंह ने यह सुनिश्चित किया कि भीषण गर्मी के बावजूद किसी भी रक्तदाता को कोई असुविधा न हो। देर शाम तक गूंजते रहे राष्ट्रभक्ति के तराने जैसे-जैसे सूरज ढल रहा था, तपसी धाम का माहौल और अधिक आध्यात्मिक और ऊर्जावान होता जा रहा था। सूरज श्रीवास्तव, सौरभ गुप्ता, रूपनारायण गौड़, अभय चौधरी, राजन सिंह, रवि शुक्ला, प्रिंस जायसवाल, राकेश सिंह, विपिन सिंह, परमानंद गुप्ता और शैलेंद्र सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूरे परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता और अनुशासन को बनाए रखा। पूरा तपसी धाम परिसर 'जय श्रीराम' और 'महायोगी आदित्यनाथ अमर रहें' के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान रहा। यह तो सिर्फ ट्रेलर है, अगले दो दिन बस्ती देखेगी भव्यता आयोजन की सफलता से गदगद विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मंच से घोषणा की कि आज पहले दिन बस्ती के युवाओं ने 250 यूनिट रक्तदान करके इतिहास रचा है। लेकिन यह महोत्सव यहीं नहीं रुकने वाला है। यह तीन दिवसीय अनुष्ठान है। अगले दो दिनों में तपसी धाम की पावन धरती पर अखंड रामायण पाठ, महाआरती, सुंदरकांड और एक विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें पूरा बस्ती जनपद आमंत्रित है। इस आयोजन की भव्यता तब और बढ़ गई जब पूनम सिंह, कंचन विश्वकर्मा, अनुसूया पांडे और आरती देवी के नेतृत्व में महिलाओं की भारी टोली तपसी धाम पहुंची। केवल पुरुषों ने ही नहीं, बल्कि इन महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी रक्तदान कर समाज को यह संदेश दिया कि राष्ट्र सेवा में आधी आबादी किसी से पीछे नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

चंद्रशेखर आजाद सेतु पर बस और डंपर डिवाइडर से टकराए, कई यात्री घायल

प्रयागराज। थाना फाफामऊ क्षेत्र स्थित चंद्रशेखर आजाद सेतु (फाफामऊ पुल) के समीप शनिवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार टूरिस्ट बस और डंपर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गए, जिससे बस में सवार करीब 5 से 7 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फाफामऊ स्थित कर्जन ब्रिज (चंद्रशेखर आजाद सेतु) के पहले अचानक बस और डंपर का संतुलन बिगड़ गया। दोनों वाहन डिवाइडर से जा टकराए, जिससे बस में बैठे यात्रियों को झटका लगा और कई लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना फाफामऊ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहन से बाहर निकाला गया तथा उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। घायलों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे के बाद पुल और आसपास के मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारु कराया।

शास्त्री पुल पर शुरू हुआ मरम्मत कार्य, 43 दिन तक यातायात रहेगा प्रभावित

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज को झूंसी और वाराणसी मार्ग से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण शास्त्री पुल पर मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य शुरू कर दिया गया है। पुल की संरचनात्मक मजबूती बनाए रखने और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन द्वारा पुल की एक लेन को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। मरम्मत कार्य के चलते आगामी 43 दिनों तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रहेगी। लोक निर्माण विभाग और संबंधित एजेंसियों की निगरानी में चल रहे इस कार्य के दौरान पुल के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत, जोड़ों (एक्सपेंशन जॉइंट) का प्रतिस्थापन तथा सड़क की सतह को दुरुस्त किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पुल की एक लेन बंद होने के कारण दोनों ओर वाहनों की आवाजाही नियंत्रित तरीके से कराई जा रही है। इससे सुबह और शाम के व्यस्त समय में जाम की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है। प्रशासन ने वाहन चालकों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

प्रयागराज के चंद्रशेखर आजाद पार्क आने वालों को सुविधा

टिकट QR Code से ऑनलाइन भुगतान कर खरीदें; फुटकर की समस्या खत्म

प्रयागराज। शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क की सैर करना चाहते हैं, लेकिन टिकट लेने के लिए छुट्टे यानी फुटकर पैसे नहीं हैं तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। फुटकर पैसे के लिए प्रतिदिन पर्यटक और स्थानीय निवासियों को दुकानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब क्यूआर कोड से ऑनलाइन भुगतान करके भी टिकट ले सकते हैं। राजकीय उद्यान विभाग का आजाद पार्क शहर का सबसे महत्वपूर्ण पार्क माना जाता है। सुबह से लेकर शाम तक यहां प्रतिदिन करीब 10 हजार लोग घूमने आते हैं। इनमें लगभग दो से ढाई हजार लोग ऐसे हैं, जो नियमित यहां मार्निंग व इवनिंग वाक पर आते हैं। इन्होंने अपना पास बनवा रखा है। वहीं पर्यटकों व अन्य लोगों के लिए पांच रुपये प्रति व्यक्ति टिकट का शुल्क निर्धारित है। अक्सर ऐसा होता है जब लोगों के पास 100, 200 या 500 की नोट रहती है। एक या दो लोगों के टिकट लेने पर छुट्टे पैसे की समस्या खड़ी हो जाती है। पार्क के हर गेट पर दिन भर में कमी संख्या में लोग फुटकर कराने के लिए इधर-उधर परेशान होते हैं।लोगों की समस्याओं के मद्देनजर उद्यान विभाग की तरफ से क्यूआर कोर्ड से ऑनलाइन भुगतान की सुविधा लोगों को दी गई है। इस संबंध में उद्यान अधीक्षक जगदीश प्रसाद ने बताया कि सभी गेट के टिकट काउंटर पर क्यूआर कोड लगा दिया गया है। लोग इसके माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं।

'कमजोर फॉरेंसिक जांच के कारण मजबूरी में देनी पड़ रही है आरोपियों को जमानत'

● Alhahabad उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की फॉरेंसिक जांच व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि राज्य की फॉरेंसिक लैब (FSL) में सुविधाओं की भारी कमी के कारण रेप और हत्या जैसे गंभीर अपराधों की जांच प्रभावित हो रही है। इससे कई मामलों में सही न्याय नहीं मिल पा रहा है।

एटा जिले में नवंबर 2025 का एक संवेदनशील मामला हाईकोर्ट के सामने आया। एक महिला के साथ कथित तौर पर रेप किया गया और फिर उसकी हत्या कर दी गई। महिला का शव नदी के किनारे मिला था। पुलिस ने एक युवक को आरोपी बनाया, लेकिन हाईकोर्ट ने उसे जमानत दे दी। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने जमानत देते हुए कहा, 'अदालत भारी मन से और मजबूरी में आरोपी को जमानत दे रही है।' मुख्य कारण यह था कि फॉरेंसिक रिपोर्ट में आरोपी का डीएनए पीड़िता के शरीर से लिए गए नमूनों (वजाइनल स्वैब) से मैच नहीं कर पाया। डीएनए प्रोफाइल अधूरा और कमजोर था, जिससे आरोपी को अपराध से सीधे जोड़ा नहीं जा सका। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसे कई मामले अदालत के सामने आ चुके हैं, जहां रेप-मर्डर के आरोप में डीएनए जांच रिपोर्ट कमजोर होने के कारण आरोपी को जमानत मिल जाती है। कोर्ट ने बताया कि कई बार नमूने जांच के लिए भेजे जाते हैं, लेकिन फॉरेंसिक लैब में आधुनिक उपकरण न होने और स्टाफ की कमी के कारण पूरा डीएनए प्रोफाइल तैयार नहीं हो पाता। न्यायमूर्ति देशवाल ने कहा कि फॉरेंसिक साक्ष्य आपराधिक न्याय व्यवस्था का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर ये कमजोर होंगे तो गंभीर अपराधों में दोषियों को सजा दिलाना मुश्किल हो जाएगा। अदालत ने राज्य सरकार की जिम्मेदारी याद दिलाई कि उसे फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं को आधुनिक बनाना चाहिए। पुरानी मशीनें, कर्मचारियों की कमी और अपर्याप्त बुनियादी ढांचा न्याय प्रक्रिया को कमजोर कर रहा है। कोर्ट ने एक पुराने मामले का भी हवाला दिया, जिसमें पूर्व एफएसएल के निदेशक ने खुद स्वीकार किया था कि राज्य की कई लैब्स में आधुनिक डीएनए जांच उपकरण नहीं हैं। बचाव पक्ष ने कहा कि आरोपी का नाम शुरू में एफआईआर में नहीं था। बाद में गवाहों के बयान के आधार पर उसे शामिल किया गया। आरोपी नवंबर 2025 से जेल में था और उसका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जमानत केवल इस सुनवाई तक सीमित है और मुकदमे के अंतिम फैसले पर इसका असर नहीं पड़ेगा। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में रजिस्ट्रार को निर्देश दिया कि इस फैसले की प्रति उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को भेजी जाए, ताकि इसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में लाया जा सके।

प्रयागराज में कोचिंग संचालक के भाई की संदिग्ध दशा में मौत, पार्क में टहलने गए थे...मिली लाश

प्रयागराज। शहर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में स्थित एक कोचिंग संचालक के भाई की संदिग्ध दशा में मौत हो गई। वह पार्क में टहलने गए थे, वहीं उनकी लाश मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। बताया गया है कि कर्नलगंज थाना क्षेत्र के डायमंड जुबली हॉस्टल के पास रहने वाले 45 वर्षीय सौरभ शुक्ला की बहन कोचिंग चलाती हैं। इसी कोचिंग का सौरभ देखरेख करते थे। बताया जाता है कि शनिवार को घर के पास स्थित तिकोनिया पार्क में टहलने गए थे। इसके बाद संदिग्ध दशा में मौत हो गई। बाग में सौरभ का शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। इसके बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। सौरभ की मौत से परिवार में मातम छाया है।

14 वर्षीय किशोरी को जिंदा जलाने का आरोप

● चाचा-चाची समेत चार पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। यहां 14 वर्षीय एक किशोरी को कथित रूप से मिट्टी का तेल छिड़ककर जिंदा जलाने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से झुलसी किशोरी का उपचार अस्पताल में चल रहा है। होश में आने के बाद दिए गए उसके बयान के आधार पर पुलिस ने चाचा, चाची समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित किशोरी के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। माता-पिता की मृत्यु के बाद वह अपने चाचा-चाची के साथ रह रही थी। अस्पताल में पुलिस को दिए गए बयान में किशोरी ने आरोप लगाया कि उसका चाचा लंबे समय से उसके साथ गलत हरकतें करता था और विरोध करने पर उसे प्रताड़ित करता था। किशोरी का कहना है कि जब उसने आरोपी की हरकतों का विरोध किया और इसका विरोध जताया तो आरोपी ने उसके ऊपर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। पीड़िता ने अपने बयान में यह भी आरोप लगाया कि घटना के दौरान उसकी चाची ने भी आरोपी का सहयोग किया। आग की चपेट में आने से किशोरी गंभीर रूप से झुलस गई, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पीड़िता का बयान दर्ज किया। इसके बाद पीड़िता के भाई द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर चाचा, चाची सहित चार लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। पीड़िता के बयान, चिकित्सकीय रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

उपमुख्यमंत्री शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं प्रान्तीय अधिवेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हुए सम्मिलित

● विद्यालयों के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोईयां व अन्य स्टाफ को सरकार के द्वारा उपलब्ध करायी गयी है कैशलेश चिकित्सा की सुविधा- केसव मौर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को जिला पंचायत सभागार में संयुक्त समायोजित शिक्षक संघ द्वारा आयोजित शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी एवं प्रान्तीय अधिवेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि शिक्षित भारत बनाने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भागीदारी है। सरकार के द्वारा आपकी जायज मांगों को पूरा कराने का हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोईयां को कैशलेश चिकित्सा की सुविधा भी प्रदान की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी का दायित्व बड़ा है, बच्चों को पढ़ाने व आगे बढ़ाने के साथ ही कई अन्य महत्वपूर्ण शासकीय कार्यों को सम्पादित कराने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2017 से पूर्व के स्कूलों की व्यवस्थाओं तथा अब के स्कूलों में आपरेशन कायाकल्प योजना के तहत उपलब्ध व्यवस्थाओं में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज देश व प्रदेश हर विद्यालयों में राष्ट्रीय स्वच्छ मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण सुनिश्चित कराया गया है, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। डबल इंजन की सरकार हर क्षेत्र में विकास के कार्य को तेजी से आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में गरीबों को पक्का मकान, गैस कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, विद्युत कनेक्शन सहित अन्य कई सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ ही आगे कोई पात्र व्यक्ति इन योजनाओं के लाभ से वंचित न हो, इसे भी सुनिश्चित करने का काम किया जा रहा है। प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, रोजगार व अन्य क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के पारदर्शित के साथ सभी के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के साथ सभी वर्गों के लिए कार्य हो रहा है। इस अवसर पर सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के सिंह ने भी कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को सम्बोधित किया। इस अवसर पर विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्य, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधान परिषद सदस्य डॉ0 के0पी0 श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष स्सं जय गुप्ता व अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा जिला विद्यालय निरीक्षक पी0एन0 सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण, प्रदेश के विभिन्न स्कूलों से आये शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

मौसम परिवर्तन जल की कमी मिट्टी का कटाव परिवेश में हमारे किसान

● कृषि पर संकट बढ़ रहा है, कृषि वैज्ञानिक प्रोफेसर प्यारेलाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। हिमाचल प्रदेश में राजकीय कृषि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे डॉक्टर अशोक कुमार प्यारेलाल ने कहा है कि मौसम परिवर्तन जल की कमी मिट्टी का कटाव परिवेश में हमारे किसान और किसी पर संकट बढ़ रहा है। लगातार जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के मध्य नजर कृषि पर इसका क्या असर पड़ेगा इस संबंध में उन्होंने इलाहाबाद ब्यूरो के प्रमुख दयाशंकर त्रिपाठी से विस्तार से बातचीत की जिस पर उन्होंने कृषि पर पड़ने वाले दुष्परिणाम के कई कारण बताएं। उन्होंने कहा की जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण वनों की कटाई और जैव विविधता का ह्रास जैसी पर्यावरणीय चुनौतियां अब दूर की समस्या नहीं रही यह सब सीधे हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर रही हैंजैसे अत्यधिक मौसम परिवर्तन जल की कमी मिट्टी का कटाव और घटती वायु गुणवत्ता।ऐसे परिवेश में हमारे किसान और कृषि पर संकट बढ़ता जा रहा है। मौसम के बदलते तेवर से किसानों बागवानो को जहां बहुत अधिक लाभ नहीं होने वाला है। वहीं दूसरी तरफ इस साल का मानसून आम जनता को भी परेशान करेगा। एक अनुमान के अनुसार इस साल सामान्य से कम वर्षा होगी और साथ में अल नीनो का प्रभाव बहुत खतरनाक होगा सूखा और गर्मी बढ़ेगी जिसके कारण खरीफ की फसलों का उत्पादन काम होगा विशेष तौर पर उन क्षेत्रों में जहां फसलों की सिंचाई की सुविधा नही है वहां पर बिजाई देर से होगी।और उत्पादन भी कम होगा।और देश में महंगाई बढ़ेगी। आमदनी पिछले साल की अपेक्षा इस साल कम हहोगी। आज विश्व का हर देश ईरान इजरायल अमेरिका युद्ध से भयंकर महंगाई के मोहाने पर खड़ा हो गया है। परन्तु युद्ध लड़ने वालों को मौसम मानसून महंगाई और जनता से सरोकार नहीं है। बस अपने को शक्तिशाली दिखाने की होड़ विश्व पटल पर लगी है कि मैं महान विजेता हूं इस युद्ध से भारत भी बहुत बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है।देश में महंगाई बढ़ रही है ऊर्जा का दाम बढ़ रहा है।तो वहीं पर यह मानसून भारत पर अलग तरह से कहर बरपाने का संकेत देकर भारत की गरीब जनता को और गरीबी में जीने के लिए मजबूर कर रहा है भारत को तीन तरफ से मार पड़ेगा।खराब मानूसन खाद की कमी और ऊर्जा।भले टी वी डिबेट पर सरकार के समर्थक लोग आंकड़ों के जाल में जनता को फंसाते रहे परन्तु सच्चाई इन आंकड़ों से इतर है। युद्ध कब तक चलेगा यह अगस्त या आगे तक भी चल सकता है फिर देश में नोट बन्दी की तरह हर चीज पर प्रतिबंध जैसे बैंकों से कम रुपया निकालना तेल गैस पर प्रतिबंध हर चीज का सीमित उपयोग।आदि क ई तरह के उपाय करने पड़ सकते हैं। खाद के संकट को देखते हुए कृषि मंत्रालय ने एक जुन से तीस जुन तक खेत बचाओ अभियान शुरू करने जा रहा है जिसमे कृषि वैज्ञानिक किसानों को रासायनिक खाद का उपयोग कम करने हरी खाद को बढ़ावा देने याद गोबर की खाद का अधिक उपयोग करने के फायदे बतायेंगे।

सहेली की बर्थडे पार्टी में जाने से रोका, किशोरी ने घर की दूसरी मंजिल से कूदकर दे दी जान

सोरांव (प्रयागराज)। जनपद के गंगापार इलाके में बड़ी घटना हुई। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव में 15 वर्षीय किशोरी ने सिर्फ इस बात पर आत्महत्या कर लिया कि उसके परिवार के लोग सहेली की जन्मदिन पार्टी में जाने से रोक दिए थे। परिवार के लोग बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव को कब्रिस्तान में दफना दिया।

नवीं की छात्रा थी

नगर पंचायत मऊआइमा के मुस्तफाबाद मुहल्ला में मोहम्मद मोनिस परिवार के साथ रहते हैं। उनकी 15 वर्षीय पुत्री अक्सा नूर मऊआइमा स्थित अंसार गर्ल्स इंटर कॉलेज में नवीं कक्षा की छात्रा थी। बताया जाता है कि अक्सा नूर की सहेली की बर्थडे पार्टी होनी थी। इसमें सहेली ने उसे भी बुलाया था।

मां ने मना किया तो आत्मघाती कदम उठाया

अक्सा नूर सहेली की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होना चाहती थी। परिवार के लोगों के मुताबिक उसकी मां ने पार्टी में जाने से मना कर दिया। इससे अक्सा नाराज हो गई और उसने आवेश में आकर घर की दूसरी मंजिल से नीचे कूद गई। इससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस को सूचना नहीं

बताया जाता है कि घटना के बाद परिवार के लोगों ने कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए पुलिस को सूचना नहीं दी। और आनन-फानन में शव को स्थानीय कब्रिस्तान में दफना दिया। फिलहाल इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया तो कार्यालय में घुसकर JE से मारपीट

● अगवा करने का किया प्रयास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज होने से नाराज कुछ लोगों ने शहर के खुशरोबाग उपकेंद्र में घुसकर अवर अभियंता (JE) से मारपीट की। कालर पकड़कर खींचते हुए अगवा करने का प्रयास किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित अवर अभियंता मोहित कुमार ने खुल्दाबाद थाने में नैनी निवासी दीपक विश्वकर्मा समेत कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

घास की सट्टी मुहल्ले के दो घरों में बिजली चोरी पकड़ी थी

अवर अभियंता का कहना है कि एक जून 2026 को वह एसडीओ के साथ घास की सट्टी मुहल्ले में चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान दो मकान में विद्युत चोरी पकड़ी गई। उसकी एफआइआर कराई गई थी। तीन जून को वह अपने कार्यालय में बैठे थे। आरोप है कि इसी दौरान नैनी निवासी दीपक विश्वकर्मा कुछ लोगों के साथ दफ्तर में आ गया। दीपक और उसी के साथी नशे में थे।

कालर पकड़कर खींचते हुए जबरन ई-रिक्शा में बैठाने लगे

आरोप लगाया कि कार्यालय में आते ही दीपक व अन्य लोग अभद्रता करने लगे। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए सरकारी कार्य में बाधा डालने लगे। काफी समझाने पर वह चले गए। कुछ घंटे दीपक कई अज्ञात लोगों के साथ फिर दफ्तर में आया और मारपीट की। कालर पकड़कर खींचते हुए जबरन ई-रिक्शा में बैठाने का प्रयास किया।

केस दर्ज कर पुलिस कर रही जांच-पड़ताल

बताया कि शोर सुनकर दूसरे कर्मचारी आ गए तो विपक्षी धमकी देते हुए भाग निकले। घटना के बाद भुक्तभोगी ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। खुल्दाबाद थाने की पुलिस का कहना है कि लिखित शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

घर में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, क्या घरेलू कलह बना घटना का कारण?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घूरपुर (प्रयागराज)। यमुनापार के घूरपुर थाना क्षेत्र के बीकर गांव में शनिवार दोपहर संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता का शव घर के कमरे में पंखे के चुल्ले से साड़ी के फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल घरेलू कलह को घटना का कारण माना जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। बीकर गांव निवासी रामराज यादव के पुत्र पंचराज यादव उर्फ पंचू की शादी चार वर्ष पूर्व कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी गांव निवासी रामभरत की पुत्री 25 वर्षीय काजल यादव से हुई थी। दंपती की एक वर्ष की बेटी काव्या है। बताया गया कि शनिवार दोपहर भोजन करने के बाद काजल काव्या के साथ कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर बाद बच्ची काव्या के तेज आवाज में रोने की आवाज सुनकर घर की महिलाओं ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इस पर खिड़की से झांककर देखा गया तो काजल साड़ी के फंदे के सहारे लटकी हुई दिखी। घर में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।बताया जाता है कि घटना के समय काजल का पति पंचराज यादव अपने ऑटो वाहन से सवारी लेकर घूरपुर बाजार गया था। ग्रामीणों ने घूरपुर पुलिस और ग्राम प्रधान अतुल कुमार पटेल को सूचना दी। कुछ ही देर में एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान और घूरपुर थाना प्रभारी अतुल कुमार मिश्र पुलिस बल के साथ पहुंचे। कमरे का दरवाजा तोड़कर पुलिस ने काजल के शव नीचे उतारा। उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मृतका के मायकेवालों को फोन से जानकारी दी। कमरे का निरीक्षण करने के बाद परिवार के सदस्यों से पूछताछ की। घटना के बाद परिवार के लोग गमगीन है। एक वर्ष की मासूम काव्या के सिर से मां का साया उठ जाने से गांव में भी शोक का माहौल है।

समाधान दिवस में कुल 244 प्रकरण सुनवाई के लिए आयें, 07 प्रकरणों का मौके पर किया गया निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील करछना में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देशित किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने शिकायतों का निस्तारण समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने के लिए निर्देशित किया है। इस अवसर पर तहसील परिसर में विभिन्न विभागों के द्वारा उनसे सम्बंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में लगाये गये स्टॉलों का अवलोकन करते हुए जानकारी प्राप्त की एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए पात्र लोगो को योजनाओं से लाभान्वित कराये जाने हेतु निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने तहसील में इस अवसर पर जिलाधिकारी ने तहसील में पोषण अभियान के अन्तर्गत 3 महिलाओं की गोदभराई एवं 2 बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। इसके साथ ही उन्होंने गर्भवती महिलाओं को लगाये जाने वाले टीको के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनसमस्याओं को सुनते हुए राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरण की जमीनी स्तर पर जांच कर शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने एवं प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, कार्रवाई एवं समस्याओं के निस्तारण में विलम्ब होने पर सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में उपस्थित राजस्व निरीक्षक एवं लेखपालों को जनशिकायतों को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया है। समाधान दिवस में हरि शंकर-ग्राम डाभी के द्वारा नाली आराजी संख्या 01 को अवैध कब्जा से मुक्त कराये जाने की शिकायत के सम्बंध में आवेदक की उपस्थिति में नाली में मिट्टी डाल कर पाट दिया गया। मिट्टी को हटवाकर मौके पर खाली करा दिया गया है। इसी प्रकार समर बहादुर निवासी सरहटा के द्वारा आराजी संख्या 209 रास्ते के सीमांकन कराये जाने के सम्बंध में दिए गए शिकायती पत्र में मौके पर कास्तकार की उपस्थिति में उक्त गाटे के अगल-बगल कोई कब्जा अंकित नहीं है। गोपाल निवासी कैथी के द्वारा नाली आराजी संख्या 138 में अवैध कब्जा करने के सम्बंध में दिए गए शिकायती पत्र में कार्रवाई करते हुए आवेदक की उपस्थिति में नाली का सीमांकन करके निशान देही करा दिया गया है। भूमि पर अस्थायी कब्जा को हटवा दिया गया है। राजू निवासी हथिगनी के द्वारा चकमार्ग 217 के सीमांकन करने के सम्बंध में दिए गए पत्र में कार्रवाई करते हुए चकमार्ग की भूमि पर अवैध निर्माण को हटवा कर खाली करा दिया गया है। इसी प्रकार सुशील कुमार मिश्र निवासी ककरम के द्वारा खलिहान की भूमि संख्या 207 को खाली कराये जाने के सम्बंध में पत्र दिया गया है, जिसपर खलिहान की भूमि जुज रकबे पर अवैध कब्जा धारक के विरूद्ध 67 की कार्रवाई की गयी। जिसमें तहसीलदार न्यायालय में वाद विचाराधीन है। रामदुलार निवासी हासिमपुर के द्वारा चकमार्ग संख्या 19 पर अवैध कब्जा के सम्बंध में की गयी शिकायत पर राजस्व टीम ने ग्राम प्रधान की उपस्थिति में चकमार्ग सीमांकन करके निशान देही करा दिया गया है तथा मौके पर खाली है। वीरेन्द्र कुमार पटेल निवासी नौगवा के द्वारा वरासत न दर्ज किए जाने की शिकायत के सम्बंध में स्थानीय अभिलेखीय जांच में पाया गया कि आराजी संख्या 947 मा0 न्यायालय राजस्व परिषद उ0प्र0 इलाहाबाद में वाद विचाराधीन है। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील करछना में कुल 244 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें राजस्व विभाग व राजस्व न्यायालय से सम्बंधित 144 विकास विभाग की 08, पुलिस विभाग की 68, विद्युत विभाग की 10 व अन्य विभागों से सम्बंधित 14 शिकायतें थी, जिनमें से 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को आज ही प्राप्त करते हुए उनको निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा है कि शिकायतों का निस्तारण अनिवार्य रूप से निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत हो जाना चाहिए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी करछना श्री तपन मिश्रा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता अभियान के तहत ग्रामीणों को दी गई कानूनी जानकारी

पाकुड़, झारखंडः- झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पाकुड़ के तत्वावधान में 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं नालसा की जागृति योजना-2025 के तहत डोर-टू-डोर विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश तथा सचिव रूपा वंदना किरो के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। अभियान के दौरान लिट्टीपाड़ा प्रखंड की करमाटांड़ पंचायत अंतर्गत छोटा पोखरिया गांव में पैरा लीगल वॉलंटियर जयंती टुडू ने ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह, बाल श्रम, घरेलू हिंसा, जादू-टोना के नाम पर होने वाले अत्याचारों की रोकथाम तथा सड़क दुर्घटना, प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं के पीड़ितों को मिलने वाली कानूनी सहायता एवं सुविधाओं के संबंध में जागरूक किया। इस अवसर पर बाल विवाह के दुष्परिणामों पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए लोगों से इसके विरुद्ध सजग रहने की अपील की गई। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकारों, उनके संरक्षण तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभों की भी जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा घर-घर जाकर लोगों को विधिक अधिकारों एवं उपलब्ध सरकारी सुविधाओं के प्रति जागरूक किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने आमजनों से कानून संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ उठाने की अपील की है।

वर्षों से पूर्णतः क्षतिग्रस्त पथ के नव निर्माण की स्वीकृति मिलने के ठोस आश्वासन से ग्रामीणों में दिखी प्रसन्नता की झलक

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया से 5 किलोमीटर दूर ग्राम तालवा सिदो-कान्हू मोड़ स्थित पाकुड़िया-पाकुड़ पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ से चांदना खाड़ेटोला एवं तेगुड़िया ग्राम तक नए सिरे से पीडब्ल्यूडी विभाग से सड़क निर्माण स्वीकृत होने के संबंध में 2 जून को धरने पर पुनः बैठने तथा मुख्य सड़क जाम करने पर उपस्थित पीडब्ल्यूडी व जिला के वरीय पदाधिकारियों के ठोस आश्वासन मिलने से ग्रामीणों में अत्यधिक प्रसन्नता की झलक दिख रही है। उक्त ध्वस्त आईओ सड़क के संदर्भ में बताया जाता है कि यह पथ मोड़ से लागडुम, चिरूडीह रोड टोला, छोटा बरमसिया, सालपानी और चांदना खाड़ेटोला तक अत्यधिक जीर्ण होने से विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों, विशेषकर छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं के आवागमन में सालों से कठिनाइयां होती रही हैं।ग्रामीणों के अनुसार उक्त जर्जर सड़क को 25 वर्षों से निर्माण की स्वीकृति नहीं मिलने के कारण विशेषकर रुग्ण व वर्षा ऋतु में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता रहा है। तालवा स्थित पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ से चांदना तक सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे तथा नुकीले स्टोन मेटल होने के कारण आवागमन काफी मुश्किल भरा रहा है। विगत कई वर्षों पूर्व विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं तथा पुरुषों ने सिदो-कान्हू मोड़ पर पाकुड़िया-पाकुड़ पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ को पूरी तरह जाम कर धरना दिया था, जिससे दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहन फंस गए थे और यात्रियों के आवागमन में परेशानी हुई थी। सूचना मिलने पर पाकुड़िया के तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू एवं पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाने के प्रयास का आश्वासन देकर जाम व धरना समाप्त कराया। वहीं दूसरी ओर कई वर्षों तक उक्त ध्वस्त पथ के निर्माण की स्वीकृति की सूचना नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने वर्षों बाद पुनः 19 मई को पीडब्ल्यूडी मुख्य पथ पर धरने पर बैठकर सड़क जाम कर दी, जिससे आवागमन पूर्णतः अवरुद्ध हो गया। सूचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बनर्जी एवं थाना प्रभारी मनोज महतो पुलिस बल के साथ पहुंचे और आश्वासन देकर जाम तथा धरना समाप्त कराया। परंतु अब तक निर्माण की सूचना नहीं मिलने पर ग्रामीणों की नाराजगी बढ़ती गई और पुनः 2 जून को बड़ी संख्या में ग्रामीण मुख्य पथ जाम कर धरने पर बैठ गए, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। तत्पश्चात पीडब्ल्यूडी के कार्यपालक अभियंता, पुलिस प्रशासन तथा स्थानीय प्रशासन के अधिकारी धरना स्थल पहुंचे और धरना व प्रदर्शनकारी ग्रामीणों को ठोस तथा संभवतः लिखित आश्वासन दिया। कार्यपालक अभियंता द्वारा आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने धरना एवं सड़क जाम वापस लेते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। पदाधिकारियों ने बताया कि उक्त जीर्ण पथ आरईओ विभाग का है और अब इसे पीडब्ल्यूडी के अधीन आने की सरकारी प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा, जिसके बाद सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस सूचना से ग्रामीणों में अपार हर्ष देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उक्त पथ के निर्माण होने से ग्रामीणों के आवागमन की समस्याएं काफी हद तक दूर हो जाएंगी। ग्रामीणों को विश्वास है कि वर्षों बाद सड़क निर्माण होने से यातायात सुविधा बढ़ेगी तथा सड़क के निकट हाट बनाकर लोग लघु व्यापार के माध्यम से अर्थोपार्जन भी कर सकेंगे।

दो वर्ष बाद जारी हुआ जेपीएससी सिविल जज प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम

● 1844 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए सफल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखंडः- झारखंड लोक सेवा आयोग ने सिविल जज (जूनियर डिवीजन) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का संशोधित परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा आयोजित होने के लगभग दो वर्ष बाद परिणाम प्रकाशित होने से लंबे समय से इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को राहत मिली है। गौरतलब है कि सिविल जज (जूनियर डिवीजन) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 10 मार्च 2024 को रांची सहित राज्य के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। जेपीएससी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय के 9 फरवरी 2026 के आदेश के आलोक में परीक्षा की संशोधित उत्तर कुंजी तैयार की गई। इसी संशोधित उत्तर कुंजी के आधार पर प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम प्रकाशित किया गया है। जेपीएससी ने बताया कि सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के 138 रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए यह भर्ती प्रक्रिया संचालित की जा रही है। जारी परिणाम के अनुसार कुल 1844 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किए गए हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रकाशित परिणाम झारखंड उच्च न्यायालय में लंबित विभिन्न मामलों के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। इनमें सिविल रिव्यू (फाइलिंग) संख्या 1736/2026 समेत अन्य संबंधित याचिकाएं शामिल हैं। न्यायालय के अंतिम निर्णय के बाद आवश्यकता पड़ने पर परिणाम में बदलाव किया जा सकता है। अभ्यर्थी अपना परिणाम जेपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। आयोग ने कहा है कि यदि परिणाम में किसी प्रकार की त्रुटि, टंकण संबंधी गलती या अन्य विसंगति पाई जाती है तो उसमें आवश्यक संशोधन करने का अधिकार आयोग के पास सुरक्षित रहेगा। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद हाल ही में जेपीएससी ने इस परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी जारी की थी। इसके बाद अभ्यर्थियों को परिणाम का इंतजार था, जिसे अब आयोग ने जारी कर दिया है। परिणाम प्रकाशित होने के साथ ही सफल अभ्यर्थियों के लिए मुख्य परीक्षा का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

झारखंड राज्यसभा चुनावः JMM ने बैद्यनाथ राम को बनाया उम्मीदवार, सोमवार को करेंगे नामांकन

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के नाम का एलान कर दिया है। जेएमएम ने बैद्यनाथ राम को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। फिलहाल पार्टी ने एक सीट के लिए ही टिकट का एलान किया है। झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बैद्यनाथ राम के नाम की औपचारिक घोषणा की। बता दें कि बैद्यनाथ राम लातेहार क्षेत्र से कई बार विधायक निर्वाचित हो चुके हैं और झामुमो के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। वह अनुसूचित जाति समुदाय से आते हैं और वर्तमान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के उपाध्यक्ष भी हैं। बैद्यनाथ राम को शासन और प्रशासन का लंबा अनुभव है। वह हेमंत सोरेन की पिछली सरकार में कुछ समय के लिए मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा भाजपा सरकार में भी उन्होंने मंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। जानकारी के मुताबिक, बैद्यनाथ राम सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। झामुमो ने उनके नाम की घोषणा कर चुनावी तैयारियों को और गति दे दी है।

त्रिवेणीगंज में मेडिकल स्टोरों की जांच

● नशीली व प्रतिबंधित दवाओं के कारोबार पर प्रशासन की नजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

त्रिवेणीगंज, सुपौल। सहायक औषधि नियंत्रक के निर्देश पर तीन सदस्यीय टीम ने शनिवार को त्रिवेणीगंज नगर परिषद बाजार स्थित विभिन्न मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। अभियान का उद्देश्य नशीली एवं प्रतिबंधित दवाओं के अवैध कारोबार पर रोक लगाना तथा दवा दुकानों में नियमों के अनुपालन की जांच करना था। निरीक्षण के दौरान ड्रग इंस्पेक्टर सरफराज आलम ने बताया कि विभाग द्वारा नशीली दवाओं और एनआरएक्स (NR&) श्रेणी की दवाओं के खरीद-बिक्री की निगरानी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में त्रिवेणीगंज बाजार के पांच मेडिकल स्टोरों की जांच की गई। टीम ने दुकानों में एनआरएक्स से संबंधित दवाओं की खरीद और बिक्री का रिकॉर्ड खंगाला तथा आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। उन्होंने बताया कि दवा दुकानदारों को निर्देश दिया गया है कि एनआरएक्स श्रेणी की दवाओं की खरीद केवल वैध एवं मूल बिल के आधार पर करें तथा बिक्री का पूरा लेखा-जोखा सुरक्षित रखें। यदि जांच के दौरान किसी दुकान में अनियमितता या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित दुकानदार के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग इंस्पेक्टर ने कहा कि यह जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा ताकि प्रतिबंधित एवं नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। जांच टीम में ड्रग इंस्पेक्टर सरफराज आलम के साथ ड्रग इंस्पेक्टर निर्भय कुमार गुप्ता एवं सुरेंद्र राम शामिल थे। विभाग की इस कार्रवाई से मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कंप का माहौल देखा गया।

गिद्धी थाना क्षेत्र में फायरिंग मामले का हुआ खुलासा

● राहुल दुबे गिरोह के सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग पुलिस ने गिद्धी थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटना का सफल उद्भेदन करते हुए राहुल दुबे गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त एक देशी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। मामले में गिरोह के दो अन्य सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 2 जून 2026 को गिद्धी थाना क्षेत्र के गिद्धी सी चेकपोस्ट के समीप राहुल दुबे गिरोह के सदस्यों द्वारा एक बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार दो अपराधियों ने क्षेत्र में दहशत फैलाने के उद्देश्य से फायरिंग की थी। इस संबंध में गिद्धी थाना कांड संख्या-13/26 दिनांक 3 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश पर मामले के त्वरित उद्भेदन के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। अनुसंधान के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर राहुल दुबे गिरोह के सक्रिय सदस्य मो. वारिस को उसके घर से हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने घटना में शामिल होने तथा फायरिंग करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने फायरिंग में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि इस घटना में मो. वारिस के अलावा गिरोह के दो अन्य सदस्य भी शामिल थे, जो वर्तमान में फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. वारिस 22 वर्ष, पिता- मो. मुस्तकीम, निवासी ग्राम चुनटोल चंचल, थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 7.62 एमएम का एक देशी पिस्तौल, 7.62 एमएम के दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मो. वारिस के खिलाफ हजारीबाग जिले के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, मारपीट, आर्म्स एक्ट तथा अन्य गंभीर धाराओं के तहत कई मामले दर्ज हैं। उसके विरुद्ध कटकमदाग, बड़कागांव, उरीमारी और गिद्धी थानों में वर्ष 2020 से 2025 के बीच कई आपराधिक कांड दर्ज हैं। मामले के उद्भेदन में गठित एसआईटी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में बड़कागांव के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद, पुलिस निरीक्षक मो. शाहिद रजा, गिद्धी थाना प्रभारी मो. इकबाल हुसैन, उरीमारी ओपी प्रभारी रघु उरांव सहित गिद्धी थाना एवं उरीमारी ओपी के कई पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा की चोरी का हुआ खुलासा

● दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना अंतर्गत पेलावल ओपी पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी के एक मामले का सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी गया ई-रिक्शा और उसकी बैटरियां भी बरामद कर ली हैं। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 5 जून 2026 को एक व्यक्ति ने लिखित आवेदन देकर बताया था कि उसके घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। शिकायत के आधार पर पेलावल ओपी थाना कांड संख्या-90/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने ई-रिक्शा चोरी करने की बात स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर सिलवार जंगल क्षेत्र से चोरी गया ई-रिक्शा एवं उसकी बैटरियां बरामद की गई। पुलिस ने इस मामले में सूरज कुमार 24 वर्ष पिता स्व. पप्पू प्रसाद, विकाश कुमार 24 वर्ष पिता रामअवतार साव को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी जलमा, कनपुर, थाना कटकमसांडी पेलावल ओपी, जिला हजारीबाग के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक स्लेटी रंग का ई-रिक्शा रजिस्ट्रेशन संख्या जेएच02बीजे 659, ईस्टमैन कंपनी की चार बैटरियां बरामद की हैं। मामले के उद्भेदन में पेलावल ओपी प्रभारी विद्यु रजक, सहायक अवर निरीक्षक लोसो किस्को तथा पेलावल ओपी के रिजर्व गार्ड के जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। साथ ही क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी और अभियान जारी रहेगा।

महागठबंधन में खत्म हुई नाराजगी? RJD और माले ने किया एकजुटता का दावा

रांची। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर होने वाले चुनाव में महागठबंधन दलों के बीच दरार की खबरों को अब धीरे-धीरे विराम लगना शुरू हो चुका है। महागठबंधन के सभी दलों के बीच की गलतफहमी व दूरियां रविवार की शाम तक मिट जाएंगी। सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) व भाकपा माले झामुमो और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के पक्ष में खड़ा है। हालांकि, अब तक झामुमो व कांग्रेस की ओर से अब तक बैठक नहीं बुलाई गई है। भाकपा माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने कहा कि उन्हें सूचना मिली है कि झामुमो व कांग्रेस ने एक-एक उम्मीदवार उतारा है। होना भी यही था, लेकिन अधिकृत रूप से उन्हें या उनकी पार्टी को जानकारी नहीं दी गई है। उन्हें उम्मीद है कि रविवार की शाम तक महागठबंधन के सभी दलों की संयुक्त बैठक होगी। फिलहाल, बुलावा कहीं से नहीं आया है। राजद के मीडिया प्रभारी कैलाश प्रसाद यादव का भी कहना है कि उनकी पार्टी पहले भी महागठबंधन के उम्मीदवार के साथ थी, आगे भी रहेगी। महागठबंधन के सभी दल एकजुट हैं। कहीं कोई फूट की बात नहीं है। यह तो पहले से तय है कि झामुमो व कांग्रेस से एक-एक उम्मीदवार उतारे जाने हैं। पूर्व में जो बयानबाजी हो रही थी, वह यूं ही थी। उसका कोई मायने-मतलब नहीं था।

सार्वजनिक रास्ते पर अतिक्रमण हटाने की मांग, ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को सौंपा आवेदन

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड अंतर्गत बेंदगी पंचायत के उज्जैना गांव के ग्रामीणों ने सार्वजनिक रास्ते पर कथित अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर अंचलाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल को आवेदन सौंपा है। आवेदन में ग्रामीणों ने बताया है कि उज्जैना गांव स्थित खाता संख्या-204, प्लॉट संख्या-5292 एवं 5298 में सार्वजनिक रास्ता है, जिसका उपयोग ग्रामीण वर्षों से आवागमन के लिए करते आ रहे हैं।आवेदन के अनुसार, उक्त गांव के कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक रास्ते पर सीमेंट की दीवार निर्माण कर रास्ते को अवरुद्ध करने का प्रयास कर रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे गांव के लोगों के आवागमन में परेशानी उत्पन्न हो सकती है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि इस रास्ते का उपयोग स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों, किसानों तथा मरीजों द्वारा भी किया जाता है। ग्रामीणों ने सीओ से मामले की जांच कर सार्वजनिक रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा आवागमन की सुविधा बहाल करने की मांग की है। आवेदन पर दर्जनों ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी हैं। अंचलाधिकारी को आवेदन सौंपने के दौरान विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर एवं सांसद प्रतिनिधि सह जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता भी उपस्थित थे। उन्होंने सीओ से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सार्वजनिक उपयोग के रास्ते को सुरक्षित रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि रास्ता सार्वजनिक है तो उसे किसी भी व्यक्ति द्वारा निजी सुविधा के लिए बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

ढलाई कार्य के लिए जा रहे मजदूरों की गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर कई घायल, चार रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत बरसोत स्थित श्रीनगर पेट्रोल पंप के समीप शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में पिकअप वैन पर सवार कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी मजदूर ढलाई कार्य के लिए मिक्सचर मशीन लेकर महुगढ़ा जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति एवं लापरवाही से आ रहे एक ट्रक ने पिकअप वैन को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन पर सवार मजदूर घायल हो गए। दुर्घटना में विदेश हांसदा पिता महादेव हांसदा, जीतपुर, प्रभु रजवार पिता श्यामलाल रजवार, मनोज हांसदा पिता मुंशी हांसदा एवं नरेश टुडू पिता जिबलाल टुडू गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं सिकंदर बेसरा पिता किशुन बेसरा, जीतपुर, अनिल हांसदा पिता मोहन हांसदा, जीतपुर, विकास मुर्मू पिता सुरेंद्र मुर्मू, पिपराटांड़, अजित रजवार पिता प्रदीप रजवार, बरसोत एवं राजेश मुर्मू पिता बंसी मुर्मू, पिपराटांड़ को अनुमंडलीय अस्पताल बरही में उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि मोतीलाल चौधरी, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि विष्णुधारी महतो, डब्लू कुशवाहा, सुनील कुशवाहा, बबलू, महेंद्र महतो, दिनेश्वर महतो, पिंटू कुशवाहा, दामोदर महतो एवं हरिलाल कुशवाहा मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल बरही पहुंचाने में सहयोग किया। इधर दुर्घटना की जानकारी मिलने पर विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता व बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी भी अस्पताल पहुंचे और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था कराने में सहयोग किया। अनुमंडलीय अस्पताल बरही में डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी, डॉ. अमन कुमार एवं कुलदीप कुमार की टीम ने घायलों का उपचार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरसोत एवं रानीचुवां पंचायत के कई मजदूर नियमित रूप से ढलाई का कार्य करते हैं। शनिवार को भी वे पिकअप वैन पर मिक्सचर मशीन लेकर महुगढ़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी, जिससे वाहन पर सवार मजदूर बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चंदवा का बुध बाजार बदहाल, गंदगी और जाम से त्रस्त लोग, सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

● नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने से बढ़ी परेशानी, स्कूल बच्चों और श्रद्धालुओं को हो रही भारी दिक्कत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंडः- चंदवा का प्रसिद्ध बुध बाजार इन दिनों गंभीर सफाई समस्या और अव्यवस्थित व्यवस्था के कारण लोगों की नाराजगी का केंद्र बना हुआ है। हर सप्ताह लगने वाले इस बाजार में आसपास के गांवों और कस्बों से बड़ी संख्या में लोग सब्जी एवं दैनिक उपयोग की सामग्री खरीदने पहुंचते हैं, लेकिन बाजार में फैली गंदगी और बदहाल व्यवस्था लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। बाजार परिसर और आसपास के क्षेत्रों में जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है। स्थिति ऐसी है कि नालियों का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे पूरे बाजार क्षेत्र में बदबू फैल रही है। सड़क किनारे जमा सड़ा हुआ कचरा और बहता नाली का पानी संक्रमण और बीमारी का खतरा भी बढ़ा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार से नियमित रूप से शुल्क वसूला जाता है, लेकिन सफाई व्यवस्था के नाम पर कोई ठोस पहल नजर नहीं आती। लोगों का आरोप है कि नियमित कचरा उठाव और नालियों की सफाई नहीं होने के कारण बाजार की स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों और मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को उठानी पड़ रही है।

बाजार क्षेत्र में स्थित स्कूल तक पहुंचने के लिए बच्चों को गंदगी, कीचड़ और बहते नाली के पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। वहीं, प्रसिद्ध शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भी बदहाल रास्ते से होकर मंदिर पहुंचना पड़ रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

इसके अलावा बाजार क्षेत्र में बड़े वाहनों के प्रवेश के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। सड़क संकरी होने और दोनों ओर अव्यवस्थित दुकानें लगने से दुकानदारों, ग्राहकों और राहगीरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से बुध बाजार में नियमित सफाई, कचरा प्रबंधन, नालियों की सफाई और यातायात व्यवस्था को लेकर जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

8 जून को चंदवा में लगेगा विशाल रक्तदान शिविर, 'जीवनदान महाअभियान' में युवाओं से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, हजारीबागः- मानवता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल पेश करते हुए चंदवा स्थित साई नर्सिंग होम द्वारा आगामी 8 जून 2026 (सोमवार) को 'जीवनदान महाअभियान' के तहत विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक साई नर्सिंग होम परिसर, देवनद नदी के समीप आयोजित होगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना तथा लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। आयोजकों का कहना है कि दुर्घटना, गंभीर बीमारी और आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर रक्त नहीं मिलने से कई मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इस तरह के रक्तदान शिविर समाज के लिए बेहद उपयोगी साबित होते हैं। साई नर्सिंग होम के प्रोपराइटर डॉ. रोहित त्रिपाठी ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा कार्य है, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। उन्होंने

सभी स्वस्थ लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने बताया कि साई नर्सिंग होम की ओर से प्रत्येक छह माह में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है, ताकि गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके और किसी की जिंदगी केवल रक्त की कमी के कारण खतरे में न पड़े। वहीं, डॉ. सरिता टोप्पो ने युवाओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि यदि युवा वर्ग आगे आए तो रक्त की कमी जैसी समस्या को काफी हद तक दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा,'रक्तदान केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। आइए, हम सभी मिलकर किसी की जिंदगी बचाने का संकल्प लें।'

झारखंड में नशीले पदार्थों की सूचना देने वालों को मिलेगा सुरक्षा कवच, 20 लाख तक मुआवजा

रांची। झारखंड में मादक द्रव्य पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई की वरीय अधिकारियों के स्तर पर लगातार निगरानी चल रही है। इसके प्रति राज्य सरकार भी गंभीर है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटांस एक्ट (एनडीपीएस एक्ट) या स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के तहत प्रतिबंधित मादक पदार्थों के अवैध उत्पादन, अवैध व्यापार, तस्करी, पेडलिंग आदि की सूचना देने व प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार नीति का गठन किया है। पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में इसपर सहमति बनी थी। अब कैबिनेट के उस फैसले के आधार पर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने शुक्रवार को संकल्प जारी कर दिया है। जारी संकल्प के अनुसार, नशीले पदार्थ के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान अगर सूचनादाता की मौत हो जाती है, तो उसके स्वजन को मुआवजा के रूप में 20 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, स्थाई दिव्यांगता होने पर 10 लाख रुपये, 40 प्रतिशत या इससे अधिक की दिव्यांगता होने पर पांच लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल होने की स्थिति में 40 प्रतिशत से कम दिव्यांगता होने या नहीं होने पर तीन लाख रुपये तथा सामान्य रूप से घायल होने की स्थिति में 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

बरही में जाम की समस्या पर उपायुक्त गंभीर, बाजारों के स्थानांतरण का दिया निर्देश

● बरही चौक का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, वैकल्पिक स्थानों पर बाजार शिफ्ट करने की बनी योजना

साफ-सफाई और यातायात व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही में लंबे समय से बनी हुई जाम की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर हजारीबाग के उपायुक्त हेमंत सती ने शनिवार को बरही चौक एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यातायात बाधित होने के कारणों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बरही चौक के आसपास बड़ी संख्या में ठेला दुकानदारों का जमावड़ा, धनबाद रोड स्थित सब्जी बाजार तथा हजारीबाग रोड स्थित मछली बाजार के कारण क्षेत्र में अत्यधिक भीड़ रहती है। बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले लोग अपनी बाइक और चारपहिया वाहनों को सड़क किनारे खड़ा कर देते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है और अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उपायुक्त ने धनबाद रोड स्थित एनएच परिसर के सामने की खाली जमीन, पीएचईडी परिसर तथा हजारीबाग सर्विस रोड का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिया कि एनएच के सामने उपलब्ध भूमि एवं पीएचईडी परिसर की साफ-सफाई कर वहां बाजार को व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित करने की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि बाजारों के सुव्यवस्थित स्थानांतरण से बरही चौक पर वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बरही चौक और उसके आसपास फैली गंदगी पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला परिषद मद से नियमित साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

विभिन्न संस्थानों का भी किया निरीक्षण : बरही दौरे के क्रम में उपायुक्त हेमंत सती ने आईसीएआर गोरियाकरमा, पशुपालन विभाग तथा मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल

केंद्र रोहनियाटांड़, गोरियाकरमा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पशुपालन विभाग के कर्मियों ने शेड निर्माण की मांग रखी, जिस पर उपायुक्त ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र में चल रहे टीकाकरण अभियान का निरीक्षण कर उन्होंने लाभुकों से जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने टीकाकरण के महत्व एवं इसके लाभों के बारे में लोगों को जागरूक करते हुए अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीटीओ हजारीबाग बैजनाथ कामती, बरही एसडीओ जोहान टुडू, एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, सीओ चंद्रशेखर कुणाल, बीडीओ जयपाल महतो, डॉ विशालनाथ, श्रीनिवास गिरी, पुनि सह थाना प्रभारी विनोद कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

समाधान दिवस में दर्ज कराई गई 28 शिकायतें

कोंच (जालौन)- शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में पुलिस और राजस्व सहित अन्य विभागों से जुड़ी 28 शिकायतें फरियादियों द्वारा दर्ज कराई गई। मौके पर सात शिकायतें ही निस्तारित की जा सकी। न्यायिक मजिस्ट्रेट वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता एवं सीओ परमेश्वर प्रसाद की उपस्थिति में आयोजित तहसील स्तरीय समाधान दिवस में महिला आमना ने फार्म भरकर जमा करने के बाद भी दिव्यांग प्रमाण पत्र न बनाने, बिरगुवाँ बुजुर्ग निवासी ग्रामीणों ने बिजली न आने से खेतों में धान की फसल सिंचाई के अभाव में सूखने की शिकायत दर्ज कराई। भगत सिंह नगर निवासी भगवती प्रसाद, मूलचंद्र, मनमोहन ने कुछ लोगों द्वारा सरकारी चकरोड को बखरकर उस जगह पर खेती करने से आवागमन में उत्पन्न हो रही परेशानी की शिकायत की। भदेवरा निवासी दीपेश और प्रदीप ने गांव में बगैर नाला खुदाई के ही करीब 24 लाख सरकारी रूपये हड़पे जाने की शिकायत दर्ज कराई। भगत सिंह नगर निवासी लाल सिंह ने बिजली शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग जाने पर लेखपाल की रिपोर्ट के बाद भी बिजली विभाग द्वारा मुआवजा न देने और बिजली बिल माफ कर नया कनेक्शन न देने की शिकायत दर्ज कराई। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सभी शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र ही मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए हैं। इस दौरान तमाम विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

बाप-बेटे पर नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म का लगाया आरोप

कोंच (जालौन)- बाप-बेटे पर अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने का सनसनीखेज गंभीर आरोप लगाते हुए महिला ने अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। शनिवार को समाधान दिवस में न्यायिक मजिस्ट्रेट वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता एवं सीओ परमेश्वर प्रसाद को अपना शिकायती पत्र देकर एक कॉलोनी निवासी महिला ने बताया कि बीते करीब 2 माह पूर्व कॉलोनी में ही रहने वाले एक युवक ने उसके घर में घुसकर उसकी अकेली मौजूद नाबालिग 14 वर्षीय बेटी के साथ बलपूर्वक जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद वह शिकायत करने उक्त युवक के घर पहुंची जहां युवक के पिता ने अपने लड़के के साथ उसकी बेटी की शादी कराने का आश्वासन उसे दिया था जिसके चलते उसने घटना की शिकायत उस समय पुलिस से नहीं की थी। महिला ने बताया कि इसके बाद उक्त युवक ने कई बार उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया और एक दिन उक्त युवक के पिता ने भी बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म किया, इसकी शिकायत करने पर बाप बेटे ने उसे बेटी सहित जानमाल की धमकी दी। मामले को लेकर महिला ने कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

तरगुवां से खेलते समय लापता हुए दो मासूम, परिजनों ने पुलिस से लगाई गुहार

तालबेहट। थाना क्षेत्र के तरगुवां गांव में शुक्रवार को खेलते समय दो मासूम बच्चों के लापता हो जाने से परिजनों में हड़कंप मच गया। काफी खोजबीन के बाद भी बच्चों का कोई सुराग न मिलने पर परिजनों ने थाना तालबेहट में प्रार्थना पत्र गुमशुदगी दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार चौबयाना वार्ड नंबर-3 निवासी शीला कुशवाहा वर्तमान में तरगुवां स्थित एक खेत पर परिवार सहित रह रही हैं। उनके पुत्र संतोष के दोनों बेटे चन्द्रभान उर्फ चाहू (11 वर्ष) और राहुल (8 वर्ष) शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे तरगुवां चौराहे के पास खेल रहे थे। शाम 4 बजे तक दोनों बच्चे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। परिजनों ने रिश्तेदारों तथा आसपास के गांवों में बच्चों की खोजबीन की, लेकिन देर शाम तक उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजन थाना तालबेहट पहुंचे और पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपकर बच्चों की सकुशल बरामदगी की मांग की। बच्चों के अचानक लापता होने की घटना से परिवार चिंतित है। पुलिस ने प्रार्थना पत्र प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने आमजन से भी अपील की है कि बच्चों के संबंध में कोई जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस अथवा परिवार को सूचित करें।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र अधिवक्ता के खिलाफ उत्पीड़न के मामले को लेकर शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र के संज्ञान में आये एक प्रकरण में अधिवक्ता सुरेंद्र प्रसाद पुत्र खरपतू निवासी ग्राम भड़कना थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र के साथ हुई कथित भूमि कब्जा, चोरी एवं उत्पीड़न संबंधी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसोसिएशन द्वारा प्रार्थना-पत्र पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र को प्रेषित किया गया था तथा निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्यवाही की मांग की गई थी। एसोसिएशन को यह बताते हुए प्रसन्नता है कि पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र के निर्देश पर मामले की जांच उपरांत दिनांक 03 जून 2026 को थाना रॉबर्ट्सगंज में एफआईआर संख्या 0474/2026 दर्ज कर विपक्षीगण छविनाथ, राहुल,रोशन, विशाल पुत्रगण बाबूलाल व बाबूलाल पुत्र बुदुक निवासी ग्राम अरौली पोस्ट रावटसगंज सोनभद्र उत्तर

प्रदेश के विरुद्ध BNS 2023 की धारा 318 (4)352, 351(3) के अंतर्गत दर्ज ली गई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, सोनभद्र पुलिस प्रशासन द्वारा की गई इस कार्यवाही का स्वागत करता है तथा आशा व्यक्त करता है कि प्रकरण की निष्पक्ष विवेचना कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एसोसिएशन सदैव अधिवक्ताओं के वैधानिक अधिकारों, सम्मान एवं न्यायिक हितों की रक्षा हेतु प्रतिबद्ध रहा है और भविष्य में भी अधिवक्ताओं से जुड़े मामलों में आवश्यक सहयोग प्रदान करता रहेगा।

संचालन मीडिया प्रभारी राजेश कुमार यादव एड. ने किया ! इस अवसर पर पवन कुमार सिंह, राजेश यादव, रियाजुद्दीन खान, सुरेश सिंह कुशवाहा, राजेंद्र कुमार यादव, वीरेंद्र कुमार राव, रामचंद्र भारत, राजकुमार पटेल, सुदेश कुमार, आदर्श देव पांडेय, रविंद्र सिंह, राकेश कुमार सिंह, शाहिद कुरैशी मंजू देवी, मार्तंड प्रताप सिंह आदि अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

जंगल में पेड़ से लटका मिला बीए छात्र का शव, पुलिस जांच में जुटि

● नेमना के युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी, पुलिस हर पहलू की कर रही जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/सोनभद्र- स्थानीय थाना क्षेत्र के जरहा गांव स्थित चेतवा जंगल में एक 20 वर्षीय युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान प्रवेश कुमार वैश्य पुत्र स्वर्गीय गुलाब चंद वैश्य निवासी नेमना के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार परवेश शुक्रवार शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। शनिवार सुबह रेणुकूट-बीजपुर मार्ग के समीप चेतवा जंगल में उसका शव पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की। मौके पर फोरेंसिक टीम ने भी जांच-पड़ताल की, जबकि सीओ दुद्धी राजेश कुमार राय ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए।

मृतक के भाई सर्वेश कुमार वैश्य की तहरीर पर पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है। परिजनों ने युवक की मौत को लेकर हत्या की आशंका जताई है। बताया जा रहा है कि प्रवेश दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था तथा बीए का छात्र था। पिता का निधन पहले ही हो चुका था। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। इस संबंध में सीओ राजेश कुमार राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

दरवाजे पर बैठी वृद्ध महिला से मारपीट, छह नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

गाली-गलौज का विरोध करने पर हमला करने का आरोप, नाराहट पुलिस जांच में जुटी

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम बरैजा में एक वृद्ध महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि गांव के ही छह लोगों ने दरवाजे पर पहुंचकर अभद्रता की और विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में ग्राम बरैजा निवासी शीतल पुत्र बैजनाथ ने बताया कि 4 जून 2026 की रात करीब 9 बजे उनकी मां घर के दरवाजे पर बैठी थीं। इसी दौरान गांव के इंद्रपाल पुत्र चंखेलाल, दिनेश विश्वकर्मा पुत्र पुनुलाल, खेमचन्द्र, राजेन्द्र पुत्र खुमान सिंह, सौरभ पुत्र रामपाल तथा रामपाल पुत्र रतन सिंह वहां पहुंचे और कथित रूप से गाली-गलौज करने लगे। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उनकी मां और परिवार के अन्य लोगों ने विरोध किया तो आरोपियों ने एक राय होकर मारपीट शुरू कर दी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रथम आगमन पर शिकायतकर्ताओ की उमड़ी हुजूम

● राजस्व विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार का गूंजा मामला, रिश्वत लेने वीडियो मामले में राजस्व निरीक्षक निलंबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुद्धी/सोनभद्र- तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता जिलाधिकारी सोनभद्र चर्चित गौड़ सोनभद्र द्वारा किया गया। जिलाधिकारी के प्रथम तहसील दिवस दुद्धी आगमन पर शिकायतकर्ताओ की हुजूम उमड़ पड़ी। जून प्रथम तहसील दिवस पर 101 शिकायती प्रार्थना पत्र पड़े। जिसमें 1 का तत्काल व 10 का टीम द्वारा निस्तारण किया गया। डीएम व अपर पुलिस अधीक्षक (आपरेशन) ऋषभ रुडवाल, उपजिलाधिकारी दुद्धी द्वारा फरियादियों को क्रमशः सुना गया। भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपक शाह द्वारा राजस्व विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार व राजस्व निरीक्षक द्वारा रिश्वत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित पर प्रभावी कार्यवाही की मांग पर तत्काल राजस्व निरीक्षक अखिलेश कुमार शुक्ला को निलंबित किया। मंडल महामंत्री प्रेम नारायण सिंह द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुद्धी में महिला चिकित्सा नहीं होने की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेकर डॉक्टर पल्लवी सिन्हा सीएचसी म्योरपुर को सप्ताह में दो दिन कार्य का निर्देश डीएम के निर्देश पर सीएमओ सोनभद्र द्वारा दिया गया। प्रबुद्ध प्रकोष्ठ संयोजक जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी द्वारा मोबाइल ग्रामीण अंचल में नेटवर्क की समस्या, प्रदूषण की जांच के लिए टाक्सी लॉजिकल लैब व पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत वनप्रभाग रेणुकूट को सेंचुरियन जोन बनाए जाने की मांग की गई। सभासदों द्वारा स्थानीय लेखपाल के द्वारा मनमानी व मेजर ध्यान चंद स्पोर्ट एकैडमी द्वारा स्टेडियम का निर्माण शान द्वारा कराने

सहित भूमि विवाद राजस्व विभाग द्वारा अंश निर्धारण, पत्थरगड़ी कराने व नगर में नहर का पक्की करण कराने , सड़क चौड़ीकरण करने,विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग आदि सम्बन्धी सैकड़ों प्रार्थना पत्र पड़े। जिसका गुणवत्ता परक निस्तारण का निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। इस मौके पर को राजेश कुमार राय, तहसीलदार अंजनी गुप्ता, नायब तहसीलदार ज्ञानेंद्र कुमार , डीएफओ, खंड विकास अधिकारी आदि विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

अपहरण के दोषी सरवन कुमार को 4 वर्ष की कैद, 10 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद

● जेल में बितायी अवधि सजा में होगी समाहित, करीब डेढ़ वर्ष पूर्व 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण का मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- करीब डेढ़ वर्ष पूर्व 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी/,सीएडब्लू सोनभद्र बिपिन कुमार तृतीय की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी सरवन कुमार को 4 वर्ष की कैद व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 29 जनवरी 2024 को दुद्धी थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि 23 जनवरी 2024 को रात्रि 2 बजे उसकी 15 वर्षीय बेटी को बहला फुसलाकर सरवन कुमार पुत्र लालकेश्वर निवासी झारोकला, थाना दुद्धी, जिला सोनभद्र कहीं भगा ले गया है। इसके पहले भी सरवन उसकी बेटी को भगा कर ले गया था। लेकिन आपसी सुलह समझौता के बाद मामला शांत हो गया था। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया और पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषी सरवन कुमार को 4 वर्ष की कैद व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर दो माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस की।

बुलेट बाइक की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप, सात पर मुकदमा

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम कलोथरा में दहेज उत्पीडऩ का मामला सामने आया है। एक विवाहिता ने अपने पति, ससुर तथा अन्य ससुरालीजनों पर बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करने, मारपीट करने और दो बच्चियों सहित घर से निकाल देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में ग्राम कलोथरा निवासी चांदनी पत्नी महेंद्र वंशकार ने बताया कि उनका विवाह वर्ष 2021 में महेंद्र पुत्र श्यामलाल के साथ हुआ था। विवाह के समय उनके माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज दिया था। इसके बावजूद शादी के कुछ समय बाद से ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि पति महेंद्र, ससुर श्यामलाल, जेठ राधे, जेठानी पुष्पा, हरनाम, पूजा तथा संजय लगातार मायके से बुलेट मोटरसाइकिल लाने का दबाव बनाते थे।

जैन मंदिर चोरी कांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। थाना बार पुलिस ने जैन मंदिर में हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की धनराशि में से 4,080 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन तथा एएसपी कालू सिंह एवं सीओ तालबेहट आशीष मिश्र के पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता प्राप्त हुई। थाना बार में दर्ज मुकदमा संख्या 69/2026 के अंतर्गत वांछित अभियुक्त थाना बार के ग्राम देवरान निवासी शिवाजी राजा पुत्र कृष्णपाल सिंह व गौरीशंकर पुत्र रामचरण को हिरासत में लिया गया। देवरान स्थित जैन मंदिर से अज्ञात चोरों द्वारा मूर्तियां तथा दानपात्र में रखी नकदी चोरी कर ली गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तीन विशेष टीमें गठित की थीं। सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय सूचनाओं तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वह शराब और जुए के आदी हैं तथा पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर मंदिर में चोरी की योजना बनाई थी। आरोपियों के अनुसार मंदिर में रखी दानराशि की जानकारी उन्हें पहले से थी। घटना के दिन एक आरोपी को निगरानी के लिए बाहर खड़ा किया गया, जबकि अन्य ने मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी से प्राप्त धनराशि को आपस में बांट लिया गया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4,080 रुपये बरामद किए हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रमेशचंद्र मिश्रा एवं थाना बार पुलिस की टीम शामिल रही।

सड़क हादसे में बाइक से गिरकर युवक घायल

कोंच (जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के महेशपुरा रोड स्थित कैलिया बाईपास पर शुक्रवार की देर रात 10 बजे एक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, महेश कुमार (35) पुत्र स्व.मिथलेश कुमार देर रात 10 बजे बाइक से अपने घर गिरवर नगर जा रहा था। महेशपुरा रोड पर कैलिया बाईपास के समीप उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई जिससे महेश को गंभीर चोटें आई। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने घायल महेश को अपनी बाइक से सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सक ने उसका प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि घायल महेश शराब पीकर बाइक चला रहा था। वह स्टेट बैंक के समीप बैठकर लोगों के दांतों का इलाज करता है।

कुदरा बुजुर्ग गांव के सात लोगों पर बलवा और एससीएसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुदरा बुजुर्ग में बीती शाम गौवंशों के गायब हो जाने के मामले में दलित दंपत्ति के साथ गाली गलौच और मारपीट कर घायल कर देने के आरोप में पुलिस ने कुल सात लोगों के विरुद्ध बलवा और एससीएसटी एक्ट जैसी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। ग्राम कुदरा बुजुर्ग निवासी दलित महिला आरती देवी पत्नि कृष्णपाल ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि शुक्रवार की सुबह उन्होंने अपने तीन गौवंश चरने के लिए छुट्टा छोड़ दिए थे। शाम तक जब गौवंश वापस नहीं लौटे तो पति कृष्णपाल उनकी खोज में लग गए। इसी दौरान पता चला कि गांव के ही साहिल सिंह गुर्जर ने उनके गौवंश कहीं गायब कर दिए हैं। पति साहिल के घर पहुंचकर अपने गौवंशों के बारे में पूछने लगा तो गुस्से में आकर साहिल उसके पति को जातिसूचक गालियां देने लगा। पति ने गालियां देने से मना किया तो साहिल सहित सागर गुर्जर, पर्वत सिंह, सूर्यांश गुर्जर, आशीष गुर्जर, शिवा गुर्जर, शिवम गुर्जर एकराय होकर लात-घूसों और लाठी-डंडों से मारने लगे। पति की चीखपुकार सुनकर वह मौके पर पहुंची तो उपरोक्त लोगों ने उसके साथ भी मारपीट

की जिससे वाह और पति गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद साहिल अपने घर से लाइसेंसी बंदूक लेकर बाहर आ गया और गोली मारने की धमकी देकर मौके से भाग जाने के लिए धमकाने लगा। इतना ही नहीं उपरोक्त लोगों ने उसकी दो बाइकें भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दी। आरती ने बताया कि घटना की सूचना उसने मौके से ही पीआरबी 112 पुलिस को दे दी थी लेकिन मारपीट में घायल पति की हालत खराब होने पर वह पति को लेकर कोंच आ गई थी। वहीं उक्त पूरे मामले में पुलिस ने घायल दंपत्ति का चिकित्सकीय परीक्षण कराते हुए उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ दफा 115(2), 191(2), 324(4), 351(2), 352 सहित 3(2)(वीए) में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में लगी है।

विधायक खेल महोत्सव नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच आज

● केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री और उप्र भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी बतौर मुख्य अतिथि होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- ग्राम तीतरा खलीलपुर स्थित एमएसडी महाविद्यालय के मैदान में चल रहे माधोगढ़ विधायक खेल महोत्सव नाइट क्रिकेट प्रीमियर लीग का भव्य समापन आज 7 जून को होने जा रहा है। फाइनल मैच में भारत सरकार का वित्त राज्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। समापन समारोह को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है। आयोजक मंडल ने उनके स्वागत की तैयारियां तेज कर दी हैं।

विधायक खेल महोत्सव के मुख्य आयोजक माधौगढ़-कोंच विधानसभा क्षेत्र के विधायक मूलचंद्र निरंजन ने शनिवार सुबह अपने आवास पर मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि क्रिकेट प्रीमियर लीग की शुरुआत 20 मई को तीतरा खलीलपुर गांव स्थित एमएसडी महाविद्यालय के खेल ग्राउंड पर हुई थी। रात्रिकालीन इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने भाग लेकर शानदार खेल का प्रदर्शन किया। लगभग दो सप्ताह तक चले इस खेल महोत्सव का फाइनल मुकाबला आज 7 जून को होगा, जिसके बाद विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा। विधायक ने बताया कि फाइनल मैच में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

पंकज चौधरी की उपस्थिति खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगी। खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने तथा उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और समापन समारोह को सफल बनाएं।

सीएम योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर विधायक ने कार्यकर्ताओं संग मिलकर काटी केक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- गोरखपुर स्थित प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर एवं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 54वाँ जन्मदिन माधोगढ़ विधायक की अगुवाई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

तीतरा स्थित एमएसडी महाविद्यालय के मैदान में विधायक खेल महोत्सव के तहत चल रहे माधोगढ़ विधानसभा प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान शुक्रवार की रात विधायक मूलचंद्र निरंजन की अगुवाई में भाजपा नेता, कार्यकर्ता सहित क्षेत्रवासियों ने तालियों की करतल ध्वनि और जिंदाबाद के नारे लगाते हुए केक काटी और एक दूसरे का मुँह मीठा कराया। विधायक सहित उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री की दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर विधायक ने कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर आगे ले जाकर विकसित प्रदेश की संरचना गढ़ने का काम मुख्यमंत्री कर रहे हैं। प्रदेश के

अपराधियों की कमर तोड़कर अपराध और भयमुक्त प्रदेश बनाकर रामराज की स्थापना करने में योगी आदित्यनाथ जी प्रण प्राण से लगे हुए हैं जो हम सभी के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर टूर्नामेंट आयोजन समिति के प्रमुख आशु निरंजन महतवानी, सुनील शर्मा, अरविंद निरंजन मुनिया, अनिल वर्मा, गौरी चबोर, प्रदीप मास्टर धनौरा, बाबूराम पाल, सोनू बोहरा, देवेश निरंजन, अंशू पटेल डाढ़ी, अवधेश पटेल पचीपुरी, रामलला धनौरा, अवधेश पटेल धनौरा, नारायण सिंह आदि मौजूद रहे।

गेहूं क्रय केन्द्र में अनियमितताओं का आरोप

नैफेड जिला प्रभारी पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। महरौनी क्षेत्र के ग्राम सिंदवाहा स्थित गेहूं क्रय केन्द्र से जुड़ा एक मामला सामने आया है, जिसमें नैफेड के जिला प्रभारी पर वित्तीय अनियमितताओं और केन्द्र संचालन में बाधा उत्पन्न करने के आरोप लगाए गए हैं। क्रय केन्द्र प्रभारी की शिकायत पर महरौनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में सिंदवाहा गेहूं क्रय केंद्र प्रभारी राजेश नायक ने आरोप लगाया है कि विपणन वर्ष 2026-27 के दौरान समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद के लिए संचालित केंद्र पर नैफेड के जिला प्रभारी सुजान सिंह द्वारा बारदाना उपलब्ध कराने और अन्य व्यवस्थाओं के नाम पर उनसे धनराशि ली गई, लेकिन अपेक्षित सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई। शिकायत के अनुसार प्रारंभ में बारदाना उपलब्ध कराने के लिए 70 हजार रुपये लिए गए, जिसके बदले सीमित संख्या में बोरे उपलब्ध कराए गए। इसके बाद 21 अप्रैल 2026 को अतिरिक्त बारदाना उपलब्ध कराने के नाम पर एक लाख रुपये और लिए गए।

कार्यालय ज्ञाप

पत्रांक 194 /जि0खा0वि010/मक्का क्रय/जि0अ0/2025-26 **दिनांक: 06-06-2026**

अपर आयुक्त (विपणन), खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांकः 1620/अ0आ0वि0/मक्का (रबी फसल)/(E-905764) 2025-26 दिनांकः 11.05.2026 जो शासन के पत्र संख्या-373/29-4-2026/82/2025 दिनांकः 11.05.2026 के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 (रबी फसल) के मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत जनपद कासगंज में मक्का खरीद हेतु समय सारिणी के अनुसार जिला खाद्य विपणन अधिकारी, द्वारा क्रय केन्द्रों के अनुमोदन हेतु प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

उक्त के क्रम में खाद्य विभाग के 10 मक्का खरीद केन्द्रों को तहसील व विकास खण्डवार अनुमोदित किया जाता है।

क्र0 सं0	तहसील	ब्लॉक	क्रय एजेन्सी का नाम	क्रय केन्द्र का नाम
1.	कासगंज	कासगंज	खाद्य विभाग	मण्डी परिसर कासगंज, प्रथम
2.			,,	मण्डी परिसर कासगंज, द्वितीय
3.			,,	मण्डी परिसर कासगंज, तृतीय
4.		कासगंज	,,	खाद्य विभाग, सोरों
5.		सोरों	,,	खाद्य विभाग, सहावर
6.	सहावर	अमांपुर	,,	खाद्य विभाग, अमांपुर
7.		पटियाली	,,	खाद्य विभाग, पटियाली प्रथम
8.			,,	खाद्य विभाग, पटियाली द्वितीय
9.	पटियाली	गंजडुण्डवारा	,,	खाद्य विभाग, गंजडुण्डवारा
10.		सिढ़पुरा	,,	खाद्य विभाग, सिढ़पुरा

तद्क्रम में जिला खाद्य विपणन अधिकारी, को निर्देशित किया जाता है कि खरीद से सम्बन्धित समस्त अपेक्षित व्यवस्थाओं यथा सत्यापित कांटा, बांट, बैनर, पावर डस्टर, बोरा, ऑनलाइन मॉडयूल, पंजीकरण, आदि को समयबद्ध पूर्ण करते हुए दिनांकः 15.06.2026 से नियमानुसार मक्का क्रय प्रारम्भ करना सुनिश्चित करें।

(प्रणय सिंह)
जिलाधिकारी
कासगंज

संक्षिप्त खबरें

समाधान दिवस में 195 में महज 13 का हुआ निस्तारण

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में 195 शिकायतों में अफसरों ने 13 का निस्तारण कराया। सर्वाधिक शिकायत राजस्व विभाग की 128, पुलिस 26, विकास विभाग 20, आपूर्ति 8 विद्युत 01 व अन्य विभागों की 12 रहीं। फरियादियों की शिकायतों की सुनवाई करते हुए एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा ने त्वरित निस्तारण कराए जाने का भरोसा दिलाया। एसडीएम ने शिकायतो से सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर जाकर निस्तारण कराए जाने के कड़े निर्देश दिये। समाधान दिवस का संयोजन तहसीलदार गरिमा वर्मा ने किया। इस मौके पर एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, वन क्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ल, खण्ड विकास अधिकारी मानवेंद्र शर्मा, अधीक्षक डा0 अरविंद गुप्ता, ईओ इन्द्र प्रताप आदि रहे।

चोरी गये ट्रैक्टर ट्राली की बरामदगी में मिली सफलता, तीन आरोपी भेजे गये जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस तथा जिले की स्वाट टीम को चोरी हुए ट्रैक्टर ट्राली की बरामदगी के साथ तीन शातिर बदमाशो को दबोचने में सफलता मिली है। एसपी दीपक भूकर के अपराध नियंत्रण अभियान के तहत लालगंज कोतवाल आलोक कुमार तथा एसएसआई अरूण सिंह व दरोगा रामनरेश पुलिस टीम के साथ गश्त पर निकले थे। पुलिस टीम ने पूरे नोती स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चोरी गये ट्रैक्टर ट्राली की बरामदगी में मिली सफलता, तीन आरोपी भेजे गये जेलसमीप से तीन आरोपियों को दबोचा। पकड़े गये आरोपी लालगंज कोतवाली के लाला का पुरवा जेवई निवासी धर्मेश सरोज पुत्र राम सुन्दर तथा हरबसपुर केदौरा निवासी शिव कुमार यादव पुत्र भगौती प्रसाद एवं जेवई निवासी अंशू सरोज पुत्र रामअभिलाष के पास से चोरी किये गये स्वराज ट्रैक्टर को मय ट्राली बरामद किया। पूंछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह ट्राली का रंग बदलकर ईट भट्ठे पर ढुलाई कर रहे थे। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि चोरी की घटना में लाला का पुरवा जेवई निवासी अंकित सरोज पुत्र राकेश सरोज भी शामिल है। बतादें बीती 20 मार्च की रात बोधी सिंह का पुरवा निवासी छोटे सिंह ने अपना ट्रैक्टर ट्राली घर के सामने खड़ा किया था। अगले दिन सुबह पीड़ित ट्रैक्टर व ट्राली को नदारद देखकर अवाक रह गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया था। पुलिस की सफलता पर जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनंदन राय व सीओ लालगंज ने कोतवाली व स्वाट टीम की प्रशंसा की है।

जर्जर विद्युत तार से खतरे का आशंका, ग्रामीणों में चिंता

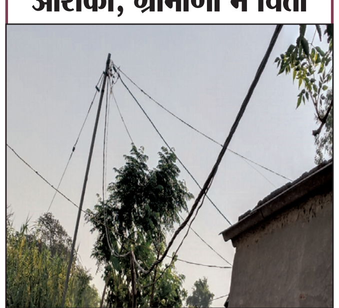

सिद्धार्थनगर। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नावडीह में दक्षिण तरफ विद्युत ट्रांसफार्मर 63 केबी लगा है। और जर्जर तार से गांव के अंदर सप्लाई गया हुआ है। नंगा और जर्जर तार राम स्वरूप प्रजापति के छत के ऊपर से होकर गुजरा हुआ है। घर का कोई परिवार छत के ऊपर नहीं जाते है। दहशत का डर बना हुआ रहता है। कि नंगा तार के चपेट में ना आ जाएं। इस डर से लोगों ने अधिशासी अभियंता से अपील किया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। आंधी और तेज हवा के डर से लोग सहमे हुए रहते हैं। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से जर्जर विद्युत तार को हटाने की मांग की है।

साप्ताहिक बाजार से बाइक चोरी, जांच में जुटी पुलिस

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया स्थित शुक्रवार को साप्ताहिक बाजार से सब्जी खरीदने गए एक व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित ने काफी खोजबीन के बाद पता न चलने पर स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी के अनुसार परसा मलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जिगिना निवासी वीर बहादुर पुत्र राजू शुक्रवार को नौतनवा थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया बाजार में सब्जी खरीदने आए थे। उन्होंने बाजार में अपनी बाइक यूपी 56 एम 3728 खड़ी की और महज 25 मीटर दूर स्थित एक दुकान से सामान लेने चले गए। जब वह सामान लेकर वापस लौटे तो उनकी बाइक मौके से गायब थी। पीड़ित ने तुरंत इसकी सूचना 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को दी। इसके बाद उन्होंने निकटतम थाना नौतनवा में मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। इस संबंध में थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है, बाइक की खोजबीन की जा रही है।

खेलकूद प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी राम मोहन मीणा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला खेलकूद एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला खेल कार्यालय स्थित अत्याधुनिक जिम में तैनात अंशकालिक ट्रेनर की पुनर्नियुक्ति, क्रिकेट पिच निर्माण के लिए 50 ट्रक काली मिट्टी की व्यवस्था तथा मुख्य खेल मैदान के समतलीकरण हेतु 100 ट्रॉली मिट्टी उपलब्ध कराने के प्रस्तावों पर विचार किया गया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं एवं एसजीएफआई, सीबीएसई, आईसीएसई, केवी, विद्या भारती सहित अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों के खिलाड़ियों को अधिकतम 5000 रुपए तक के खेल प्रशिक्षण उपकरण उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया।

खेलों के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्टेडियम में संचालित ताइक्वांडो, क्रिकेट, हैंडबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, तलवारबाजी एवं फुटबॉल प्रशिक्षण शिविरों की जानकारी स्कूलों तक पहुंचाने के लिए 100 बड़े पोस्टर छपवाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। बैठक में छात्र-छात्राओं के लिए दौड़, तलवारबाजी, कबड्डी, कुश्ती एवं फुटबॉल प्रतियोगिताओं के आयोजन पर भी सहमति बनी। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों और युवाओं को खेलों तथा स्टेडियम गतिविधियों से जोड़ना है।मुख्य विकास अधिकारी राम मोहन मीणा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला भी हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं समिति सदस्यों से जिला खेल कार्यालय स्थित जिम की सदस्यता ग्रहण करने तथा खेल गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करने का आह्वान किया। बैठक में सांसद प्रतिनिधि बी.एल. वर्मा, विधायक प्रतिनिधि अरुण मौर्य, एसडीएम सदर अनुष्का शर्मा, सीओ पुलिस लाइन शिव नारायण वैश्य, जिला सूचना अधिकारी सविता यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रघुराज बहादुर सिंह, पूर्व रणजी खिलाड़ी आदित्य शुक्ला सहित विभिन्न खेलों के प्रशिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद प्रतिनिधि के भाई के निधन पर प्रमोद व मोना ने व्यक्त की संवेदना

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय कांग्रेस कैम्प कार्यालय पर शनिवार को हुई शोक सभा में राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी के छोटे भाई दुर्गा प्रसाद तिवारी के दुर्घटना में निधन को लेकर शोक जताया गया। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी से फोन पर वार्ता कर उनके भाई के निधन पर संवेदना प्रकट की। इधर बस्ती जिले में शुक्रवार की देर रात दुर्घटना में दुर्गा प्रसाद तिवारी के निधन की जानकारी मिलने पर यहां कांग्रेसियों में शोक छा गया। बैठक की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, जिपंस लालजी यादव व रघुनाथ सरोज, प्रधानाचार्य डॉ0 अमिताभ शुक्ल, पूर्व प्रमुख पुष्पा देवी, दृगपाल यादव, रामकृपाल पासी, भुवनेश्वर शुक्ल, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह ददन, लल्लन सिंह, रिंकू सिंह परिहार, अरविंद सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम एवं एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी शिकायतें, 50 शिकायतों का हुआ निस्तारण

● **शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें-डीएम**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सदर तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 262 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से राजस्व विभाग की 38 व पुलिस विभाग की 12 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 262 शिकायतों में से 124 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 40, विकास विभाग से 40, विद्युत विभाग से 10 एवं 48 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों को पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर द्वारा सुना गया।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतकर्ताओं की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण तरीके से शिकायतों का निपटारा करें, जिसमें शिकायतकर्ता की संतुष्टि सबसे महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि शिकायतों के निपटारे में किसी भी प्रकार की अनदेखी या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को विनम्रता से सुनते हुए निष्पक्ष जांच कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाए। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर अनुष्का शर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 50 शिकायतें दर्ज, 6 का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन डुमरियागंज़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस दौरान राजस्व, विकास, शिक्षा, पूर्ति एवं अन्य विभागों के शिकायतों की सुनवाई जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उपजिलाधिकारी डुमरियागंज विवेकानन्द मिश्रा तथा पुलिस विभाग से सम्बंधित शिकायतों की सुनवाई पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा पिछले तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के आख्या का अवलोकन किया गया। अवलोकन के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जिला स्तरीय टीम बनाकर मौके का जांच कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस डुमरियागंज में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये।

इस अवसर कुल 50 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-35, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-08, विकास-02, अन्य-05 प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा राजस्व-06 प्रार्थना-पत्र का मौके पर ही निस्तारित करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर डीएफओ नीला एम, क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, अधि0 अभि0 लो0नि0वि0 बांसी विवेक राय, अधि0 अभि0 विद्युत डुमरियागंज, तहसीलदार डुमरियागंज, तहसील डुमरियागंज़ क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त थानाध्यक्ष एवं अधिशासी अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में विष्णु भक्त माधव दास की प्रेरणादायक कथा सुनकर श्रोता भाव- विभोर हो गए

सिद्धार्थनगर। अहिरौली पड़री में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन शुक्रवार रात कथा व्यास राकेश शास्त्री महाराज ने श्रद्धालुओं को एकादशी व्रत का महत्व बताते हुए कहा कि एकादशी सभी व्रतों में श्रेष्ठ मानी गई है। इसे व्रतों का राजा भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि एकादशी केवल उपवास या कठोर नियमों के पालन का नाम नहीं है, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन का पावन पर्व है। कथा के दौरान उन्होंने विष्णु भक्त माधव की प्रेरणादायक कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि माधव एक सरल, निष्कपट और भगवान विष्णु के अनन्य भक्त थे। उनके पास न वैभव था और न ही विशेष ज्ञान, लेकिन उनकी सच्ची भक्ति से भगवान स्वयं उनकी सहायता के लिए उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि भगवान को सोने-चांदी के आभूषण या छप्पन भोग नहीं, बल्कि भक्तों की सच्ची श्रद्धा और प्रेम प्रिय है। इस अवसर पर यज्ञाचार्य अंशु महाराज, दुर्गेश मिश्रा, बलिंदर तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जिला कार्यालय पर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक संपन्न हुई

● **बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला कांग्रेस कार्यालय,इन्दिरा भवन, प्रतापगढ़ में मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ नीरज त्रिपाठी एवं संचालन जिला उपाध्यक्ष इम्तियाज अहमद ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करना होगा। उन्होंने कहा कि बूथ ही चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और मजबूत बूथ संगठन ही कांग्रेस की जीत का आधार बनेगा।

संचालन कर रहे जिला उपाध्यक्ष इम्तियाज अहमद ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को अभी से तेज करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी ब्लॉक,मण्डल एवम बूथ अध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र की मतदाता सूची का गहन परीक्षण करें तथा जिन पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में नहीं है, उनका नाम जुड़वाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर करें। साथ ही छूटे हुए बूथ संगठन को पुनर्गठित कर अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने का अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही कांग्रेस को आने वाले चुनावों में सफलता दिलाएगी।इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष शुभम मिश्र, जिला सचिव अशोक सिंह, जिला प्रवक्ता सुरेश कुमार मिश्रा, लक्ष्मणपुर ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा, कार्यालय सचिव रियाद सुल्तान, जिला सचिव आशिक अली, जिला सचिव धर्मराज सिंह, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष मोहम्मद इदरीसी, आदि कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में कुलपति-शोधार्थी संवाद कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में शनिवार को कुलपति-शोधार्थी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया। संवाद कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने शोधार्थियों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण, नवाचारपरक एवं रोजगारोन्मुखी शोध कार्यों के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने कहा कि उच्च शिक्षा में शोध का विशेष महत्व है। शोध किसी विषय के प्रति गहन समझ विकसित करने के साथ-साथ समाज की समस्याओं के समाधान का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को अपने शोध कार्य को उत्कृष्ट दिशा प्रदान करने, नवीन तकनीकों को अपनाने तथा समाजोपयोगी विषयों पर कार्य करने के लिए सदैव प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने शोधार्थियों को विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का भी आह्वान किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कविता शाह ने भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य एवं शोध निर्देशक डॉ.अमरजीत यादव तथा उनकी शोधार्थी अंजली सिंह को अंतरराष्ट्रीय पेटेंट प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि शोध एवं नवाचार किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान और प्रगति के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने शोधार्थियों से अनुशासन, समर्पण एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ अनुसंधान कार्य करने का आह्वान किया। संवाद कार्यक्रम के दौरान शोधार्थियों ने अपने शोध कार्यों से संबंधित विभिन्न प्रश्न, सुझाव एवं जिज्ञासाएं कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की, जिनका विस्तार से समाधान किया गया। कार्यक्रम का समापन शोध एवं नवाचार को नई दिशा प्रदान करने के संकल्प के साथ किया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जनसुनवाई पर रहा फोकस

जनगणना कार्मिकों का हुआ सम्मान

ललितपुर। शनिवार को जिले की सभी तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस जनसुनवाई और शिकायत निस्तारण के नाम रहा। मण्डलायुक्त झांसी मण्डल बिमल कुमार दुबे ने सदर तहसील पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं, जबकि जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने तहसील पाली में जनशिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। शासन के निर्देशानुसार आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विद्युत, पूर्ति, विकास एवं अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। सदर तहसील में मण्डलायुक्त ने विशेष रूप से राजस्व एवं अवैध कब्जों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए टीम गठित की तथा एक सप्ताह के भीतर भौतिक सत्यापन कर निस्तारण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान रोजगार की तलाश में पहुंचीं 100 से अधिक महिलाओं ने अपनी समस्या मण्डलायुक्त के समक्ष रखी।

खेसरहा रेलवे स्टेशन निर्माण कार्य का सांसद जगदंबिका पाल ने किया स्थलीय निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के लिए दिए निर्देश

● **नई रेल लाइन परियोजना (संत कबीरनगर-बहराइच)**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत निर्माणाधीन संत कबीरनगर-बहराइच नई रेल लाइन परियोजना के तहत विधानसभा संतकबीर नगर/बस्ती/ बांसी/ इटवा , डुमरियागंज क्षेत्र के खेसरहा ब्लॉक स्थित वत्सा में बन रहे रेलवे स्टेशन एवं रेलवे लाइन का शनिवार को सांसद जगदंबिका पाल ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सांसद ने रेलवे अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से परियोजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास और लोगों की सुविधाओं से जुड़ी हुई है, इसलिए निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न किए जाएं ताकि जनता को दीर्घकालिक लाभ मिल सके।

इसके उपरांत आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि लगभग 240 किलोमीटर लंबी संतकबीर नगर से बहराइच तक की नई रेल लाइन पूर्वांचल और तराई क्षेत्र के विकास की नई इबारत लिखेगी। उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक विकास का मजबूत आधार बनेगी। रेल लाइन के निर्माण से स्थानीय युवाओं, किसानों, व्यापारियों तथा आम नागरिकों को व्यापक लाभ प्राप्त होगा।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह नई रेल लाइन उसी संकल्प का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो क्षेत्र के लोगों के जीवन में नई खुशियां और नए अवसर लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में विकास, विश्वास और जनकल्याण की जो मजबूत नींव रखी गई है, यह रेल परियोजना उसकी एक उत्कृष्ट मिसाल है। कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र पांडेय, पूजा पाल, उपजिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती, शिवेंद्र सिंह क्षेत्राधिकारी बासी,जयंत्री मिश्रा, रमेश मणि, शिवेंद्र द्विवेदी, घनश्याम त्रिपाठी, अशोक सिंह, अमर नाथ पांडेय, प्रकाश सिंह, गुड्डू पाठक प्रिंस शर्मा, अमरेंद्र पाल, जनार्दन चौधरी, रामानंद, रामप्रसाद मौर्या,दुर्विजय राय, शांति देवी, आभा देवी आदि उपस्थित रहे।

दबंग ठेकेदार नहर-पुलिया कर रहे क्षतिग्रस्त

● **नहरों के नीचे सटरिंग लगाकर निकाल रहे हैवी वाहन**

नहरे क्षतिग्रस्त करने के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। क्षेत्र में राजघाट नहर और उससे जुड़ी पुलियाओं को पावर प्लांट के दबंग ठेकेदार बार-बार क्षतिग्रस्त कर रहे। वहीं राजघाट नहर के जिम्मेदार अफसर कार्रवाई में कोताही बरत रहे है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि टुसको पावर प्लांट के लिए भारी-भरकम ट्रांसफार्मर और मशीनरी निकालने वाले ठेकेदार अपनी सुविधा के लिए नहर और पुलियाओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जबकि सिंचाई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। ग्रामीणों के अब पवा क्षेत्र में भी राजघाट नहर की पुलिया को भारी ट्रांसफार्मरों की निकासी के लिए क्षतिग्रस्त किया गया है। आरोप है कि ठेकेदारों की सुविधा के लिए नहरों के नीचे शटरिंग लगाकर पुलिया के हिस्से तोड़े जा रहे हैं, जिससे नहर की संरचना और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके पूर्व भी ठेकेदार द्वारा राजघाट नहर की पुलिया दो बार टूट चुकी है, लेकिन अब तक किसी भी जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों आरोप है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच सांठगांठ के चलते नुकसान पहुंचाने वालों पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग के कुछ अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर ठेकेदारों को नहर और पुलियाओं के उपयोग की खुली छूट दे रहे हैं। बड़े ट्रांसफार्मरों की आवाजाही के लिए राजघाट नहर को कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त किया गया है, जिससे सिंचाई व्यवस्था और ग्रामीण आवागमन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। मामले में जब राजघाट निर्माण खंड के एसडीओ डीपी मिश्रा से बात की उन्होंने बताया कि प्राइवेट कम्पनी के इन ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे यदि किसी भी नहर पुलिया को क्षतिग्रस्त किया। पवा की राजघाट नहर पुलिया ट्रांसफार्मर लदे हैवी वाहनों को रोक दिया गया। जिन्होंने पुलिया के नीचे शटरिंग लगाई उनकी भी पहचान की जा रही है।

नहर के नीचे शटरिंग लगाते मजदूर

आम तोडने़ के विवाद में रची गई थी हत्या की साजिश, चार आरोपी गिरफ्तार

● **जाखलौन पुलिस ने हत्या के मामले का किया खुलासा, छह टीमों की जांच के बाद आरोपी दबोचे गए**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। थाना जाखलौन पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पुरानी जमीनी रंजिश और आम के पेड़ से फल तोडने़ के विवाद के चलते आरोपियों ने धनीराम की हत्या की साजिश रचकर उन्हें बांध में डुबो दिया था, ताकि घटना दुर्घटना प्रतीत हो। एसपी मो. मुश्ताक के निर्देशन तथा एएसपी कालू सिंह एवं सीओ सदर सुनील कुमार भारद्वाज के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत थाना जाखलौन पुलिस ने मुकदमा संख्या 137/2026 धारा 103(1), 61(2), 3(5) बीएनएस में वांछित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में कलामुद्दीन (41 वर्ष), गफूर (46 वर्ष), वाहिद (40 वर्ष) तथा कन्छेदी (70 वर्ष), निवासी ग्राम नयागांव थाना जाखलौन शामिल हैं। सभी आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, मृतक धनीराम के पुत्र ने थाना जाखलौन में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसके पिता की हत्या कर शव को बांध में फेंक दिया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में छह पुलिस टीमों का गठन किया। टीमों ने धरातलीय सूचना एवं तकनीकी तथा मैनुअल सर्विलांस की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका मृतक धनीराम के परिवार से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। विवादित भूमि पर लगे आम के पेड़ में इस वर्ष अधिक फल आने के कारण दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इसी रंजिश के चलते उन्होंने धनीराम की हत्या की योजना बनाई। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें पता था कि धनीराम को कम दिखाई और कम सुनाई देता था। इसी का फायदा उठाकर उन्होंने उन्हें बांध में डुबोकर मार डाला और घटना को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया, ताकि किसी को उन पर संदेह न हो। आरोपियों की गिरफ्तारी थाना जाखलौन के थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है।

पुलिस की गिरफ्त में आये आरोपित

विश्व पर्यावरण दिवस पर मेडिकल कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण

विधायक रामरतन कुशवाहा ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

ललितपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रामरतन कुशवाहा उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य डा.मयंक शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजन संपन्न हुआ। शुभारंभ विधायक रामरतन कुशवाहा एवं प्रधानाचार्य डा.मयंक शुक्ला द्वारा पौधारोपण कर किया गया। विधायक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी सभी को निभानी होगी। उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए निरंतर वृक्षारोपण एवं संरक्षण अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों से पर्यावरण के प्रति जागरूक रहते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आग्रह किया। महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया तथा उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सीएमएस डा.गजेन्द्र सिंह, डा.मधुरेन्द्र सिंह, डा.देशनिधि सिंह, डा.उत्कर्ष, डा.अभिषेक गुप्ता, डा. राजेश आर्य, डा.सुनैना सूद, डा.विशाल जैन सहित महाविद्यालय के चिकित्सक, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

हर्ष फायरिंग में महिला की मौत में बिहार के भाजपा विधायक राजू सिंह दोषी करार, 9 जून को होगी सजा पर सुनवाई

दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने वर्ष 2018 में नव-वर्ष समारोह के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में महिला की मौत के मामले में बिहार के साहिबगंज से भाजपा विधायक राजू सिंह को दोषी ठहराया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने शनिवार को राजू सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 भाग-2 (गैर-इरादतन हत्या) और आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत दोषी करार देते हुए उन्हें हिरासत में लेने का आदेश दिया। मामले में सजा की अवधि पर नौ जून को सुनवाई होगी। अदालत ने राजू सिंह की पत्नी, रमेंद्र सिंह और राणा राजेश सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया। घटना के अनुसार, 31 दिसंबर 2018 की रात नई दिल्ली के मंडी गांव स्थित रोज फार्म में आयोजित नववर्ष पार्टी के दौरान विकास गुप्ता अपनी पत्नी अर्चना गुप्ता और बेटी के साथ मौजूद थे। शिकायतकर्ता के अनुसार, रात करीब 12 बजे उन्होंने राजू सिंह और उनके चालक हरि सिंह को हथियारों से हवाई फायरिंग करते देखा। कुछ मिनट बाद फिर फायरिंग हुई, जिसके बाद अर्चना गुप्ता अचानक जमीन पर गिर गईं। उनके चेहरे पर खून था और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस जांच में यह सामने आया कि पार्टी के दौरान चली गोली से अर्चना घायल हुई थीं और घटनास्थल पर पड़ा खून भी साफ कर दिया गया था। एक जनवरी 2019 को फतेहपुर बेरी थाने में पहले हत्या के प्रयास, साक्ष्य मिटाने और आर्म्स एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। जांच के दौरान घटनास्थल से .22 बोर के दो इस्तेमाल किए गए कारतूस बरामद हुए। राजू सिंह के घर से भी हथियार और कारतूस बरामद किए गए, जबकि उनके चालक हरि सिंह के घर से एक .315 बोर राइफल और अन्य सामग्री मिली थी। जांच में यह भी सामने आया कि फायरिंग के बाद राजू सिंह और उनका चालक मौके से फरार हो गए थे। दोनों को दो जनवरी 2019 को उत्तर प्रदेश के फाजिलनगर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय राजू सिंह के पास से .22 बोर की पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। उपचार के दौरान तीन जनवरी 2019 को अर्चना गुप्ता की मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा हटाकर हत्या का मामला दर्ज किया। एम्स में हुए पोस्टमार्टम में डाक्टरों ने स्पष्ट किया कि अर्चना की मौत सिर में गोली लगने से हुई चोट के कारण हुई थी। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर 2023 को अदालत ने राजू सिंह की आरोपमुक्त करने की याचिका खारिज करते हुए उनके खिलाफ धारा 304 (भाग-2) और आर्म्स एक्ट के तहत आरोप तय किए थे।

कोचिंग सेंटर फायरिंग मामले में खान सर की बढ़ीं मुश्किलें, 8 जून को दाखिल करेंगे अग्रिम जमानत याचिका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। बिहार के चर्चित शिक्षक और यूट्यूबर फैसल खान (खान सर) एक बार फिर सुर्खियों में हैं। पटना के कदमकुआं क्षेत्र स्थित कोचिंग संस्थान से जुड़े फायरिंग मामले में दर्ज एफआईआर के बाद कानूनी कार्रवाई तेज हो गई है। ताजा घटनाक्रम में खान सर ने फिलहाल अदालत में आत्मसमर्पण नहीं करने का फैसला लिया है और 8 जून को अग्रिम जमानत (एंटिसिपेटरी बेल) के लिए याचिका दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। खान सर के अधिवक्ता अरविंद कुमार महुआर ने बताया कि उनके मुवक्किल फिलहाल पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे। मामले में कानूनी प्रक्रिया के तहत अग्रिम जमानत की अर्जी दायर की जाएगी। अदालत के निर्णय के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व पटना के मुसल्लहपुर हाट स्थित कोचिंग संस्थान के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हुए थे। घटना के बाद बड़ी संख्या में छात्र संस्थान के बाहर एकत्र हो गए थे और पुलिस को अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा था। इस प्रकरण में पुलिस ने खान सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच एजेंसियां पूरे मामले की पड़ताल कर रही हैं और संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। वहीं, खान सर के समर्थकों का कहना है कि उन्हें साजिश के तहत विवाद में घसीटा जा रहा है। दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। मामले ने शिक्षा जगत और छात्र समुदाय में व्यापक चर्चा पैदा कर दी है। अब सबकी निगाहें 8 जून को दाखिल होने वाली अग्रिम जमानत याचिका और अदालत के अगले फैसले पर टिकी हुई हैं। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि अदालत के आदेश के बाद मामले की दिशा काफी हद तक स्पष्ट हो जाएगी।

पुलिसकर्मियों से मारपीट मामले में अल्का लांबा दोषी करार

दिल्ली। महिला आरक्षण की मांग को लेकर वर्ष 2024 में हुए संसद घेराव प्रदर्शन से जुड़े मामले में दोषी करार दी गई कांग्रेस नेता अलका लांबा को अदालत ने शनिवार को परिवीक्षा (प्रोबेशन) का लाभ देते हुए एक वर्ष के लिए अच्छे आचरण की शर्त पर रिहा करने का आदेश दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्वनी पंवार ने अलका लांबा को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का निर्देश दिया। मामले में अदालत ने 25 मई को अलका लांबा को दोषी करार दिया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि उन्होंने निषेधाज्ञा के आदेशों की अनदेखी की और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया। सजा के बिंदु पर सुनवाई के दौरान लांबा की ओर से अच्छे आचरण के आधार पर प्रोबेशन पर रिहा किए जाने की मांग की गई थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने उन्हें लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने, सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने, लागू आदेश की अवहेलना करने और सार्वजनिक मार्ग में बाधा उत्पन्न करने के आरोपों में दोषी ठहराया था।

तिहाड़ जेल में डर रहे संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले, कोर्ट में लगाई गुहार- हमारे ऊपर हो सकता है हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने संसद सुरक्षा चूक मामले में तीन आरोपितों ने जेल के अंदर अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। आरोपितों ने दावा किया कि उन्हें अन्य विचाराधीन कैदियों से हमले का खतरा है और उन्हें दूसरी जेल में स्थानांतरित किया जाए। अदालत ने उनकी अर्जी पर संबंधित जेल प्रशासन को कानून के मुताबिक उचित निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित बंसल ने मामले से जुड़े चार आरोपितों की न्यायिक हिरासत भी आठ जुलाई तक बढ़ा दी। मामले की अगली सुनवाई भी इसी दिन होगी। सुनवाई के दौरान आरोपित मनोरंजन डी, ललित झा और सागर शर्मा ने अदालत को बताया कि उन्हें जेल में सुरक्षा संबंधी खतरा महसूस हो रहा है। मनोरंजन डी और ललित झा फिलहाल जेल नंबर-आठ में बंद हैं, जबकि सागर शर्मा जेल नंबर-एक में है। तीनों ने अदालत से उन्हें जेल नंबर-चार में स्थानांतरित करने की मांग की। इस पर दिल्ली पुलिस ने कहा कि जेल में स्थानांतरण का विषय जेल प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसके बाद अदालत ने संबंधित जेल अधिकारियों को आरोपितों की याचिकाओं पर नियमों के अनुसार फैसला लेने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई के दौरान सभी आरोपित अदालत में पेश हुए। यह मामला 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई बड़ी चूक से जुड़ा है। उस दिन दो आरोपित विजिटर गैलरी से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे और पीले रंग का धुआं छोड़ने वाले कैनिस्टर का इस्तेमाल किया था। इसी दौरान संसद भवन के बाहर भी दो अन्य लोगों ने नारेबाजी करते हुए पीला धुआं छोड़ा था।

लंबे समय से लंबित मांग, दुल्लभछड़ा-बदरपुर ट्रेन को सिलचर तक विस्तारित करने की जोरदार अपील

● पुरानी मीटर गेज समय-सारिणी बहाल करने की मांग, शाम की ट्रेन सिलचर तक चलाने हेतु रेल मंत्री से हस्तक्षेप की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- जिले के दुल्लभछड़ा-बदरपुर रेल मार्ग पर चलने वाली ट्रेन को सिलचर तक विस्तारित करने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोगों में नाराज़गी और निराशा बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मीटर गेज समय में यह ट्रेन दोपहर लगभग 2:30 बजे दुल्लभछड़ा से चलकर रात लगभग 7:30 से 8:00 बजे के बीच सिलचर पहुंचती थी। इससे कर्मचारी, व्यापारी, छात्र-छात्राएं और आम यात्रियों को काफी सुविधा मिलती थी। वर्तमान में 55689 नंबर की ब्रॉड गेज ट्रेन केवल दुल्लभछड़ा से बदरपुर तक ही सीमित है, जिससे सिलचर जाने वाले यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि पुरानी समय-सारिणी के अनुसार शाम की ट्रेन को दुल्लभछड़ा से चलाकर सिलचर तक विस्तारित किया जाए, तो यात्रियों की संख्या बढ़ेगी और रेलवे की आय में भी वृद्धि होगी। साथ ही बराक घाटी की परिवहन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। स्थानीय नागरिकों और बुद्धिजीवियों ने रेलवे मंत्रालय से आग्रह किया है कि इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया जाए और जनहित में आवश्यक कदम उठाए जाएं। उनका मानना है कि मीटर गेज समय-सारिणी के आधार पर यदि नई योजना बनाई जाती है, तो दुल्लभछड़ा, बदरपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सिलचर से बेहतर और सुगम संपर्क मिल सकेगा। लोगों ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी इस विषय में हस्तक्षेप करने की अपील की है, ताकि रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शीघ्र उचित निर्णय ले सके।

जिले के बदरपुर एन.सी. कॉलेज ऑडिटोरियम परिसर में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर जागरूकता सभा व हस्ताक्षर अभियान

● 300 से अधिक लोगों ने किए हस्ताक्षर, न्याय के लिए आंदोलन को और मजबूत करने का आह्वान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम के बराक घाटी में गुवाहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच स्थापित करने की मांग को मजबूत करने के उद्देश्य से हाईकोर्ट बेंच मांग कार्यान्वयन समिति, कछार जिला समिति के तत्वावधान में 6 जून शनिवार को बदरपुर एन.सी. कॉलेज ऑडिटोरियम परिसर में जागरूकता सभा एवं जन हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, राजनीतिक प्रतिनिधियों, समाजसेवियों, छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न वर्गों के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2 बजे जागरूकता सभा से हुआ। सभा में समिति के अध्यक्ष ध्रुव कुमार साहा, कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार सेन, प्राचार्य पार्थ सारथी दास, सामयिक प्रसंग पत्रिका के संपादक तैमूर राजा चौधरी, अधिवक्ता सुमिता पोद्दार, विश्व बरुण बरुआ, धर्मानंद देव, भाजपा नेता दीपक देव, प्रो. जयनाल आबेदीन तापादार, अधिवक्ता देवोमिता चक्रवर्ती एवं तुहिना शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कटीगड़ा के विधायक कमलाक्ष्य पुरकायस्थ कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने लिखित संदेश भेजकर हाईकोर्ट बेंच की मांग का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। उनका संदेश सभा में पढ़ा गया। उन्होंने कहा कि यह मांग बराक घाटी के लाखों लोगों की न्यायसंगत और जनहित से जुड़ी पुरानी मांग है तथा न्यायिक सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए स्थायी बेंच की स्थापना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्यों के लिए लोगों को गुवाहाटी तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय, धन और श्रम की हानि होती है। विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। स्थायी बेंच स्थापित होने से न्याय प्रक्रिया अधिक सरल, तेज और किफायती होगी। स्वागत भाषण में प्रो. अरुण कुमार सेन ने कहा कि न्याय प्राप्त करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और यह मांग पूर्णतः न्यायसंगत है। समिति अध्यक्ष ध्रुव कुमार साहा ने कहा कि लगभग 40 लाख आबादी वाले बराक घाटी क्षेत्र के लिए

हाईकोर्ट बेंच आज समय की आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि न्यायिक मामलों के लिए लोगों को सैकड़ों किलोमीटर दूर जाना पड़ता है, जिससे गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अधिवक्ता धर्मानंद देव की तथ्यपरक पावर प्वाइंट प्रस्तुति रही। उन्होंने ऐतिहासिक तथ्यों और न्यायिक व्यवस्था के विकासक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि फोर्ट विलियम कोर्ट से लेकर शिलांग और गुवाहाटी हाईकोर्ट तक की न्यायिक यात्रा के बीच बराक घाटी में स्थायी बेंच की आवश्यकता स्पष्ट रूप से बनती है। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने इस मांग को जनहित से जुड़ा बताते हुए सरकार से शीघ्र सकारात्मक कदम उठाने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि न्याय तक समान पहुंच का जनआंदोलन है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मौनिता नाथ ने किया तथा प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन

अधिवक्ता देवोमिता चक्रवर्ती ने किया। अंत में प्रो. जयनाल आबेदीन तापादार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसके बाद शाम 5 बजे जन हस्ताक्षर अभियान शुरू हुआ, जिसमें महिला-पुरुष, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, व्यापारी एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों के अनुसार इस अभियान में 300 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर कर समर्थन व्यक्त किया। समिति ने बताया कि भविष्य में भी इस मांग को लेकर जागरूकता कार्यक्रम जारी रहेंगे। इसी क्रम में आगामी 8 जून को सोनाई एम.सी. कॉलेज परिसर में भी जागरूकता सभा एवं हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने लोगों से अपील की कि वे इस जनआंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाएं और न्यायसंगत मांग को मजबूत करें। समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि जनसमर्थन के बल पर यह लंबित मांग एक दिन अवश्य पूरी होगी।

डाक अधीक्षक द्वारा किया गया वृक्षारोपण

सीतापुर- डाक घर के प्रांगण में डाक अधीक्षक राजेश कुमार तिवारी जी के करकमलों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया तथा सभी को अधिकाधिक वृक्ष लगाने हेतु प्रेरित किया गया।

जर्मनी की राजनीति में बड़ा झटका: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट गंवाने पर बढ़ी सरकार की मुश्किलें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बर्लिन। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभाने वाले जर्मनी को इस सप्ताह एक बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UN Security Council) की अस्थायी सदस्यता के चुनाव में जर्मनी को हार का सामना करना पड़ा, जिससे देश की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में हुए मतदान में जर्मनी आवश्यक समर्थन जुटाने में असफल रहा। पश्चिमी यूरोपीय समूह की सीटों के लिए हुए चुनाव में ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को सफलता मिली, जबकि जर्मनी पहली बार इस तरह की महत्वपूर्ण हार का सामना कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के वर्षों में जर्मनी की विदेश नीति, विशेषकर यूक्रेन युद्ध, इज़राइल समर्थन और विदेशी सहायता बजट में कटौती जैसे मुद्दों ने कई देशों को उससे दूर कर दिया। यही कारण रहा कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों का अपेक्षित समर्थन जर्मनी को नहीं मिल सका। जर्मनी के विदेश मंत्री और सरकारी अधिकारियों ने इस परिणाम पर निराशा व्यक्त की है। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखेगी और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में योगदान देती रहेगी। हालांकि विपक्षी दलों ने इसे सरकार की कूटनीतिक विफलता करार दिया है और विदेश नीति की समीक्षा की मांग की है। इस हार के बाद जर्मनी में राजनीतिक बहस तेज हो गई है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यूरोप और वैश्विक दक्षिण (Global South) के देशों के बीच संतुलन बनाने में जर्मनी अपेक्षित सफलता

हासिल नहीं कर पाया। इसके चलते उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि को झटका लगा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना केवल एक चुनावी हार नहीं बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का संकेत भी है। आने वाले समय में जर्मनी को अपनी विदेश नीति, विकास सहयोग कार्यक्रमों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को और मजबूत करना होगा ताकि वह विश्व मंच पर अपनी प्रभावशाली भूमिका बनाए रख सके।

Pre-SIR के तहत वोटर मैपिंग के लिए जिले के सभी 400 पोलिंग बूथ पर स्पेशल कैंप लगाए जाएंगे

● वोटर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक अपने बूथ पर पहुंचकर मैपिंग करवा सकेंगे- विराज एस. तिड़के

इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया द्वारा बताए गए 11 तरह के डॉक्यूमेंट्स को मंजूरी दी गई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मालेरकोटला- चीफ इलेक्शन ऑफिसर, पंजाब, चंडीगढ़ के निर्देशानुसार, मालेरकोटला जिले के असेंबली हलके-105 मालेरकोटला और असेंबली हलके-106 अमरगढ़ के सभी 400 पोलिंग बूथ पर कल, 07 जून, 2026 (रविवार) को मौजूदा वोटर लिस्ट में रजिस्टर्ड वोटरों को साल 2003 की वोटर लिस्ट से मैप करने के लिए स्पेशल कैंप लगाए जाएंगे।यह जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर-कम-डिप्टी कमिश्नर विराज एस. तिड़के ने बताया कि कैंप के दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (BLOs)

उपायुक्त ने बताया कि भारतीय चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान फॉर्म के साथ लगाए जाने वाले 11 प्रकार के दस्तावेजों को मंजूरी दी है। इनमें सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी पहचान पत्र, पेंशन भुगतान आदेश, जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, मैट्रिक या अन्य शैक्षणिक प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी/एससी/ एसटी या अन्य जाति प्रमाण पत्र, एनआरसी रिकॉर्ड, परिवार रजिस्टर और सरकार द्वारा जारी भूमि या घर आवंटन प्रमाण पत्र शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि आधार कार्ड के संबंध में भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने बूथों पर पहुंचने और मैपिंग प्रक्रिया को सफल बनाने की अपील की।

चोरी के मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल और नकदी बरामद

प्रयागराज। जार्जटाउन पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन एवं नकद रुपये बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। पुलिस के अनुसार थाना जार्जटाउन में पंजीकृत मु0अ0सं0-95/2026, धारा 303(2)/317(2) बीएनएस से संबंधित मामले की विवेचना के दौरान पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर थाना जार्जटाउन पुलिस ने के.पी. बस स्टैंड के पास से दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अजीत पुत्र लाल बहादुर निवासी ग्राम सरपतीपुर, थाना सरायइनायत, जनपद प्रयागराज तथा सूरज यादव पुत्र अतर सिंह यादव निवासी जुनैदपुर, थाना सरायइनायत, जनपद प्रयागराज के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ के दौरान दोनों अभियुक्तों की निशानदेही पर चोरी की घटना से संबंधित सामान बरामद किया गया।

25 दिनों से अंधेरे में उपभोक्ता: 25 केवीए ट्रांसफार्मर पर 40-45 कनेक्शन

● बिल पूरा लेकिन बिजली शून्य; मुख्यमंत्री जी, इसका जिम्मेदार कौन?

बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही या सिस्टम की नाकामी?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। जनपद गोण्डा के विकासखंड रुपईडीह अंतर्गत विद्युत उपकेंद्र खरगूपुर के क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्राम माथेडीह से लेकर भवानीपुर उपाध्याय चौराहे तक, आर्यनगर-महराजगंज मार्ग के किनारे रहने वाले विद्युत उपभोक्ता पिछले लगभग 25 दिनों से भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। भीषण गर्मी और उमस के बीच दर्जनों परिवारों के घरों में अंधेरा पसरा हुआ है, जबकि अधिकांश उपभोक्ताओं का विद्युत बिल भी बकाया नहीं है।ग्रामीणों का आरोप है कि यह समस्या किसी एक दिन की तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि विभागीय उदासीनता और वर्षों से चली आ रही अनदेखी का परिणाम है। लोगों का कहना है कि गांव में स्थापित 25 केवीए ट्रांसफार्मर पर लगभग 40 से 45 कनेक्शन संचालित किए जा रहे हैं, जिसके कारण लगातार ओवरलोड की स्थिति बनी रहती है। सवाल यह है कि जब ट्रांसफार्मर की क्षमता सीमित थी, तो उस पर इतने अधिक कनेक्शन स्वीकृत क्यों किए गए?प्रभावित उपभोक्ताओं में रामकुमार पुत्र जयराम (कनेक्शन संख्या 9575540100), रामप्रसाद पुत्र जयराम, भगवान चरण, लाला, घनश्याम, छोटे मौर्य सहित एक दर्जन से अधिक परिवार शामिल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे हर महीने समय से बिजली बिल जमा करते हैं, लेकिन बदले में उन्हें न तो पर्याप्त बिजली मिल रही है और न ही उनकी शिकायतों का समाधान।

बिल पूरा, बिजली गायब — आखिर क्यों?

ग्रामीणों का कहना है कि जब पिछले 25 दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित है, तो आखिर उनसे किस बात का बिल लिया जाएगा? यदि बिजली का उपयोग ही नहीं हुआ, तो उपभोक्ताओं पर बिल का बोझ डालना कैसे उचित माना जा सकता है?लोगों का आरोप है कि विभाग बिल वसूली में तो पूरी तत्परता दिखाता है, लेकिन जब उपभोक्ताओं को सुविधा देने की बात आती है, तो जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं।

कई शिकायतें, फिर भी नहीं हुआ समाधान

ग्रामीणों के अनुसार ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने और बिजली आपूर्ति सुचारू कराने के लिए कई बार शिकायत की गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। परिणामस्वरूप बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, पेयजल संकट गहरा रहा है और बुजुर्गों व महिलाओं को भीषण गर्मी में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी, इसका जिम्मेदार कौन?

प्रदेश सरकार गांव-गांव तक बेहतर बिजली व्यवस्था पहुंचाने का दावा कर रहे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की बात करते हैं। ऐसे में गोण्डा जनपद के रुपईडीह विकासखंड अंतर्गत माथेडीह से भवानीपुर उपाध्याय चौराहे तक के उपभोक्ता पूछ रहे हैं–

मुख्यमंत्री जी, जब उपभोक्ता नियमित रूप से बिल जमा कर रहे हैं, तो 25 दिनों से बिजली से वंचित रहने का जिम्मेदार कौन है?

मुख्यमंत्री जी, 25 केवीए ट्रांसफार्मर पर 40-45 कनेक्शन देने की अनुमति किसने दी?

मुख्यमंत्री जी, शिकायतों के बाद भी यदि समाधान नहीं हो रहा, तो जवाबदेही किसकी तय होगी?

आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई और ट्रांसफार्मर की क्षमता नहीं बढ़ाई गई, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और

उच्चाधिकारियों का घेराव करने के लिए बाध्य होंगे।इस संबंध में एसडीओ पंकज राठौर ने बताया कि शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं जेई खरगूपुर रवि वर्मा ने कहा कि समस्या की जानकारी है और जल्द समाधान का प्रयास किया जाएगा।

जनता के सवाल

25 केवीए ट्रांसफार्मर पर 40-45 कनेक्शन क्यों दिए गए?

25 दिनों से बाधित बिजली आपूर्ति की जिम्मेदारी किसकी है?

जब बिजली नहीं मिली तो बिल क्यों लिया जाए?

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

क्या विभागीय लापरवाही की जांच होगी?

माथेडीह और भवानीपुर उपाध्याय चौराहे के बीच रहने वाले उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि बिजली और जवाबदेही चाहिए। अब देखना यह है कि विभाग इन सवालों का जवाब देता है या फिर जनता को अपनी आवाज सड़क पर बुलंद करनी पड़ेगी।

ओटीटी पर छा गई करिश्मा कपूर की 7 एपिसोड वाली सीरीज 'ब्राउन'

● करिश्मा कपूर की वेब सीरीज ब्राउन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर राज कर रही है। इस सीरीज को IMDb से धांसू रेटिंग मिली है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दो साल बाद करिश्मा कपूर ओटीटी की दुनिया में लौटीं लेकिन वेब सीरीज लेकर। इस बार मेन लीड में करिश्मा थीं और नई कहानी के साथ ओटीटी पर धमाल मचा दिया। 24 घंटे के अंदर ही करिश्मा की सीरीज ओटीटी पर छा गई है। करिश्मा कपूर की नई वेब सीरीज ब्राउन है। रोमांटिक और ग्लैमरस रोल्स में नजर आने वालीं करिश्मा ने अपने करियर में पहली बार क्राइम थ्रिलर में ब्राउन जैसा किरदार निभाया हो। इस सीरीज में एक्ट्रेस की परफॉर्मेंस की काफी तारीफ की जा रही है।

क्या है ब्राउन सीरीज की कहानी?

7 एपिसोड की सीरीज ब्राउन में करिश्मा कपूर पुलिस ऑफिसर की

भूमिका निभा रही हैं। सीरीज की कहानी रीटा ब्राउन (करिश्मा कपूर) की है जो शराब की लत से जूझ रही एक बदनाम डिटेक्टिव हैं और महिलाओं को निशाना बनाने वाले एक सीरियल किलर की जांच कर रही हैं। अभीक बरुआ के नॉवेल 'सिटी ऑफ डेथ' पर आधारित यह सात एपिसोड की नॉयर सीरीज मर्डर मिस्ट्री के साथ-साथ मुख्य किरदार के दुख, ट्रॉमा और खुद को सुधारने की यात्रा को भी दिखाती है।

किस ओटीटी पर है ब्राउन?

अभिनय देव के निर्देशन में बनी वेब सीरीज ब्राउन में करिश्मा कपूर के अलावा जिशु सेनगुप्ता, अर्जुन सिन्हा, सोनी राजदान जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं

में हैं। फिल्म में सलमान खान की सौतेली मां और एक्ट्रेस हेलेन भी हैं। यह सीरीज 5 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम हो रही है। यह आते ही ट्रेंडिंग लिस्ट में छा गई है।

सीरीज को मिली धांसू रेटिंग

करिश्मा कपूर की वेब सीरीज ब्राउन साल की सबसे टॉप रेटेड साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर बन गई है। इस सीरीज को IMDb की तरफ से 9.3 रेटिंग मिली है। इसका ऐलान करते हुए जी5 ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'डार्क। जबरदस्त। बेमिसाल। ब्राउन ने फैन्स और क्रिटिक्स को दीवाना बना दिया है और इसकी रेटिंग्स खुद ही सब कुछ बयां कर रही हैं।'